वर्ष-07 - अंक 318
पृष्ठ-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
मंगलवार, 25 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

डीएम साहब जरा एक नज़र इधर भी....... 3
कानून व्यवस्था के नए मानक गढ़ता भयमुक्त सुरक्षित उत्तर प्रदेश.... 4
सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पर घायल छात्र ने लगाए गंभीर आरोप.... 12

अमेरिका की कार्रवाई से ईरान पर दबाव, तेल बाजार में बढ़ी हलचल

अमेरिका की कार्रवाई से ईरान पर दबाव, तेल बाजार में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अब तक के बड़े आर्थिक अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित प्रतिबंधों का दायरा ईरान के साथ व्यापार और वित्तीय लेन-देन करने वाले दूसरे देशों तथा कारोबारी संस्थानों तक बढ़ाया जा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े आर्थिक अभियानों में से एक बताया है।

ईरान ने दी तेल निर्यात रोकने की चेतावनी अमेरिकी कदम के जवाब में ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी है कि यदि आर्थिक दबाव जारी रहा तो उनका देश खाड़ी क्षेत्र से तेल का निर्यात पूरी तरह रोक सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी के किसी अन्य रास्ते से तेल निर्यात होने देगा। रेजाई ने यह भी कहा कि जो देश अमेरिकी आर्थिक अभियान में शामिल होंगे या उसका समर्थन करेंगे, उन्हें ईरान दुश्मन के रूप में देख सकता है। ईरान की इस चेतावनी से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार और वैश्विक व्यापार पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिका के निशाने पर ईरान से कारोबार करने वाले देश अमेरिका ने प्रस्तावित नए प्रतिबंधों की पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने वाले देशों और संस्थानों पर भी दबाव बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका ने चीन को भी ईरान के साथ आर्थिक सहयोग को लेकर सतर्क रहने को कहा है। चीन ने अमेरिकी दबाव और प्रतिबंधों की नीति का विरोध करते हुए कहा है कि प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। चीन ने दोनों पक्षों से बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है।

आर्थिक संकट से जूझ रहा ईरान ईरान की अर्थव्यवस्था पहले से ही लंबे समय से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रही है। देश में महंगाई, कमजोर मुद्रा, ऊर्जा संकट और बेरोजगारी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे समय में नए अमेरिकी प्रतिबंध ईरान की आर्थिक स्थिति पर और दबाव डाल सकते हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि उनका देश दुश्मनों के साथ व्यापक संघर्ष का सामना कर रहा है। उनके मुताबिक यह लड़ाई केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक और सुरक्षा के मोर्चे पर भी दबाव बनाया जा रहा है।

बातचीत के पक्ष में ईरान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अमेरिकी प्रतिबंधों की नीति को पुराना तरीका बताते हुए कहा है कि दबाव बनाने के बजाय सम्मानजनक बातचीत का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। इस बीच कतर, पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का रास्ता खोलने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच कई सप्ताह से सीधी बातचीत नहीं हुई है। ऐसे में अमेरिका के नए आर्थिक कदम और ईरान की तेल निर्यात रोकने की चेतावनी के बीच आने वाले दिनों में वैश्विक ऊर्जा बाजार और पश्चिम एशिया की स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी। **तेल बाजार पर बढ़ सकता है दबाव** ईरान की ओर से तेल निर्यात रोकने की धमकी से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ सकती है। यदि तनाव बढ़ता है तो तेल की कीमतों में तेजी का असर उन देशों पर भी पड़ सकता है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं।

20 बागी सांसदों की अयोग्यता पर फैसला क्यों नहीं? सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

बागी सांसदों की सदस्यता पर बढ़ा सियासी संग्राम

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सियासत में तृणमूल कांग्रेस और उसके 20 बागी सांसदों के बीच चल रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर लोकसभा अध्यक्ष की ओर से फैसला नहीं किए जाने को लेकर टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शीर्ष अदालत का रुख किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी। टीएमसी का आरोप है कि उसके 20 सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न पर निर्वाचित हुए थे, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के साथ विलय का ऐलान किया। पार्टी का कहना है कि ऐसा कदम संविधान की दल-बदल विरोधी व्यवस्था के दायरे में आता है और संबंधित सांसदों की सदस्यता पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष के पास लंबित हैं याचिकाएं अभिषेक बनर्जी की ओर से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष 20 बागी सांसदों की अयोग्यता को लेकर अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की गई थीं। टीएमसी ने इन पर जल्द फैसला लेने की मांग की थी। हालांकि, अब तक इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं होने पर पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बागी सांसदों ने मांगी अलग समूह की पहचान बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग समूह के रूप में पहचान दिए जाने की मांग की है। वहीं, टीएमसी का कहना है कि पार्टी के टिकट और चुनाव चिह्न पर निर्वाचित होने के बाद किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ जाने पर दल-बदल विरोधी कानून लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट में सभी को बनाया पक्षकार टीएमसी की याचिका में लोकसभा अध्यक्ष और लोकसभा महासचिव के साथ उन सभी 20 सांसदों को भी पक्षकार बनाया गया है, जिनके खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई की मांग की गई है। पार्टी ने अदालत से इस मामले में समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। टीएमसी की ओर से कहा गया है कि इन सांसदों ने पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीता था। ऐसे में उनके दूसरे राजनीतिक दल के साथ जाने के फैसले पर संविधान के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। अब पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद आगे की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

दल-बदल कानून का मुद्दा केंद्र में: टीएमसी का मुख्य तर्क है कि पार्टी छोड़कर दूसरे राजनीतिक दल के साथ जाने वाले सांसदों पर संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

स्पीकर की भूमिका पर सवाल: अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने का अधिकार लोकसभा अध्यक्ष के पास है। टीएमसी अब फैसले में हो रही देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है।

कार्यालय नगर पंचायत भलुअनी, जनपद-देवरिया

पत्रांक- मेमो/न0पं0भलु0/2026-27 दिनांकः 12-08-2026

संदेश

1 ये नगर आपका है, इसे स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें।
2 अपने घरो से निकलने वाले कुडे को पृथक्कृत करके डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन टीम को उपलब्ध करायें।
3 स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के दृष्टिगत अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का प्रयास करें।
4 अपने समस्त करों की अदायगी समय से करें।
5 भवन निर्माण करने से पूर्व नगर पंचायत से भवन मानचित्र की स्वीकृति अवश्य करा लें।
6 पथ प्रकाश को क्षतिग्रस्त न करें।
7 पॉलिथिन बैग का प्रयोग न करें, जूट एवं कागज से बने थैलों का प्रयोग करें।
8 पर्यावरण हित में अधिक से अधिक पेड़ लगाये, एवं जल संसाधन का अपव्यय न करें।
9 सडे गले पदार्थो का सेवन न करें, एवं इन्डिया मार्का हैण्डपम्प का शुद्ध पेयजल का प्रयोग करें।
10 अपने घर के आस पास जल जमाव न होने दें, एवं जल जमाव वाले स्थानों पर मिट्टी तेल/ एण्टीलार्वा का छिड़काव करें।
11 खुले में शौच न जायें, घरेलु/सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालय का प्रयोग करें।
12 जन्म मृत्यु का पंजीकरण समयावधि के अन्दर करावें।
13 साफ सफाई एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए 1533 टोल फ्री नंबर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई हेतु 14420 टोल फ्री नंबर पर संपर्क करें।

प्रेम नारायण सिंह
अपर जिलाधिकारी (प्र0)/
प्रभारी अधिकारी स्था0 नि0 देवरिया

मधुसूदन हुल्गी
जिलाधिकारी
देवरिया

नितेश गौरव
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत भलुअनी
देवरिया

देवेश कुमार
अध्यक्ष
नगर पंचायत भलुअनी
देवरिया

विजय प्रकाश वर्मा
लिपिक

निर्वाचित सदस्यगण- श्रीमती रानी देवी, श्री पोतन पासवान, श्री रमेश कुमार, कु0 निकिता राय, श्री अरविन्द यादव, श्री गिरिजेश यादव, श्री आदेश कुशवाहा, श्रीमती पूनम तिवारी, श्री विक्रम सिंह, श्री रामाश्रय यादव, श्रीमती प्रेमशीला, श्री शक्ति मद्धेशिया, श्रीमती रुपमणी, श्री अंगद सिंह। नामित सदस्यगण - श्री अष्टभुजा श्रीवास्तव, श्री सुरेश कुमार पाण्डेय, श्री पवन सिंह।

संक्षिप्त खबरें

बांदा में मां के जाने का सदमा नहीं झेल पाया बेटा, मौत के 21 दिन बाद किया सुसाइड

अतर्रा (बांदा)। 21 दिन पहले मां के आत्महत्या करने के बाद युवक ने शनिवार की रात सूने घर में साड़ी के फंदे गले में डालकर खुदकुशी कर ली। घर वापस आए पिता ने आवाज लगाई, लेकिन जवाब न मिलने पर बाजार गये छोटे पुत्र को फोन कर बुलाया। घर आया छोटा पुत्र दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुआ। जहां युवक को फंदे पर लटकते देख नीचे उतारा। स्वजन की मदद से उसे सीएचसी लाए लेकिन यहां डाक्टरों ने नाजुक हालत देखकर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के अस्पताल को रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। कस्बा के मोहल्ला राजनगर निवासी 22 वर्षीय सत्यम गुप्ता ने बीते शनिवार की रात करीब नौ बजे सूने घर में दरवाजा बंद कर कमरे में लगे पंखे के हुक से साड़ी का फंदा बना गले में डाल खुदकुशी कर ली। दिवंगत के छोटे भाई शिवम गुप्ता ने आरोप लगाते हुए बताया कि मां का प्रेम संबंध बिसंडा के ग्राम कुलकुम्हारी निवासी एक रिश्तेदार से रहा है।

शिक्षा के मंदिर में 9.70 लाख की डकैती: कागजों में सिमटा शौचालय, खुले में जाने को मजबूर मासूम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कुदरहा विकास खंड के मंझरिया पंचायत स्थित शिक्षा के मंदिर में बच्चों की सुविधा के लिए 9 लाख 70 हजार रुपये की लागत से शौचालय का बजट स्वीकृत हुआ था। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह शौचालय सिर्फ कागजों में ही बनकर तैयार हुआ। शिक्षा के मंदिर का यह शौचालय कुदरहा के नकारेपन और भ्रष्ट सिस्टम का शिकार हो गया है। बिना निर्माण कार्य पूरा हुए ही 970000 रुपये का भारी-भरकम बजट पूरी तरह से डकार लिया गया और स्कूल के मासूम बच्चे आज भी बेशर्मी से भरे इस ढर्रे के कारण खुले में शौच करने को मजबूर हैं। इस सड़ चुके और गंदे सिस्टम ने छोटे-छोटे बच्चों की इज्जत और सेहत का भी कचरा निकाल दिया है। स्कूल परिसर के चारों तरफ फैली गंदगी, बदबू और गोबर के बीच बच्चे बैठने को लाचार हैं, जबकि कागजों पर चमचमाता शौचालय दिखाकर अफसरों की जेबें गर्म कर

ली गई। प्रशासन के इस घिनौने और थू-थू करने लायक रवैये ने मासूम नौनिहालों को गटर जैसी जिंदगी जीने धकेल दिया है। जहां ज्ञान की रोशनी फैलनी चाहिए थी, वहां आज इस घिनौनी लूट की दुर्गंध आ रही है और अधिकारी आंख-कान बंद करके गंदे नाले की तरह बहरे बने बैठे हैं।

सरिता देवी और बीडीओ की मिलीभगत, सुरसा की तरह निगले बच्चों के हक का पैसा

मंझरिया पंचायत की महिला प्रधान सरिता देवी पर आरोप है कि उन्होंने बिना शौचालय बनाए ही जनता और बच्चों के हक का पूरा पैसा खा लिया। इस खुली लूट में कुदरहा के ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) और सिस्टम के रखवालों ने भी अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी है। सुरसा की तरह मुंह बाए खड़ी इस कमीशनखोरी में बेशर्मों की तरह बच्चों के लैटरिंग का पैसा भी पचा लिया गया। ब्लॉक से लेकर पंचायत तक फैला यह गठजोड़ साफ दर्शाता है कि विकास के नाम पर आने वाली मलाई का हिस्सा किस तरह आपस में बांट लिया गया।

सूबे के मुखिया का नहीं खौफ, साहब की कुर्सी तक पहुंचती है मलाई

कुदरहा का यह नकारा सिस्टम सूबे के मुखिया के कड़े से कड़े निर्देशों और आदेशों से भी नहीं डरता है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि जब मलाई का पैसा ऊपर साहब की कुर्सी तक पहुंचता हो, तब भला इन भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कैसे होगी। अधिकारियों की छत्रछाया और हफ्ता-कमीशन के खेल के चलते ही महिला प्रधान और ब्लॉक के जिम्मेदार बेखौफ होकर घूम रहे हैं। जब तक इस पूरे नेक्सस की जांच कर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक मंझरिया पंचायत के नौनिहालों को उनका बुनियादी हक नहीं मिल पाएगा।

» कुदरहा के नकारे सिस्टम की भेंट चढ़ा स्वच्छता अभियान, मंझरिया पंचायत में भारी गबन।

» प्रधान सरिता देवी और बीडीओ की सांठगांठ: सुरसा की तरह निगल गए बच्चों के हक का पैसा।

» बेशर्मी की हदें पार: कागजी आंकड़ों की बाजीगरी कर अफसरों ने अपनी जेबें की गर्म।

» कागजों में बना 9.70 लाख का शौचालय, खुले में शौच को मजबूर मासूम।

जनेश्वर मिश्रा की स्मृति में बने गेट का फाउंडेशन ध्वस्त, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है॥-27 पर कटरी तिलकपुर के पास गंगापुर एवं गोपियापार को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर विधायक निधि से सामाजिक न्याय के पुरोधा और समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में रहे जनेश्वर मिश्रा की स्मृति एवं सम्मान में निर्मित गेट के फाउंडेशन को अराजक एवं असामाजिक तत्वों द्वारा ध्वस्त किए जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविंद्र चौधरी अतुल ने एवं अन्य समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने घटना को निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि जनेश्वर मिश्रा के विचारों और समाजवादी मूल्यों का अपमान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति को संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

इसी गंभीर मामले को लेकर समाजवादी पार्टी, बस्ती विधानसभा क्षेत्र कप्तानगंज से विधायक अतुल चौधरी, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी बस्ती तथा पुलिस अधीक्षक बस्ती से मुलाकात की और पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल, निष्पक्ष एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। विधायक अतुल चौधरी ने कहा कि यह केवल एक निर्माण को क्षति पहुंचाने का मामला नहीं है, बल्कि जनता के धन और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी प्रहार है। उन्होंने मांग की कि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए तथा सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रेम संबंध के विरोध में पिता की हत्या, बेटी और प्रेमी गिरफ्तार

दुबौलिया पुलिस ने 24 घंटे में किया हत्याकांड का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलेके दुबौलिया थाना क्षेत्र में रिश्तों को झकझोर देने वाले हत्याकांड का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए मृतक की बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, प्रेम संबंध का विरोध करने पर युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या कर दी। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर नहर से हत्या में प्रयुक्त खून से सनी हंसिया, गमछा और 700 रुपये बरामद किए गए हैं। मामले में मृतक के भाई काशी प्रसाद की तहरीर पर थाना दुबौलिया में मुकदमा अपराध संख्या 158/2026 के तहत धारा 103(1), 238 और 3(5) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस

अधीक्षक श्यामकान्त तथा सीओ कलवारी बृजेश सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी की टीम ने कार्रवाई करते हुए लक्ष्मण पुत्र राजू निवासी बभरौली और उसकी प्रेमिका दुर्गा पुत्री स्व. कृष्णा प्रसाद निवासी रमवापुर तिवारी, थाना छावनी को जैतापुर मोड़, रामजानकी मार्ग से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों नासिक भागने की तैयारी में थे।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ में लक्ष्मण ने बताया कि 21 अगस्त को दोपहर दोनों बभरौली में नहर के पास खेत में मिले थे। इसी दौरान दुर्गा के पिता कृष्णा प्रसाद वहां पहुंच गए। दोनों को साथ देखकर उन्होंने विरोध किया और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान लक्ष्मण और दुर्गा ने मिलकर कृष्णा प्रसाद को जमीन पर पटक दिया। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मण उनके सीने पर चढ़ गया और दोनों ने हंसिया से गले व सीने पर वार किए। इसके बाद हंसिया की मूठ से सिर पर प्रहार किया गया। आरोप है कि दोनों ने मृतक के गमछे से उसका गला भी घोंट दिया। मृत्यु की पुष्टि होने के बाद शव को नहर में फेंक दिया गया और हत्या में प्रयुक्त हंसिया वहीं छिपा दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद दोनों आरोपी नासिक भागने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर नहर से हत्या में प्रयुक्त हंसिया, गमछा और 700 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया। हत्याकांड के खुलासे और गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी, अरुण कुमार पांडेय, अजय कुमार पांडेय, हेड कांस्टेबल सचिन मिश्रा, संदीप सिंह, महिला कांस्टेबल निकिता तथा खुशबू सिंह शामिल रहीं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह प्रेम संबंध का विरोध सामने आई है। मामले में पुलिस द्वारा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस सरपंच विभाग की मिली भगत से गनेशपुर में बिना परमिट आम के पेड़ों की हुई कटान

वन विभाग और पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर पंचायत गनेशपुर में चोरहा पेट्रोल पंप (प्लाटिंग) के बगल बिना परमिट आम के पेड़ों की कटान का मामला सामने आया है। आरोप है कि लकड़ी ठेकेदार द्वारा बिना आवश्यक अनुमति के आम के पेड़ों को काटकर लकड़ी को मौके से हटाकर ठिकाने लगा दिया है। मामला गनेशपुर चौकी से सटा होने के बावजूद पुलिस की ओर से तत्काल कार्रवाई नहीं किए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि वन विभाग बस्ती सदर के संबंधित कर्मचारियों और पुलिस की कथित मिलीभगत से पेड़ों की कटान कराई गई। बिना परमिट पेड़ों की

कटान के मामले में वन विभाग बस्ती सदर की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि हल्का वन दरोगा और वन रक्षक की जानकारी के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, मामले को लेकर डीएफओ ने फोन पर बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और यदि बिना परमिट पेड़ों की कटान की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गनेशपुर में वन रेंज बस्ती सदर के अंतर्गत सामने आए इस मामले ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि यदि बिना अनुमति पेड़ों की कटान पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र में हरियाली और पर्यावरण को कैसे सुरक्षित रखा जाएगा। अब देखना यह है कि जांच में पेड़ों की कटान के लिए जिम्मेदार कौन सामने आता है और वन विभाग एवं पुलिस की भूमिका पर उठ रहे सवालों का जवाब किस स्तर पर मिलता है और उक्त प्रकरण में क्या कार्यवाही की जाती है?

जनपद में चीनी की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को लेकर डीएम ने दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में चीनी की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने आमजन को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध कराने तथा आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से चीनी की वर्तमान उपलब्धता, आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनपद में चीनी की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से स्टॉक की निगरानी करें और आवश्यकता के अनुसार समय से आपूर्ति सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि चीनी के वितरण में किसी भी स्तर पर अनियमितता, कालाबाजारी या जमाखोरी की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही, निर्धारित दर एवं मानकों के अनुरूप उपभोक्ताओं को चीनी उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाजार एवं वितरण केंद्रों पर उपलब्धता की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखें। यहां बताते चलें कि 1 महीने के अंदर ही चीनी का रेट 42 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। वहीं कुछ व्यापारी इस 80 प्रति किलोग्राम तक पहुंचाने की बात भी कह रहे हैं। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला, डिप्टी आरएमओ विपिन कुमार, मंडी सचिव राम कुमार यादव, जिला गन्ना अधिकारी, विपणन निरीक्षक, आपूर्ति अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

दीदी स्मृति की अमेठी आज भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए कोरवा, अमेठी की‹च-203 राइफल फैक्ट्री में भारत की पहली 100 प्रतिशत स्वदेशी‹च-203 'शेर' राइफल का निर्माण और सफल परीक्षण हम सभी अमेठीवासियों के लिए गर्व का क्षण है। उक्त जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद दीदी स्मृति ईरानी ने कहा इस उपलब्धि से मेरा एक व्यक्तिगत जुड़ाव भी है। जिस फैक्ट्री को अमेठी में स्थापित करने और आगे बढ़ाने की दिशा में हमने लंबे समय तक प्रयास किए, आज उसी धरती से देश की रक्षा सामर्थ्य और स्वदेशी निर्माण क्षमता को नई शक्ति मिलते देखना अत्यंत संतोष का विषय

है। अमेठी में निर्मित 'शेर' केवल एक राइफल नहीं, बल्कि उस बदलते भारत का प्रतीक है जो अपनी सुरक्षा के लिए अपनी सामर्थ्य, अपने कौशल और अपने निर्माण पर भरोसा करता है। यही नहीं अमेठी के विकास को लेकर पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री दीदी स्मृति ईरानी सदैव प्रयत्नशील रही हैं। सांसद रहते हुए भी और सांसद ना होते हुए भी अमेठी वासियों की चिंता, अमेठी वासियों के सुख-दुख में बराबर भागीदार है और अमेठी का सर्वांगीण विकास किया है और कर रही हैं। शायद इसी वजह से भी अमेठी में सांसद न रहते हुए भी मौजूद सांसद से ज्यादा चर्चा दीदी स्मृति के विकास की होती है, यही नहीं अमेठी वासी उन्हें प्यार से दीदी कहते हैं स्मृति दीदी सिर्फ एक नेता नहीं बल्कि अमेठी वासियों के पारिवारिक सदस्य के तौर पर अमेठी में देखी जाती है। अमेठी को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक अलग पहचान दिलाने वाली तथा अमेठी का सर्वांगीण विकास करने वाली तथा अमेठी को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने वाली तथा अमेठी में संगठन को शीर्ष तक पहुंचने वाली अमेठी में भाजपा को मजबूत करने वाली दीदी स्मृति ईरानी अमेठी के सर्वांगीण विकास को लेकर आज भी सजग हैं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारा नाम फूलपता पत्नी बाबूराम ग्राम सरैया सरहददी पोस्ट इटवा कुनगाई तहसील हरैया जनपद बस्ती की निवासिनी हूं हमारे पति के पेंशन के कागज में नाम हमारा श्रीमती अकल देवीदर्ज है जो यह नाम पुकारू है कागज में हमारा नाम फुलपता ही है श्रीमान अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड बस्ती से अनुरोध है कि हमारे पेंशन के कागज में हमारी पत्नी का नाम फुलपता दर्ज करने की कृपा करें इस नाम की और कोई हमारे परिवार में कोई महिला नहीं है हमारे पेंशन के कागज में फूलपता नाम दर्ज करने की कृपा करें।

प्रार्थी बाबू राम

मंगरौली में महाराजा लाखन पासी स्मृति द्वार का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। विधानसभा क्षेत्र जगदीशपुर के रास्ता मऊ स्थित मंगरौली चौराहे पर महाराजा लाखन पासी स्मृति द्वार का विधायक सुरेश पासी ने फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। स्मृति द्वार के शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने उत्साह के साथ विधायक का स्वागत किया और स्मृति द्वार को क्षेत्र के गौरव से जोड़ते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।इस अवसर पर विधायक सुरेश पासी ने कहा कि महाराजा लाखन पासी का गौरवशाली इतिहास, वीरता,

साहस और स्वाभिमान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। यह स्मृति द्वार उनके गौरवपूर्ण इतिहास और वीरता की स्मृति को सदैव जीवंत रखने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के इतिहास और योगदान को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि युवा पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत से परिचित हो सके।

गौरवशाली इतिहास, वीरता और स्वाभिमान की स्मृति को सदैव जीवंत रखेगा स्मृति द्वार

विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ-साथ सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्मृति द्वार क्षेत्र की पहचान को मजबूत करने के साथ लोगों में अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति गौरव की भावना पैदा करते हैं।शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रवासियों ने विधायक सुरेश पासी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराजा लाखन पासी की स्मृति में बनाया गया यह द्वार क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी उनके इतिहास और योगदान की जानकारी प्राप्त होगी।विधायक सुरेश पासी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना स्नेह, समर्थन एवं आशीर्वाद प्रदान करने वाले सभी क्षेत्रवासियों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

चीनी का पर्याप्त स्टॉक, थोक कीमतों में आई कमी का लाभ उपभोक्ताओं को दिलाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में चीनी की उपलब्धता और बाजार मूल्य को लेकर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चीनी के स्टॉक, मिलों से आपूर्ति, थोक एवं फुटकर बिक्री मूल्य की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के साथ ही थोक कीमतों में आई कमी का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, उपायुक्त व्यापार कर, सचिव कृषि उत्पादन मंडी समिति तथा जनपद की तीनों चीनी मिलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। चीनी मिल प्रतिनिधियों ने बताया कि मिलों के भंडारगृहों में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है। करीब दस दिन पूर्व चीनी का थोक बिक्री मूल्य 5700 से 5750 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 24 अगस्त को घटकर लगभग 5300 से 5400 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है।

फुटकर बाजार में भी कीमत घटाने के निर्देश जिलाधिकारी ने कहा कि थोक बाजार में कीमतों में आई कमी का सीधा लाभ फुटकर उपभोक्ताओं को मिलना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाजार में थोक और फुटकर बिक्री मूल्य की नियमित निगरानी करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी स्तर पर कृत्रिम कमी पैदा कर उपभोक्ताओं का शोषण न हो।

30 नवंबर तक लागू रहेगी स्टॉक लिमिट बैठक में बताया गया कि भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार 1 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक चीनी डीलरों के लिए स्टॉक लिमिट लागू है। इसके तहत कोई डीलर स्टॉक प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से अधिक समय तक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेगा। इसके अलावा देश में किसी भी समय और स्थान पर 4000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी। निर्धारित व्यवस्था के तहत सभी डीलरों को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कर अपने स्टॉक की स्थिति घोषित करनी होगी और प्रत्येक शुक्रवार स्टॉक को अपडेट करना अनिवार्य होगा। बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार जनपद बलरामपुर में चीनी के तीन अधिकृत स्टॉकिस्ट हैं। जिलाधिकारी ने सभी थोक व्यापारियों एवं कारोबारियों का निर्धारित पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जमाखोरी और कालाबाजारी पर होगी कार्रवाई जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चीनी के थोक व्यापारियों के स्टॉक की आकस्मिक जांच करने के निर्देश दिए। निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण, जमाखोरी या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित व्यापारी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में चीनी की कोई कमी नहीं है। आमजन से सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। प्रशासन द्वारा चीनी के स्टॉक, उपलब्धता और बाजार मूल्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को पर्याप्त मात्रा में चीनी उचित मूल्य पर उपलब्ध होती रहे।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर दण्डेश्वर नाथ धाम पहुंचे एसपी अमेठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार। श्रावण मास के अंतिम सोमवार के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. ने सोमवार को थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध दण्डेश्वर नाथ धाम मंदिर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया तथा मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। एसपी के इस आत्मीय अंदाज से श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग तथा श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर की गई

व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।एसपी सरवणन टी. ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ को नियंत्रित करने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। उन्होंने श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने मेला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं मंदिर के पुजारियों से वार्ता कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मंदिर परिसर में साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है।इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर बांदा डिपो की 158 बसों में महिलाओं को मिलेगी मुफ्त यात्रा की सौगात

बांदा। रक्षाबंधन पर्व पर सीएम ने महिलाओं को एक दिन के लिए परिवहन निगम की बसों में मुफ्त सफर की सौगात दी है। हालांकि बीते वर्ष यह सुविधा तीन दिन के लिए थी। शहर स्थित परिवहन निगम डिपो से कुल 158 रोडवेज बसों का संचालन विभिन्न रूटों पर होता है। इस वर्ष रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाना है। इनमें रक्षाबंधन पर बहनों के लिए 27 अगस्त की रात 12 बजे से 28 अगस्त रात 12 बजे तक के लिए परिवहन निगम की रोडवेज बसों में यात्रा फ्री रहेगी। बहनों के साथ उनके सहयोगी भी मुफ्त में यात्रा कर सकेंगे। वहीं रक्षाबंधन पर घर जाने में यात्रियों को कोई असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए परिवहन निगम ने बसों के फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है। 26 से 31 अगस्त तक छह दिनों के लिए बसों के फेरे बढ़े रहेंगे।

डीएम साहब जरा एक नज़र इधर भी

प्लाईवुड फैक्ट्रियों आरा व विनियर मशीनों के मकड़जाल में फंसी पर्यावरण व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर सरकार जहां एक तरफ लाखों करोड़ों खर्च कर पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए लाखों पेड लगाने मे जुटी हुई हैं वहीं कस्बा लहरपुर के नगर सहित आसपास के क्षेत्र मे आबादी के बीचोबीच लगीं आधा दर्जन से अधिक प्लाईवुड फैक्ट्रियां और एक दर्जन से अधिक आरा और विनियर मशीनें दिनरात जहर उगलने का काम कर रहीं हैं। इन प्लाईवुड और विनियर मशीनों से निकलता जहर जहां एक तरफ आसपास के आबादी क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों की वजह बनता चला जा रहा है वहीं पर्यावरण प्रदूषण के नाम पर सरकारी मशीनरी की दिन रात की जा रही मेहनत पर पानी फेरता भी नजर आ रहा है। दिलचस्प पहलू ये है कि कस्बे सहित केसरीगंज क्षेत्र मे मौजूद ये प्लाईवुड फैक्ट्रियां आरा व विनियर मशीने न केवल पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा हैं बल्कि सरकार को राजस्व का भारी चूना भी लगा रही हैं। सूत्रों की माने तो मण्डी कर की चोरी, जीएसटी की चोरी, ओवरलोडिंग और अवैध कटान की लकडी की खपत का ये एक बडा जरिया हैं लेकिन स्थानीय कर्मचारियों और कुछ दलालों की मिलीभगत के चलते इन अवैध कारोबारियों की पौ बारह है।

विभागीय सूत्रों की माने तो इन अवैध कारोबारियों ने एक ही छत के नीचे दो-दो, तीन-तीन लाइसेंस ले रखे हैं लेकिन निचले विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से दिन रात विभागीय मानकों और नियम कानूनों की धज्जियां उडाई जा रही हैं सूत्रों का यहां तक दावा है कि विभागीय अधिकारियों के निरीक्षण की खबर लीक होते ही सब-कुछ कुछ दिनों के लिये चाक-चौबंद कर दिया जाता है और कुछ दिनो बाद गाड़ी फिर अपने मूल ढर्रे पर वापस आ जाती है। गौरतलब है कि इन प्लाईवुड फैक्ट्रियों मे बिजली के उचित लोड वाले कामर्शियल कनेक्शन के साथ ध्वनि प्रदूषण से बचने के लिये साइलेंट जेनरेटर की व्यवस्था अनुमन्य होने का सूत्रों का दावा हकीकत मे सिर्फ दिखावा नजर आता है। सच्चाई के आइने में झांके तो यह पूरा गडबडझाला कई विभागों के कर्मचारियों, दलालों और अवैध कारोबारियों की कमाई और सरकार को कई स्तरों पर राजस्व का चूना लगाने का जरिया बना हुआ है जिसकी व्यापक स्तर पर गहन जांच कराये जाने की आवश्यकता है । अब देखना यह है कि अपनी तैनाती के बाद से ही अपनी तेजतर्रार छवि की पहचान बनाने वाले जिलाधिकारी राजा गणपति आर की निगाहें इस ओर कब घूमती हैं और कब इन सफेदपोश अवैध कारोबारियों के चेहरे पर पड़ा नकाब उतरता है।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग परिसर में रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सर्वोदय नगर लखनऊ के तत्वावधान में सोमवार, 24 अगस्त 2026 को विभागीय मंदिर परिसर में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारी नेताओं, पदाधिकारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभागाध्यक्ष श्री ईशम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र कुमार मौर्य, अधीक्षण अभियंता, इंदिरा भवन-जवाहर भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडेय, कार्यवाहक महामंत्री सुशील कुमार बच्चा, उपाध्यक्ष बबलू, मीडिया प्रभारी संजीव त्रिपाठी, सूरज कुमार, अभिनव त्रिपाठी, उमंग निगम सहित महासंघ एवं विभाग के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने रुद्राभिषेक में शामिल होकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की तथा इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। विधि-विधान के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अध्यक्ष आशीष कुमार दीक्षित एवं महामंत्री शिव शंभू सिंह यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों पदाधिकारियों ने विभागीय परिसर के समस्त पदाधिकारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारीगणों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सरिता राय एवं मुख्य अभियंता रविकांत वर्मा सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाया और भंडारे में प्रसाद वितरण में सहयोग किया। आयोजकों ने कहा कि भगवान शिव के रुद्राभिषेक एवं भंडारे का उद्देश्य विभागीय परिवार में सुख-शांति, आपसी सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन के सफल एवं शांतिपूर्ण संपन्न होने पर प्रसन्नता जताई गई।

कासिमपुर में श्रीमद्भागवत कथा व विशाल यज्ञ के बाद भव्य भंडारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोसाईगंज, लखनऊ। कासिमपुर स्थित श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के क्रम में विशाल यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला। श्रीमद्भागवत कथा एवं धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के बाद रात में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राम जन्मोत्सव के उपरांत विधि-विधान से कन्या पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद रात करीब 12 बजे से मंदिर परिसर में विशाल प्रसाद वितरण एवं भव्य भंडारे का आयोजन शुरू हुआ, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं और शिव भक्तों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर गोसाईगंज के ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा, गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम पहुंचे और धार्मिक आयोजन में सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण भगवान शिव व श्रीराम के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। शिव शक्ति परिवार एवं आसपास के गांवों के

..पूर्णाहुति, राम जन्मोत्सव और कन्या पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, ब्लॉक प्रमुख व नगर पंचायत अध्यक्ष सहित गणमान्य लोग रहे मौजूद।

शिव भक्तों द्वारा श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम में प्रतिवर्ष बड़े हर्ष और उल्लास के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया जाता है। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता के इस आयोजन में क्षेत्र के लोगों का लगातार सहयोग मिलता है। भंडारे में सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ प्रसाद ग्रहण कर आपसी भाईचारे और धार्मिक एकता का संदेश दिया। आयोजन के सफल संपन्न होने पर श्रद्धालुओं ने शिव शक्ति परिवार और सभी सहयोगियों की सराहना की।

तेंदुए के हमले में करीब 100 भेड़ों की मौत, दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गैसड़ी/बलरामपुर। नगर पंचायत गैसड़ी क्षेत्र के खदगौरा में तेंदुए के हमले से श्री कन्हैया पाल एवं उनके भाई की करीब 100 भेड़ों के मारे जाने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना से दोनों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। भेड़ पालन ही परिवारों की आय का प्रमुख साधन बताया जा रहा है। बड़ी संख्या में पशुओं की मौत से परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि खदगौरा क्षेत्र में तेंदुए ने भेड़ों के झुंड पर हमला कर दिया, जिसमें करीब 100 भेड़ों के मारे जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद पीड़ित परिवारों में मातम का माहौल है। पशुधन के रूप में जमा की गई वर्षों की मेहनत एक ही घटना में तबाह हो जाने से परिवारों के सामने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और दैनिक भरण-पोषण तक की चिंता खड़ी हो गई है।

गरीब परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक झटका

पीड़ित परिवारों का कहना है कि भेड़ पालन उनके परिवार की आय का प्रमुख जरिया था। बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत से उन्हें ऐसा आर्थिक झटका लगा है, जिसकी भरपाई कर पाना उनके लिए बेहद मुश्किल है। अचानक आई इस विपत्ति ने दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है।

वन विभाग से मौके पर जांच और मुआवजे की मांग

घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम से मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कराने की मांग की है। साथ ही शासन-प्रशासन से नियमानुसार पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई है, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई प्रभावित न हो। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियों की भी निगरानी बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि घटना के बाद लोगों में भय का माहौल है। यदि क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी है तो वन विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पीड़ित परिवारों ने शासन-प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ मामले का संज्ञान लेकर तत्काल स्थलीय जांच, नुकसान का आकलन और नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

दबंगों ने आटो चालक पर किया कातिलाना हमला, होटल में तोडफ़ोड़

पीजीआई/ लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने आटो चालक पर जानलेवा हमला कर दिया।आटो चालक को पिटता देख बचाने आए लोगों पर भी दबंगों ने कहर बरसा दिया। मिली सूचना के आधार पर जय शंकर पाल जनपद रायबरेली के सरेनी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।राजधानी में आटो चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।उनके मुताबिक बीते चौदह अगस्त की रात वो खाना खाने के लिये पीजीआई अस्पताल के करीब पाल भोजनालय गये थे।अपना आटो खड़ा कर वो जैसे ही भोजनालय की तरफ बढ़े कि कुलदीप दूबे और रोहित दूबे ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ उन पर हमला बोल दिया।जयशंकर को पिटता देख पाल भोजनालय के मालिक और काम करने वाले नौकर उन्हें बचाने आए लेकिन तैश से भरे हमलावरों ने उन लोगों को भी नहीं बक्सा।होटल मालिक और उनके नौकरों को मारने के बाद दबंगों ने उनके होटल में भी तोड़फोड़ कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये।पीड़ित जयशंकर ने पीजीआई पुलिस से मामले की शिकायत की।पुलिस ने घटना की छानबीन कर मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश जारी कर दी है।

महमूदाबाद कोतवाली में पुलिस के सामने युवक पर ब्लेड से हमला, गर्दन पर वार, ट्रामा सेंटर रेफर

पटाखा दागने को लेकर पड़ोसियों में हुआ था विवाद, समझौते के लिए थाने बुलाए गए थे दोनों पक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद मामले को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी वेदप्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि 23 अगस्त की शाम करीब 7 बजे मोतीपुर निवासी राहुल अपने घर के सामने पटाखे जला रहा था, जिससे पड़ोस की नीलम प्रजापति की पुत्री के कुछ बाल जल गए थे। नीलम द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के संबंध में दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था। बातचीत के दौरान जब नीलम ने मुकदमा दर्ज कराने की बात कही, तो राहुल प्रजापति ने जेब से छोटा ब्लेड निकालकर अपनी गर्दन पर मार लिया। उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से रेफर कर दिया गया है। युवक की हालत सामान्य है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

महमूदाबाद- सीतापुर महमूदाबाद कोतवाली परिसर में पुलिस की मौजूदगी के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई जब

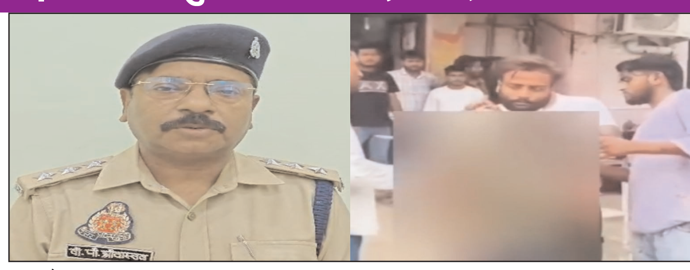

समझौते के लिए आए दो पक्षों के बीच कहासुनी के दौरान एक युवक पर ब्लेड (धारदार हथियार) से हमला कर दिया गया। हमले में युवक की गर्दन पर गंभीर घाव हुआ है। लहूलुहान हालत में युवक को आनन-फानन में सीएचसी महमूदाबाद ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कस्बा महमूदाबाद के मोहल्ला मोतीपुर निवासी राहुल प्रजापति (25 वर्ष) पुत्र प्रदीप कुमार के घर पर बच्चे की छठी का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान आतिशबाजी छोड़े जाने पर उसकी चिंगारी/बत्ती पड़ोसी संतराम के घर पर गिर गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज हुई। अगली सुबह संतराम ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ मारपीट की गई है। शिकायत मिलने के बाद मोतीपुर चौकी से पुलिसकर्मी राहुल के घर पहुंचे और दोनों पक्षों को मामले के निस्तारण के लिए दोपहर करीब दो बजे कोतवाली बुलाया। घायल राहुल के मुताबिक, दोपहर में दोनों पक्ष परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचे थे। वहां पुलिसकर्मियों के सामने सुलह-समझौते की बातचीत चल रही थी। इसी बीच दोनों पक्षों में फिर से तीखी बहस शुरू हो गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विपक्षी संतराम ने अचानक धारदार ब्लेड निकालकर राहुल की गर्दन और हाथ पर वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। थाना परिसर के अंदर दिनदहाड़े धारदार हथियार से हुए इस जानलेवा हमले के बाद कोतवाली में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पीड़ित का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लहूलुहान हालत में न्याय की गुहार लगा रहा है। थाने के भीतर हुई इस वारदात से सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच और विधिक कार्रवाई में जुटी है।

सावन के अंतिम सोमवार पर महमूदाबाद में उमड़ा शिवभक्तों का जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक कावड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साह धूप व उमस भी कम नहीं कर पाई। धूप में सड़क पर नंगे पैर हजारों की संख्या में शिवभक्तों का जनसमूह पूरे जोश के साथ जयकारे लगाते हुए चल रहा था। महमूदाबाद में इस प्रकार की दिव्य, भव्य, मनोहारी और विशाल शोभायात्रा पहली बार निकली तो लोगों ने स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा करके यात्रा का स्वागत किया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बाबा परमहंस धाम बन्नी स्थित सरोवर से जल भरने के साथ विधान सभा कुर्सी के विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा एवं महमूदाबाद की विधायक आशा मौर्या द्वारा पूजन अर्चन के साथ भव्य कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। सरोवर के जल में गंगाजल मिलाकर कांवड़ियों को आंजनेय आशीष वाजपेयी, संजय मिश्र, अनुज गुप्त, अमित वाजपेयी, पवन शुक्ल, शुभम सहित अन्य लोग कलश वितरित कर रहे थे। केसरिया ध्वज हाथ में थामे युवाओं की टोली भक्ति के गानों पर नाचते-गाते वह बम-बम भोले के जयकारे लगाते हुए चल रही थी। कावड़ यात्रा सुंदौली मोड़, ठाकुरपुर, मोतीपुर चौराहा, रमुवापुर, बेलदारी टोला, रामकुंड चौराहा, बजाजा चौराहा पहुंची। बजाजा चौराहे के निकट समाजसेवी अम्बरीश गुप्त ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। यहां से कावड़ यात्रा चिकमंडी चौराहा, तहसील मार्ग होकर मां संकटा देवी धाम पहुंची जहां महाकालेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित भगवान नर्मदेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक कर भक्तों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। कावड़ियों के लिये प्रसाद की व्यवस्था विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा के द्वारा की गयी। कांवड़ यात्रा में सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के चेयरमैन आरके वाजपेयी, पूर्व चेयरमैन सुरेश वर्मा, मोहन प्रसाद बारी, अंकुश राज विश्वकर्मा, शिवदास पुरवार, कृतार्थ मिश्र, अतुल चित्रांश, जितिन तिवारी, विजय तोमर, अनिल शुक्ल, कमलेश राजपूत, अम्बरीश वर्मा, रवि अवस्थी, किरन वाजपेयी, करूणा, पूनम वर्मा, कामिनी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से आज प्रयागराज में मिलेंगे - डॉ नीरज

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने जिला व नगर कांग्रेस के पदाधिकारीगण, पूर्व विधानसभा प्रत्याशीगण, एआईसीसी व पीसीसी सदस्य गण एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, समस्त फ्रंटल,विभाग/प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण व समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जनों को सूचित किया है कि आज मंगलवार 25 अगस्त को अपराह्न दो बजे से तीन बजे तक प्रयागराज सर्किट हाउस में नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी प्रतापगढ़ कांग्रेस के साथियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में वहां पहुंचने की अपील किया है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण सशक्त नारी, सुरक्षित समाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर। इनर व्हील क्लब बिसवां एवं आईडब्ल्यूसी उड़ान के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा देवी म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के लिए विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों ने आत्मविश्वास, सतर्कता एवं साहस के महत्व को समझाया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया और सीखी गई तकनीकों का अभ्यास किया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बनाना तथा उन्हें किसी भी चुनौती का दृढ़ता से सामना करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक रहा। आईडब्ल्यूसी बिस्वां की अध्यक्षा सुनीता अग्रवाल जी, सचिव निधि सिंघल जी, कॉर्डिनेटर रेनू मेहरोत्रा जी के साथ साथ संस्था के सम्मानित सदस्य मीरा सिंघल जी,कुसुम कपूर जी,एकता गुप्ता जी,पल्लवी जलोटा, तुलसी गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे। उड़ान क्लब से अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, सचिव आरती मौर्या, सीमा रस्तोगी,मीनू, नमृता गुप्ता एवं सीमा शुक्ला उपस्थित रहे। कॉलेज की प्रधानाचार्य जी का पूरा सहयोग रहा।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल, एक जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के बिसवां-रेउसा मार्ग पर प्रधान ढाबे के सामने सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बिसवां की ओर से जा रही बाइक पर वैभव रस्तोगी पुत्र रमेश रस्तोगी निवासी मोहल्ला बदालपुरवा तथा मौसम रस्तोगी पुत्र चुन्नीलाल निवासी मोहल्ला पटेल नगर सवार थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक पर सवार आयुष पुत्र राजमोहन वर्मा निवासी ग्राम लकवाबोझी की बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। आयुष की हालत नाजुक होने पर उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य दोनों घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद टूण्डला, (फिरोजाबाद)

पत्रांक: 383/2026-27/न0पा0प0टूण्डला दिनांक- 22-08-2026

सार्वजनिक सूचना

पालिका द्वारा 10 स्थानों पर यूनिकपोल लगाकर विज्ञापन प्रदर्शित करने हेतु इच्छुक ठेकेदारों/फर्मो से मुहरबन्द बोली/प्रस्ताव दिनांक 01.01.2026 को नीलामी न होने की दशा में पुनः नीलामी बोली दिनांक 0.1.1.1-20.2.6 आमंत्रित किये जाते है। विज्ञापन शुल्क की न्यूनतम धनराशि रू0 225000.00 प्रतिवर्ष नियत की गई है, उक्त विज्ञापन की नीलामी 10 वर्ष हेतु की जायेगी, ठेकेदार एंव फर्म को स्वय के खर्चे पर यूनिकपोल, स्वागतद्वार आदि की स्थापना व संचालन रखरखाव करना होगा, पालिका इसके लिये कोई धनराशि व्यय नही करेगी। उच्चतम प्रस्ताव बोली की धनराशि प्रतिवर्ष के लिये प्राप्त की जायेगी, जो ठेकेदार को प्रत्येक वर्ष अनुबन्ध के अनुसार सम्पूर्ण धनराशि जमा करनी होगी। पालिका द्वारा स्वीकृत बोली की धनराशि के प्रत्येक 04 वर्श में 10 प्रतिशत वृद्धि की जायेगी, जो ठेकेदार को जमा करनी होगी। किसी बोली/प्रस्ताव की स्वीकति/अस्वीकृति का अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पालिका परिशद टूण्डला में निहित होगा। बोली/प्रस्ताव के साथ रू0 50000.00 की एफ0डी0 आर0/एन0एस0सी0 नगद रसीद संलग्न कराना अनिवार्य होगा। ठेकेदार / फर्मो को आयकर/जी0एस0टी0 चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र बोली/प्रस्ताव के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा, विस्तृत नियम व शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टूण्डला
फिरोजाबाद।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, टूण्डला
फिरोजाबाद।

संपादकीय

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह

8.7 करोड़ युवाओं की कहानी में छिपे हैं कई सवाल

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। ऐसे में युवाओं की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा सवाल है। नीति आयोग की नई रिपोर्ट 'रीइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत @2047' में सामने आया आंकड़ा इसी चिंता को गहरा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी में हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह संख्या रिपोर्ट में शामिल कुल आबादी का करीब 11 प्रतिशत है। हालांकि इसमें नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को शामिल नहीं किया गया है। इस आंकड़े को केवल बेरोजगारी के नजरिए से देखना आसान है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। सवाल यह नहीं है कि 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई क्यों नहीं कर रहे या नौकरी से क्यों दूर हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या वे पढ़ना ही नहीं चाहते, या उनके सामने ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके कारण पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं है? क्या परिवार उन्हें शिक्षा दिलाने में रुचि नहीं रखते, या आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही दूसरी जिम्मेदारियों की ओर धकेल देती हैं? इन सवालों का जवाब खोजे बिना भारत के कौशल विकास और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह के करीब 88 प्रतिशत लोग घरेलू कामों में लगे हैं। इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि ये युवा कोई काम नहीं कर रहे। खासकर घरों में जिम्मेदारियां निभाने वाले युवाओं का श्रम अक्सर औपचारिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। खाना बनाना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घर के दूसरे काम और परिवार की जिम्मेदारियां निभाना भी काम है, लेकिन इसके बदले उन्हें न वेतन मिलता है और न ही रोजगार का अनुभव प्रमाणित होता है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की स्थिति को केवल 'काम नहीं करने वाले' वर्ग के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इस तस्वीर में महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। घरेलू जिम्मेदारियां, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की कमी, रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच और सामाजिक अपेक्षाएं युवतियों की शिक्षा तथा रोजगार के रास्ते में बड़ी बाधाएं बन सकती हैं। कई परिवारों में लड़कों की पढ़ाई को भविष्य में कमाई से जोड़कर देखा जाता है, जबकि लड़कियों से घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है। परिणाम यह होता है कि पढ़ाई बीच में छूट जाती है और कौशल प्रशिक्षण का अवसर भी नहीं मिल पाता। लेकिन समस्या केवल लड़कियों तक सीमित नहीं है। गरीब और निम्न आय वाले परिवारों में लड़कों के सामने भी पढ़ाई छोड़कर कमाने की मजबूरी हो सकती है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो किशोर या युवा से उम्मीद की जाती है कि वह दुकान, कारखाने, खेत, निर्माण स्थल या किसी छोटे व्यवसाय में हाथ बंटाए। ऐसे में पढ़ाई परिवार के लिए तत्काल जरूरत के सामने पीछे चली जाती है। परिवार यह सोच सकता है कि आज की कमाई ज्यादा जरूरी है, जबकि शिक्षा का लाभ कई साल बाद मिलेगा। यही सोच अनेक युवाओं को औपचारिक शिक्षा से दूर कर देती है। यह भी मानना गलत होगा कि हर युवा पढ़ाई से इसलिए दूर है क्योंकि उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां भी इसके पीछे हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय कठिन लग सकता है, स्कूल या कॉलेज की दूरी अधिक हो सकती है, पढ़ाई का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर हो सकता है या उसे पढ़ाई के बाद रोजगार मिलने का भरोसा न हो। यदि किसी युवा को यह दिखाई देता है कि उसके आसपास पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उसके मन में शिक्षा की उपयोगिता को लेकर सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। माता-पिता की भूमिका भी यहां निर्णायक है। कई परिवार शिक्षा का महत्व समझते हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को लगातार पढ़ा नहीं पाते। दूसरी ओर कुछ परिवारों में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हो सकती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कई अभिभावकों को यह जानकारी नहीं होती कि सामान्य शिक्षा के साथ कौन-कौन से कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हैं और उनसे रोजगार के कौन से रास्ते खुल सकते हैं। यदि परिवार को शिक्षा और कौशल को भविष्य की आय से जोड़कर समझाया जाए, तो बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ सकती है। एक और महत्वपूर्ण पहलू शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर है। केवल डिग्री हासिल करना और रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करना एक ही बात नहीं है। आज के रोजगार बाजार में तकनीकी ज्ञान, डिजिटल क्षमता, संवाद कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव की जरूरत बढ़ रही है। यदि शिक्षा व्यवस्था इन जरूरतों से जुड़ नहीं पाती, तो युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार के लिए तैयार नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में परिवारों के बीच यह धारणा मजबूत हो सकती है कि पढ़ाई पर वर्षों खर्च करने के बजाय कोई काम सीखना ज्यादा उपयोगी है। यही कारण है कि कौशल विकास की नीतियों को केवल प्रशिक्षण केंद्र खोलने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन युवाओं तक पहुंचना होगा जो पहले ही शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो चुके हैं। उनके लिए लचीली शिक्षा, स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, अप्रेंटिसशिप और रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण के अवसर बढ़ाने होंगे। प्रशिक्षण ऐसा होना चाहिए जिससे युवा यह समझ सके कि उसे सीखने के बाद वास्तविक रोजगार या आय का रास्ता कैसे मिलेगा। साथ ही, घरेलू काम में लगे युवाओं की स्थिति को भी नीतियों में पर्याप्त महत्व देना होगा। यदि कोई युवा लंबे समय से परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो उसके लिए नियमित कॉलेज जाना संभव नहीं हो सकता। ऐसे युवाओं के लिए घर के आसपास या डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण, कम अवधि के पाठ्यक्रम और स्थानीय रोजगार के अवसर उपयोगी हो सकते हैं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, छात्रावास, बाल देखभाल जैसी सुविधाएं भी शिक्षा और रोजगार की राह आसान कर सकती हैं।

कांतिलाल मांडोत

कानून व्यवस्था के नए मानक गढ़ता भयमुक्त सुरक्षित उत्तर प्रदेश

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिला है। वर्ष 2017 में शुरू हुई सुशासन और जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को नई दिशा दी। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, पुलिसिंग के आधुनिकीकरण, तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल, त्वरित न्याय, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को भयमुक्त और सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान किया है। इन 9.5 वर्षों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान हो तो कानून व्यवस्था में व्यापक बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद स्पष्ट किया कि प्रदेश में कानून का राज सर्वोपरि होगा और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। इसी नीति के तहत पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया गया और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। वहीं, सात बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने से पुलिसिंग अधिक प्रभावी हुई तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और अपराध नियंत्रण में गुणात्मक सुधार आया। इन 9.5 वर्षों में प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक शांति को भी मजबूती मिली है। वर्ष 2017 से अब तक सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की कोई घटना नहीं हुई। यह उपलब्धि बताती है कि सरकार ने कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक समरसता और शांति को भी समान प्राथमिकता दी है। इस दौरान दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई। अब तक 303 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए तथा 12,202 घायल हुए। 23,601 इनामी अपराधियों को जेल भेजा गया। 87,835 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट तथा 995 अपराधियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत 152 अरब 33 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल-अचल अवैध संपत्तियों का जब्तीकरण किया गया। चिन्हित माफिया और उनके गिरोह के सदस्यों तथा सहयोगियों के विरुद्ध भी सरकार ने निर्णायक कार्रवाई की। 1,494 लोगों के विरुद्ध 909 अभियोग पंजीकृत किए गए और 651 गिरफ्तारियां हुईं। 18 के विरुद्ध एनएसए तथा 802 के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित 4,309 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। इस कार्रवाई ने अपराध की समानांतर अर्थव्यवस्था पर प्रभावी प्रहार किया और अपराधियों के आर्थिक साम्राज्य को कमजोर किया। अपराध नियंत्रण की सफलता केवल कार्रवाई के आंकड़ों में नहीं अपितु अपराधों में आई कमी में भी दिखाई देती है। वर्ष 2016 की तुलना में डकैती में 84.75 प्रतिशत, लूट में 82.75 प्रतिशत, हत्या में 44.75 प्रतिशत, बलवा में 70.23 प्रतिशत, फिरौती के लिए अपहरण में 62.07 प्रतिशत, दहेज हत्या में 21.36 प्रतिशत तथा बलात्कार की घटनाओं में 58.17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ये आंकड़े पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला सुरक्षा को सरकार ने विशेष प्राथमिकता दी है। प्रदेश में सात नए महिला थाने, 78 महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र तथा बड़ी संख्या में नए थाने और पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। महिलाओं और कमजोर वर्गों के प्रति अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस तंत्र को अधिक संवेदनशील बनाया गया है। मानव तस्करी की रोकथाम के लिए 75 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थानों में परिवर्तित की गई हैं। आपातकालीन पुलिस सहायता व्यवस्था यूपी-112 को भी पिछले 9.5 वर्षों में अत्याधुनिक बनाया गया है। वर्ष 2017 से 30 जून 2026 तक 7,16,84,344 आपात सहायता इवेंट तैयार कर नागरिकों को सहायता प्रदान की गई। वर्ष 2026 में यूपी-112 का रिस्पांस टाइम घटकर केवल 6 मिनट 11 सेकेंड रह गया। इससे स्पष्ट है कि संकट की घड़ी में नागरिकों तक पुलिस सहायता पहुंचाने की व्यवस्था को लगातार अधिक तेज और प्रभावी बनाया गया है। अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उन्हें न्यायालय से सजा दिलाना भी सरकार की प्राथमिकता रही है। इसी उद्देश्य से 'ऑपरेशन कन्विक्शन' चलाया गया। एक जुलाई 2023 से 30 जून 2026 तक 1,48,441 अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराया गया। इनमें 105 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 12,103 को आजीवन कारावास, 2,301 को 20 वर्ष से अधिक की सजा, 7,389 को 10 से 19 वर्ष तक की सजा और 11,110 अभियुक्तों को पांच से नौ वर्ष तक की सजा दिलाई गई। प्रभावी अभियोजन और मजबूत पैरवी ने न्याय व्यवस्था में आमजन का विश्वास मजबूत किया है। नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध भी पिछले 9.5 वर्षों में व्यापक अभियान चलाया गया। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 4 अगस्त 2022 से 30 जून 2026 तक 445 अभियोगों में 1,213 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए तथा प्रदेश में 3,98,484 किलोग्राम मादक पदार्थों का डिस्पोजल या विनष्टीकरण कराया गया। नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए प्रवर्तन और जागरूकता दोनों स्तरों पर कार्य किया गया है। आतंकवाद और संगठित अपराध के विरुद्ध भी प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड के ढांचे का विस्तार करते हुए गाजियाबाद, अयोध्या और लखनऊ में स्पॉट का गठन, 18 फील्ड यूनिट और 11 ऑप्स टीम स्थापित की गईं। वर्ष 2017 से 30 जून 2026 तक पुरस्कार घोषित अपराधियों सहित विभिन्न मामलों में बड़ी संख्या में अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आतंकवादी गतिविधियों तथा संदिग्ध नेटवर्क से जुड़े लोगों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई की गई। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति भी कानून व्यवस्था की समग्र अवधारणा का हिस्सा बनी।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की आठ नई इकाइयों की स्थापना की गई। वर्ष 2017 से 3 जुलाई 2026 तक विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध 1,139 सफल ट्रैप तथा 2,169 सफल ट्रैप मामलों में कार्रवाई की गई। इससे सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूती मिली। साइबर अपराध आज की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौतियों में शामिल है। पिछले 9.5 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने इस क्षेत्र में भी मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार किया है। सभी 75 जिलों में साइबर क्राइम थाने सक्रिय हैं और सभी जनपदीय थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। मार्च 2026 में उत्तर प्रदेश साइबर लियन में 37.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में प्रथम स्थान पर रहा। 30 अगस्त 2019 से 30 जून 2026 तक राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से लगभग 874 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की धनराशि फ्रीज कराई गई। साइबर धोखाधड़ी से ठगी गई राशि में से 415.08 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि बरामद की गई। साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 1,11,504 पुलिसकर्मियों को Cy-Train पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साइबर कमांडो के प्रशिक्षण और तैनाती की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। तकनीक और पुलिसिंग के इस समन्वय ने उत्तर प्रदेश पुलिस को आधुनिक अपराधों से निपटने के लिए अधिक सक्षम बनाया है। सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी उत्तर प्रदेश पुलिस ने अभिनव पहल की है। महाकुंभ-2025 में स्थापित आईसीसीसी एवं यूपी पुलिस के सोशल मीडिया सेंटर को मेटा सुसाइड अलर्ट की अभिनव पहल के लिए वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश पुलिस केवल पारंपरिक पुलिसिंग के अलावा आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया का उपयोग कर नागरिकों के जीवन की रक्षा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। अवैध धर्मांतरण के विरुद्ध भी कानून के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के अंतर्गत 27 नवंबर 2020 से 31 मई 2026 तक 1,527 अभियोग पंजीकृत हुए और 3,936 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इनमें 1,315 अभियोगों में आरोप पत्र दाखिल किए गए। इसी प्रकार मानव तस्करी, मादक पदार्थों और संगठित अपराध के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर सुरक्षित सामाजिक वातावरण तैयार किया गया है। पुलिस कर्मियों के कल्याण को भी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना है। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 तक विभिन्न संस्थानों के साथ हुए समझौतों के माध्यम से हेल्थ कैंपों का आयोजन कर 63,943 पुलिस परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। प्रशिक्षित, स्वस्थ और आधुनिक संसाधनों से लैस पुलिस बल ही नागरिकों की सुरक्षा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कर सकता है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में आए बदलाव को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। एनसीआरबी-2023 के अनुसार उत्तर प्रदेश की दोषसिद्धि दर 87.8 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है। यह मजबूत अभियोजन, प्रभावी पैरवी और अपराधियों को न्यायालय से सजा दिलाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पिछले 9.5 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने भय और असुरक्षा की छवि से निकलकर विश्वास और सुरक्षा की नई पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन जी सके। व्यापारी निर्भय होकर कारोबार कर सके, महिलाएं सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें, युवा सुरक्षित वातावरण में अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज का कमजोर वर्ग न्याय के लिए स्वयं को अकेला न महसूस करे।

असली घटनाओं पर पर्दा और फर्जी मुकदमों की बाढ़: थाने कब बनेंगे न्याय के केंद्र?

कानून-व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती है। आम नागरिक जब किसी अपराध, विवाद या अन्याय का शिकार होता है तो उसकी पहली उम्मीद पुलिस और थाने से होती है। थाना उसके लिए न्याय की पहली चौखट होना चाहिए। लेकिन जब इसी चौखट पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर कार्रवाई तक सवाल खड़े होने लगें, तो आम आदमी के मन में व्यवस्था के प्रति भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। आज सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या वास्तविक घटनाओं की निष्पक्ष जांच के बजाय कई बार मुकदमों की संख्या और कागजी कार्रवाई को ही सफलता का पैमाना माना जाने लगा है? यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को दबाव, विवाद, राजनीतिक प्रभाव या निजी रंजिश के चलते मुकदमे में घसीट दिया जाए और दूसरी ओर वास्तविक घटना पर प्रभावी कार्रवाई न हो, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि कानून के शासन की मूल भावना पर चोट है। कई मामलों में शिकायतकर्ता की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जाती या उसकी शिकायत को गंभीरता से लेने में टालमटोल होती है। दूसरी ओर प्रभावशाली व्यक्ति अपनी पहुंच और दबाव के माध्यम से घटनाक्रम को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करता है। यदि पुलिस की प्रारंभिक जांच निष्पक्ष न हो तो वास्तविक घटना धीरे-धीरे पीछे छूट जाती है और कागजों में एक दूसरी कहानी तैयार हो जाती है। यही स्थिति आगे चलकर विवाद को और जटिल बनाती है। पुलिस के पास जांच, साक्ष्य जुटाने और दोनों पक्षों को सुनने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए किसी भी मामले में केवल शिकायत के आधार पर व्यक्ति को दोषी मान लेना या प्रभावशाली पक्ष के दबाव में कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं हो सकता। किसी निर्दोष व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज होना अपने आप में एक बड़ी परेशानी है। अदालतों के चक्कर, तारीखें, वकील की फीस, सामाजिक बदनामी और मानसिक तनाव—इन सबका बोझ उस व्यक्ति और उसके परिवार को उठाना पड़ता है। मुकदमा अंततः झूठा साबित हो जाए, तब भी वर्षों का समय वापस नहीं आता। यही कारण है कि झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की समस्या को केवल कानूनी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी पर मुकदमा लगाना आसान और उसे झेलना कठिन हो जाए, तो व्यवस्था में संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट दिखाई देती है। थाने में भ्रष्टाचार की शिकायतें क्यों उठती हैं? पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार का सवाल नया नहीं है। रिश्वत, सिफारिश, राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हालांकि हर पुलिसकर्मी को भ्रष्ट कहना भी उचित नहीं होगा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में ईमानदारी से काम करते हैं। लेकिन जहां शिकायतों पर कार्रवाई पैसे या पहुंच से प्रभावित होने लगे, वहां जनता का भरोसा टूटता है। थाने को किसी व्यक्ति की आर्थिक या राजनीतिक हैसियत देखकर नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर काम करना चाहिए। कानून की नजर में गरीब और प्रभावशाली के बीच अंतर दिखाई देने लगे तो कानून का राज कमजोर पड़ता है। किसी मामले में एफआईआर दर्ज होना ही न्याय नहीं है और न ही किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी जांच की अंतिम सफलता। असली परीक्षा निष्पक्ष जांच की है। घटना के साक्ष्य जुटाना, गवाहों के बयान दर्ज करना, सीसीटीवी और डिजिटल प्रमाणों की जांच करना, दोनों पक्षों की बात सुनना और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना—यही पुलिस जांच की वास्तविक कसौटी होनी चाहिए। यदि जांच मजबूत होगी तो झूठे मुकदमों की गुंजाइश कम होगी और वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना आसान होगा। राजनीतिक और सामाजिक दबाव से मुक्त पुलिस जरूरी है। पुलिस पर राजनीतिक या सामाजिक दबाव की चर्चा अक्सर होती है। लोकतंत्र में निर्वाचित सरकार और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी है, लेकिन कानून लागू करने वाली संस्था की निष्पक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि पुलिसकर्मी को यह डर हो कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने पर उसका तबादला या विभागीय परेशानी हो सकती है, तो स्वतंत्र जांच प्रभावित हो सकती है। इसलिए पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और पेशेवर स्वतंत्रता को मजबूत करना समय की मांग है। सुधार की शुरुआत थाने से होनी चाहिए थाने में शिकायत की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो। शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की स्थिति की जानकारी मिले। जांच की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की प्रभावी व्यवस्था हो। झूठी शिकायत या दुर्भावनापूर्ण मुकदमे के मामलों में भी कानून के अनुसार जिम्मेदारी तय हो। साथ ही पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में कानूनी अधिकारों, मानवाधिकारों, डिजिटल साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल भी पारदर्शिता बढ़ाने में किया जा सकता है। शिकायतों और जांच की डिजिटल ट्रैकिंग, सीसीटीवी की निगरानी और रिकॉर्ड की सुरक्षित व्यवस्था भ्रष्टाचार तथा मनमानी की संभावनाओं को कम कर सकती है। जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है पुलिस और जनता के बीच संबंध केवल कानून लागू करने वाले और कानून मानने वाले का नहीं होना चाहिए। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है और जनता का विश्वास उसकी सबसे बड़ी ताकत है। जब कोई पीड़ित थाने पहुंचे तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जाएगी। उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि उसकी शिकायत के बजाय उसी के खिलाफ कोई मामला खड़ा कर दिया जाएगा। लोकतंत्र में कानून का अर्थ केवल अपराधी को सजा देना नहीं, बल्कि निर्दोष की रक्षा करना भी है।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

भ्रष्टाचारी तंत्र व नशा माफिया के गठजोड़ का नतीजा है जहरीली शराब

भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है कई बार यह अवैध शराब कम पैसे देकर नशा करने के लती गरीब पियक्कड़ों के लिए जानलेवा बन जाती है। जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें 'ड्राई स्टेट' शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। आपको पता हो जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं। कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरुआती रिपोर्टों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकतर देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है यह सारा अवैध कारोबार बिना सरकारी तंत्र की मिलीभगत के सम्भव नहीं है स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

संदिग्ध शराब पीने के बाद उल्टी, चक्कर, दृष्टि धुंधली होने वा अन्य परेशानी के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। कई बार इलाज में देर भी मौतों की संख्या बढ़ा देती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहरीली शराब से हुई हर मौत को महज एक आंकड़ा समझने की मानसिकता बदलनी होगी। देश में तकनीक बड़ी है, पुलिस के पास आधुनिक संसाधन हैं, राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से आसान हुआ है। ऐसे में यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अवैध शराब की पेटियां एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचे और व्यवस्था को भनक तक न लगे।

मनोज कुमार अग्रवाल

दैनिक राशिफल

मेष: आज कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आपकी मेहनत और आत्मविश्वास से काम आगे बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं, लेकिन बड़े निवेश में जल्दबाजी से बचें। परिवार में सहयोग मिलेगा।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए दिन अच्छा है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे सफलता मिलेगी। परिवार के किसी सदस्य से महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो सकता है।

मिथुन: नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा। आपकी बातचीत और समझदारी कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकती है। धन संबंधी फैसले सोच-समझकर लें। जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है।

कर्क: आज परिवार और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी की सराहना होगी। किसी को भावनाओं में आकर धन उधार देने से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सिंह: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है और नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। अपनी बात स्पष्टता से रखें, लेकिन दूसरों की राय का भी सम्मान करें। दिन उत्साहपूर्ण रहेगा।

कन्या: आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी है। बजट बनाकर चलें और अनावश्यक खरीदारी से बचें। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और मेहनत से सफलता मिलेगी। पुराने काम पूरे करने पर ध्यान दें।

तुला: भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर मिलेंगे। सरकारी या महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक: आर्थिक मामलों में राहत मिल सकती है। पुराने विवाद या परेशानियां कम होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

धनु: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और बड़े लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में लाभ के योग हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर: सोच-समझकर लिए गए फैसले भविष्य में बड़ा लाभ दे सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई योजना शुरू करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सकारात्मक समाचार मिल सकता है। नई योजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: आज आत्मचिंतन और आध्यात्मिक गतिविधियों से मानसिक शांति मिलेगी। पुराने अधूरे काम पूरे करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

आजमगढ़ में 32 मुकदमों वाले जामवंत यादव के गिरोह पर गैंग्सटर एक्ट की कार्रवाई

आजमगढ़। लूट, हत्या के प्रयास, रंगदारी और अवैध असलहे से जुड़े 32 मुकदमों में नामजद जामवंत यादव उर्फ जमुना के गिरोह पर पुलिस ने गैंग्सटर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं गैंग्सटर एक्ट में वांछित उसके साथी हीरालाल यादव को तरवां पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। हीरालाल मिट्टी उठाने के विवाद में जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले में भी नामजद है। सरायभादी गांव निवासी सुभाष यादव ने एक जनवरी 2021 को तरवां थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि मिट्टी उठाने के विवाद में जामवंत यादव उर्फ जमुना और हीरालाल यादव गाली-गलौज करते हुए उनके दरवाजे पर पहुंचे और अवैध असलहे से जान से मारने की नीयत से फायर किया। विवेचना के दौरान जामवंत के कब्जे से .315 बोर का तमंचा बरामद हुआ था।28 अप्रैल 2025 को वाराणसी के मिर्जामुराद थाने में लूट का मुकदमा दर्ज हुआ था।

सरयू नदी उफनाई, नरगणाजग्गा सिंह गांव पानी से घिरा; प्रशासन ने दो नावें उतारीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। सरयू नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर ने खजनी तहसील क्षेत्र में बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। नदी का पानी तेजी से बढ़ने के कारण बेलघाट क्षेत्र के कई गांव प्रभावित होने लगे हैं। नरगणाजग्गा सिंह गांव पूरी तरह पानी से घिर गया है, जिससे ग्रामीणों के सामने आवागमन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव की तैयारी तेज कर दी है। बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार दोपहर करीब दो बजे उप जिलाधिकारी खजनी आनंद कुमार कटारिया और तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से स्थिति की जानकारी ली। गांव के चारों ओर पानी भरने के बाद प्रशासन ने ग्रामीणों के आवागमन के लिए तत्काल दो मध्यम आकार की नावों की व्यवस्था कराई है।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर नावों की संख्या बढ़ाई जाएगी, ताकि किसी भी ग्रामीण को आवागमन में परेशानी न हो। प्रशासन ने राजस्व कर्मियों और स्थानीय अधिकारियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उप जिलाधिकारी आनंद कुमार कटारिया ने ग्रामीणों से बाढ़ के पानी को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश शासन के निर्देश पर जिला और तहसील प्रशासन बाढ़ जैसी विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। किसी भी तरह की आकस्मिक स्थिति उत्पन्न होने पर ग्रामीण तत्काल तहसील प्रशासन को सूचना दें, जिससे प्रभावित परिवारों तक समय रहते आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके।

उन्होंने ग्रामीणों से प्रशासन के साथ सहयोग करने और अनावश्यक रूप से बाढ़ के पानी में जाने से बचने की अपील की। प्रशासन की ओर से संभावित खतरे वाले क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान, लेखपाल, राजस्व निरीक्षक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से बाढ़ की स्थिति और जलस्तर की जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर से ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है, वहीं प्रशासन की सक्रियता से लोगों को राहत की उम्मीद है।

श्रावण के अंतिम सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़े भक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर श्रावण मास के अंतिम सोमवार को खजनी तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध जैसर नाथ शिव मंदिर भरोहिया,झारखंडी शिव मंदिर सरया तिवारी और झारखंडेश्वर शिव मंदिर टेकवार सहित दर्जनो शिव मंदिरो में भक्तों की भारी भीड़ रही। सुबह से ही शिवालय 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठे। शिव मंदिरो मे भोर 4 बजे से ही कतारें लग गईं। महिलाओं ने कलश यात्रा निकालकर जलाभिषेक किया। रुद्राभिषेक और हवन के बाद भंडारे का आयोजन हुआ। शिवलिंग पर दूध, दही, शहद और गंगाजल से अभिषेक किया गया।

हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे मंदिर समिति ने प्रसाद वितरण किया शिवभक्त सत्येन्दर त्रिपाठीने कहाः 'सावन का आखिरी सोमवार है।

बाबा से परिवार की सुख-शांति और अच्छी बारिश की प्रार्थना की। मंदिर समिति ने बताया कि तीनों मंदिरों में मिलाकर 5000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया। वही पुलिस और प्रशासन ने तीनों मंदिरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। श्रावण के समापन के साथ ही भक्तों ने अगले साल सावन की प्रतीक्षा के साथ बाबा से आशीर्वाद लिया।

आर्मी-नेवी अग्निवीर के बाद अब इंडियन नेवी असिस्टेंट मेडिकल बने अमन

दो चयन छोड़ अमन ने चुना देशसेवा का नया मुकाम

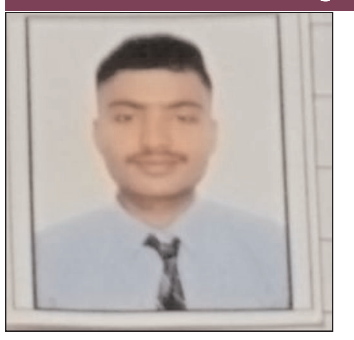

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। ब्लॉक इटियाथोक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेंदुली निवासी अमन शुक्ला पुत्र रमेश कुमार शुक्ल उर्फ दरोगा ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अमन शुक्ला का इंडियन नेवी में असिस्टेंट मेडिकल के पद पर चयन हुआ है। चयन के बाद उन्होंने ज्वाइन कर लिया है और वर्तमान में इंडियन नेवी की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ क्षेत्रीय लोगों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। बताया जाता है कि अमन शुक्ला का इससे पूर्व इंडियन आर्मी और इंडियन नेवी में अग्निवीर के पद पर भी चयन हो चुका था। बाद में उन्होंने दोनों पदों से इस्तीफा देकर इंडियन नेवी में असिस्टेंट मेडिकल के पद पर ज्वाइन किया। वर्तमान में वह प्रशिक्षण प्राप्त कर देश सेवा के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।

अमन की इस उपलब्धि पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अपनी मेहनत से परिवार और गांव का गौरव बढ़ाया है। अमन शुक्ला की सफलता पर शिवशंकर शुक्ला, वेद प्रकाश शुक्ल, ग्राम प्रधान दिनेश, मेवालाल शुक्ल, श्याम शुक्ल, उमेश, बबलू शुक्ल, शिवशंकर पांडे, प्रयागदत्त, रागेश तिवारी, पीर मोहम्मद सहित अन्य ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लोन दिलाने के नाम पर 1.08 लाख की ठगी

जीएसटी आईडी का दुरुपयोग कर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा/गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र में लोन दिलाने का झांसा देकर दो लोगों से 1.08 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि जालसाजों ने एक पीड़ित के दस्तावेज और जीएसटी आईडी-पासवर्ड हासिल कर उसका दुरुपयोग करते हुए करीब 13 करोड़ रुपये का लेनदेन कर दिया। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने अनुपमा के खिलाफ जालसाजी, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गठूआखोर निवासी प्रहलाद मौर्य पुत्र राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उनके नाम से एमआईएस मौर्या कॉन्ट्रैक्ट वर्क्स के नाम पर जीएसटी पंजीकरण है। आरोप है कि छह अगस्त 2025 को अहमदपुर निवासी महिला ने लोन दिलाने के नाम पर उनके पिता की खतौनी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो सहित अन्य दस्तावेज लिए और 68 हजार रुपये ऑनलाइन प्राप्त किए। इसी दौरान मझौरा निवासी नरबदा यादव से डेयरी व्यवसाय के लिए लोन दिलाने के नाम पर 15 हजार रुपये नकद और 15 हजार रुपये ऑनलाइन लिए गए। दोनों से कुल 1.08 लाख रुपये लेने का आरोप है। प्रहलाद का आरोप है कि लोन प्रक्रिया के दौरान जीएसटी आईडी और पासवर्ड की जानकारी हासिल कर उसका दुरुपयोग किया गया और करीब 13 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। जानकारी होने पर आरोपी ने गलती स्वीकार करते हुए आईडी-पासवर्ड बदलने संबंधी शपथ पत्र भी दिया। पीड़ितों के अनुसार न तो लोन कराया गया और न ही रकम लौटाई गई। रुपये मांगने पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बरसात में बढ़ा डेंगू का खतरा, एनेक्सी भवन में अफसरों ने कसी कमर; पानी जमा न होने देने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बरसात के मौसम में डेंगू और अन्य मच्छरजनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रोकथाम को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। एनेक्सी भवन सभागार में आयोजित जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों ने डेंगू नियंत्रण की रणनीति पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को प्रभावी कार्रवाई और आपसी समन्वय के निर्देश दिए। साथ ही आमजन से घर और आसपास पानी जमा न होने देने की अपील की गई। कार्यक्रम में मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) उत्तर प्रदेश पी.के. श्रीवास्तव, मंडलायुक्त गोरखपुर इंद्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी गोरखपुर दीपक मीणा समेत स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने डेंगू के लक्षणों की समय रहते पहचान, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करने और मरीजों को तत्काल चिकित्सकीय सलाह उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

अधिकारियों ने कहा कि बरसात के दौरान जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन जाती हैं। ऐसे में डेंगू की रोकथाम के लिए घरों और सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई बेहद जरूरी है। कूलर, गमले, पुराने टायर, कबाड़ और छतों पर जमा पानी को नियमित रूप से साफ करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में यूपीएमएससीएल के प्रबंध निदेशक डा. उज्वल कुमार, महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं पवन कुमार अरुण, महानिदेशक परिवार कल्याण डा. शुभ्रा मिश्रा, महानिदेशक प्रशिक्षण डा. रंजना खरे तथा मंडलीय अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य/परिवार कल्याण गोरखपुर डा. जयंत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जागरूकता पोस्टरों के जरिए बताया गया कि डेंगू में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे लक्षण सामने आने पर बिना देरी किए चिकित्सक या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने स्वयं दवा लेने से बचने और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार उपचार कराने पर जोर दिया। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनने और मच्छरदानी का प्रयोग करने की भी अपील की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डेंगू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। हर परिवार की सतर्कता और सामूहिक भागीदारी से ही मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। बैठक में डेंगू नियंत्रण की तैयारियों, जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। संबंधित विभागों को समन्वय के साथ अभियान चलाने तथा बरसात के दौरान लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

यूक्रेन से गांव पहुंचा अभिषेक निषाद का शव, अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

» रूसी मिसाइल हमले में हुई थी 22 वर्षीय अभिषेक की मौत
» परिवार ने शहीद का दर्जा, नौकरी और एक करोड़ रुपये की सहायता की मांग की

रामलक्षन देवरिया। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास रूसी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाले देवरिया के 22 वर्षीय अभिषेक निषाद का शव करीब एक माह बाद सोमवार को उनके पैतृक गांव करमेल पहुंचा। शव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण और क्षेत्र के लोग अभिषेक के घर पहुंच गए। शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां और बहन अभिषेक का शव देखकर बेसुध हो गईं। गौरी बाजार थाना क्षेत्र के करमेल गांव निवासी अभिषेक निषाद मालवाहक जहाज गोल्डन लियो पर क्रू सदस्य के रूप में कार्यरत थे। गत 19 जुलाई को यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट जहाज पर रूसी मिसाइल हमला हुआ था। इस हमले में अभिषेक की मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही परिजन शव को भारत लाने की मांग कर रहे थे।

सोमवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रिश्तेदार अभिषेक का शव लेकर गांव पहुंचे। कंपनी की ओर से शव को लखनऊ से तिरंगे में लपेटकर भेजा गया था। गांव में शव पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके घर पर जुट गए। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। अंतिम दर्शन के दौरान एसडीएम राज कुमार गुप्ता, सीओ राजेश चतुर्वेदी समेत प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अभिषेक के पिता कौशल निषाद ने जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग की। काफी मान-मनौव्वल के बाद उन्होंने एसडीएम और सीओ को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा। परिजनों ने अभिषेक को शहीद का दर्जा देने, परिवार की बड़ी बेटी को सरकारी नौकरी देने और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की है। परिजनों के अनुसार, अभिषेक के पिता कौशल निषाद का डीएनए टेस्ट रामलक्षन स्थित लाल पैथलैब्स के माध्यम से कराया गया था। डीएनए रिपोर्ट कंपनी को भेजे जाने और शव भारत लाने की आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार को अभिषेक का शव गांव पहुंच सका। बेटे का शव देखकर पिता कौशल निषाद समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल रहा। गांव का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। बाद में अभिषेक निषाद का अंतिम संस्कार रुद्रपुर स्थित बैकुंठधाम में किया गया।

जिलाधिकारी ने जवाहर नवोदय विद्यालय रुधौली का किया निरीक्षण, बच्चों के साथ बैठकर परखा भोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना ने सोमवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, रुधौली का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक, आवासीय, भोजन एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के कक्षों, छात्रावास, रसोईघर और कक्षाओं का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले विद्यार्थियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता जांची। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और स्वयं भोजन की गुणवत्ता परखी। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भोजन की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर कमी नहीं होनी चाहिए जिलाधिकारी ने रसोईघर का निरीक्षण करते हुए भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, साफ-सफाई और खाद्य सामग्री के रखरखाव की जानकारी ली। उन्होंने रसोईघर सहित भोजन से जुड़े सभी स्थानों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा खाद्य सामग्री को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के रहने के कमरों और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलना जरूरी है। विद्यालय की कक्षाओं के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थी पढ़ाई करते मिले। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर नियमित ध्यान देने तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने को कहा। साथ ही विद्यालय परिसर, कक्षाओं और छात्रावास में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी देश का भविष्य हैं, इसलिए उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ परिसर और अच्छी आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी रुधौली अहमद फरीद खान, प्रधानाचार्या अमिता सक्सेना सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी ने रेहरा बाजार थाने का किया औचक निरीक्षण

लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

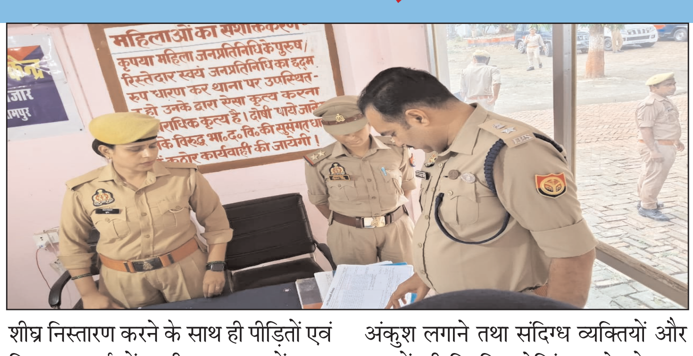

रेहरा बाजार/बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने सोमवार को थाना रेहरा बाजार का आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिसिंग व्यवस्था का जायजा लिया। अचानक हुए निरीक्षण से थाना परिसर में पुलिसकर्मियों में सक्रियता देखने को मिली। एसपी ने थाना कार्यालय, हवालात, बैरक, मालखाना, मिशन शक्ति केंद्र, सीसीटीएनएस कार्यालय सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों और अभिलेखों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में अभिलेखों के रख-रखाव, लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों, आईजीआरएस प्रकरणों और लंबित अभियोगों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में नियमानुसार और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण करने के साथ ही पीड़ितों एवं शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर जोर दिया गया।

अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश

एसपी ने थाना क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस को सक्रिय रहने के निर्देश दिए। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की नियमित चेकिंग करने को कहा गया। उन्होंने रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने और क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा।

महिला अपराधों में संवेदनशीलता बरतने पर जोर

मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण के दौरान एसपी ने महिला संबंधी शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनने तथा उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल अपराधों में प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की स्वच्छता, अभिलेखों के रखरखाव, अनुशासन और पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को पूर्ण मनोयोग, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की हिदायत दी। एसपी ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी उतरौला डॉ. जितेन्द्र कुमार सहित थाना रेहरा बाजार के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नवागत बीडीओ सुप्रिया ने प्रधानों को दिया भरोसा, नियमों के तहत विकास कार्य कराने का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। विकास खंड खजनी में नवागत खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) श्रीमती सुप्रिया के कार्यभार संभालने के बाद ग्राम प्रधानों एवं प्रधान प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रधानों की ओर से नवागत बीडीओ को भगवान राम दरबार की प्रतिमा का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और विकास कार्यों को लेकर आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। स्वागत कार्यक्रम में पूनम देवी, झिंनकान बेलदार, सतेंद्र सिंह, सतेंद्र कन्नौजिया, सोनू सिंह, गुलाब सिंह और ध्रुव सिंह समेत कई ग्राम प्रधान एवं प्रधान प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने नवागत बीडीओ का स्वागत करते हुए विकास खंड क्षेत्र में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों को गति देने की उम्मीद जताई।

प्रधानों की टीम के साथ आयोजित बैठक में बीडीओ सुप्रिया ने कहा कि वर्तमान समय में ग्राम प्रधान चार माह के लिए प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे में सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्य नियमों के अनुरूप कराए जाएंगे और किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी या शोषण नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने प्रधानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि विकास कार्यों को लेकर किसी भी प्रकार की दिक्कत आने पर संबंधित अधिकारी से संवाद किया जा सकता है। प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी कि ग्राम पंचायतों में होने वाले कार्य नियमानुसार और ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता के साथ-साथ गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

नवागत बीडीओ ने ग्राम प्रधानों से अपेक्षा जताई कि वे प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर गांवों की समस्याओं को सामने लाएं, ताकि उनका समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जा सके। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक के दौरान मौजूद प्रधानों ने भी विकास कार्यों से संबंधित अपनी बात रखी। नवागत बीडीओ के आश्वासन के बाद प्रधानों ने प्रशासन के साथ सहयोग और समन्वय से कार्य करने की बात कही। बैठक में ग्राम पंचायतों के विकास को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

घर में घुसे युवक को किशोरी द्वारा चप्पलों से पीटने का वीडियो वायरल

किशोरी ने गैर धर्म के उक्त युवक के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक किशोरी एक युवक पर दनादन चप्पलें जड़ रही है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिख रही किशोरी वही है जिसने अपने सगे पिता पर शराब के नशे में जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब इस ताजा घटनाक्रम ने पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक किशोरी सामने खड़े एक युवक पर दनादन चप्पलें जड़ रही है। यह वीडियो नगर के ही एक मोहल्ले का बताया जा रहा है। इसके पीछे जो कहानी बताई जा रही है उसके मुताबिक रविवार की रात करीब 11 बजे एक युवक किशोरी के घर में घुस गया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी ने न केवल उसकी इन हरकतों का विरोध किया बल्कि चप्पल उठा कर उसके ऊपर ताबड़तोड़ मारनी शुरू कर दी। इसके साथ ही उसने शोर मचा दिया जिससे मोहल्ले के तमाम लोग मौके पर पहुंच गए और यूपी 112 डायल कर युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। किशोरी ने इस पूरी घटना की लिखित शिकायत भी पुलिस को दे दी है। इस पूरे घटनाक्रम से जुड़ी एक और कहानी है जिस पर सहसा विश्वास नहीं किया जा सकता। वायरल वीडियो में जो किशोरी है उसने शनिवार को थाना समाधान दिवस में पहुंच कर अपने सगे पिता के खिलाफ तहरीर दी थी जिसमें उसने पिता पर शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ अनैतिक शारीरिक संबंध बनाए जाने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया था। यह खबर मीडिया की सुर्खियां बनने के बाद पुलिस ने पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर भी कर ली है और मामले की जांच में जुट गई। वहीं दो दिन बाद ही सोमवार को इस पूरे मामले में एक नया मोड़ उस समय आ गया जब उक्त किशोरी बीती रात अपने ही घर में मौजूद एक युवक को चप्पल से पीट रही है। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में किशोरी ने कहा है कि पिछले तीन माह से कस्बे का ही रहने वाला गैर धर्म का नजर खान नामक युवक उसे परेशान कर रहा है। घर में घुसे उक्त युवक के मामले में किशोरी ने पुलिस से कार्रवाई किए जाने की मांग की है। बहरहाल, इन दोनों कहानियों के बीच क्या कनेक्शन हो सकता है इस एंगल पर पुलिस आपस में सभी कड़ियों को जोड़कर पूरे मामले की गहनता से जांच करने में जुट गई है।

रामलीला के 174वें महोत्सव के लिए राजीव पटेल अध्यक्ष और शैलेश सोनी बने मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोंच की विश्व प्रसिद्ध रामलीला के 174वें महोत्सव को सानंद संपन्न कराने के लिए सोमवार को रामलीला समिति के अध्यक्ष और मंत्री का प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव गल्ला मंडी स्थित शंकरजी के मंदिर पर संपन्न हुआ जिसमें राजीव पटेल बॉबी पचीपुरा अध्यक्ष एवं शैलेष सोनी मंत्री मनोनीत किए गए। अन्य पदाधिकारियों का बाद में रामलीला समिति और धर्मादा कमेटी मनोनयन करेंगे। गल्ला व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित कोंच की ऐतिहासिक और विश्व विख्यात रामलीला के आगामी 5 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे 174वें महोत्सव को सकुशल संपन्न कराने के लिए सोमवार को रामलीला समिति के अध्यक्ष और मंत्री का चुनाव किया गया। गल्ला मंडी स्थित शंकरजी के मंदिर पर धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले की अध्यक्षता और मंत्री विनोद दुवे लौना के संचालन में सम्पन्न हुई। चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों से 23 अगस्त तक आवेदन मांगे गए थे जिसमें तीन जोड़ा आवेदन राजीव पटेल व शैलेष सोनी, अरुण कुमार गुप्ता व आशुतोष रावत एवं संतोष निरंजन व ऋषभ गिरवासिया के क्रमशः अध्यक्ष और मंत्री पदों के लिये संयुक्त रूप से आये थे। धर्मादा कमेटी के स्वविवेक से हुए इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर राजीव पटेल बॉबी पचीपुरा और मंत्री पद पर शैलेष सोनी का मनोनयन कर दिया गया। इसकी घोषणा धर्मादा अध्यक्ष द्वारा की गई। बताया गया कि शेष कार्यकारिणी का गठन रामलीला समिति और धर्मादा कमेटी आपसी सामंजस्य से तय करेंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बॉबी ने सभी गल्ला व्यापारियों और रामलीला प्रेमियों से अनुरोध किया है कि रामसेवा का जो गुरुतर भार उन्हें सौंपा गया है उसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। इस दौरान धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले, मंत्री विनोद दुवे लौना, चंद्रशेखर लोहिया, राममोहन रिछारिया, दीनू गुप्ता, अंशुल मिश्रा, ध्रुवप्रताप सिंह, जय मुखिया, राजकुमार छुन्ना धनौरा, लालजी कुशवाहा, हरिश्चंद्र तिवारी, अभिषेक रिछारिया, अतुल चतुर्वेदी, राहुल तिवारी, विजल अग्रवाल रोहन, अरविंद मिश्रा, जगदीश प्रसाद राठौर, सतीश राठौर, दिनेश खिल्ली वाले, अखिलेश बबेले, जीतू राठौर, राजू लोहिया, अशोक गुप्ता लोहई, रामकुमार अग्रवाल, राघवेंद्र तिवारी, नवनीत गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, जयप्रकाश खिल्ली वाले, संतोष गिरवासिया, मुकेश सोनी, वीनू गुप्ता,आशीष कुशवाहा आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

झूलेलाल महोत्सव कार्यक्रम एवं शोभायात्रा के द्रष्टिगत आज रहेगा डायवर्सन

कानपुर। रामबाग से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहे की तरफ नहीं जा सकेगें। ऐसे वाहन बजरिया, चुन्नीगंज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। ईदगाह तिराहा से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहे की तरफ नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन बेनाझाबर होते हुए या चुन्नीगंज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। जरीब चौकी से आने वाले वाहन पी रोड नहीं जा सकेंगे ऐसे वाहन संगीत टाकीज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। गुमटी न0 5 से आने वाले वाहन अशोक नगर नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन ओम बिल्डिंग चौराहा से बाये होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। गुमटी नं0 5 से आने वाले वाहन ब्रह्मनगर नहीं जा सकेंगे ऐसे वाहन बनारसी चाय की दुकान/भारत पेट्रोल पम्प से बांए मुड़कर हर्षनगर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। बनारसी चाय की दुकान से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहा नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन बनारसी चाय की दुकान/भारत पेट्रोल पम्प से बाए मुड़कर हर्षनगर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने सुनीं जनसमस्याएं

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गई तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। कोतवाली पुलिस ने मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए हाईवे से एक कार में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए तीन एंटीना कार्ड, चोरी में प्रयुक्त उपकरण, छह मोबाइल फोन, 2,470 रुपये नकद और कार बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कई टावरों से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव परसपुर मगनपुर निवासी सुनील कुमार, कासगंज के अमांपुर थाना क्षेत्र के अरहरपुर गांव निवासी शिशुपाल, विमल कुमार, विनोद कुमार और सोमदत्त तथा बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के पटेल नगर निवासी अमित शामिल हैं।

टावर के पास कार खड़ी कर रात होने का कर रहे थे इंतजार

पुलिस के मुताबिक, आरोपी रविवार को नगरिया चौकी क्षेत्र के चांदापुर गांव स्थित मोबाइल टावर से एंटीना कार्ड चोरी करने की फिराक में पहुंचे थे। टावर के पास कार खड़ी कर वे देर रात होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिल गई। टीम ने घेराबंदी कर कार सवार सभी छह आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी में तीन एंटीना कार्ड के अलावा चार पाना, पेचकस, वायर कटर, क्लैंप, एलन की सेट, स्टार की सेट, स्टील सॉकेट, नट स्पिलटर और एक बल्ब बरामद हुआ। ये उपकरण टावर से एंटीना कार्ड निकालने में इस्तेमाल किए जाते थे।

दिल्ली में कबाड़ियों को बेचते थे चोरी के कार्ड

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी कर उन्हें दिल्ली ले जाते थे। वहां चलते-फिरते कबाड़ियों को बेचकर मिलने वाली रकम आपस में बांट लेते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 13 जुलाई को जलालाबाद क्षेत्र के बरुआरी गांव स्थित टावर से दो, 25 जुलाई को याकूबपुर चौराहे से चार तथा 22 जुलाई को मिर्जापुर क्षेत्र के दो मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करना स्वीकार किया है। इन घटनाओं के संबंध में जलालाबाद और मिर्जापुर थानों में मुकदमे दर्ज हैं। सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि टावरों से एंटीना कार्ड चोरी के मामलों में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। रविवार को चांदापुर में चोरी की फिराक में मिले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कांवड़ यात्रा सेवार्थ राजश्री अस्पताल द्वारा जलपान एवं चिकित्सीय शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। रिठौर स्थित राजश्री हॉस्पिटल एण्ड इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों के जलपान एवं सभी प्रकार की चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए पंडाल लगाकर शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि श्रावण माह में संचालित पवित्र कांवड़ यात्रा में लगातार पैदल चलने के कारण यात्रियों के पैरों में सूजन एवं दर्द की स्थिति में राजश्री अस्पताल प्रबंधन द्वारा कुशल चिकित्सकों की देखरेख में फिजियोथेरेप्युटिक मसाज की सुविधा शिविर में प्रदान की जा रही है। साथ ही पैरों में दर्द एवं छाले होने की स्थिति में वरिष्ठ फिजीशियन द्वारा सभी प्रकार के उत्तम इलाज की व्यवस्था शिविर में निःशुल्क उपलब्ध है। श्रावण माह के अंतिम सोमवार को कांवरियों के संख्या को देखते हुए उनके जलपान, फल वितरण सहित स्थानीय स्तर पर कांवड़ यात्रा की उचित निकासी के लिए मार्ग प्रबंधन का कार्य राजश्री प्रशासन की तरफ से किया गया। इस शिविर के सफल आयोजन में स्वंय सेवकों द्वारा सेवादान करने के साथ-साथ संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक इं0 रोहन बंसल का सेवा प्रबन्धन विशेष सराहनीय रहा।

चौथे सोमवार को कावड़ यात्रा के श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किया जलाभिषेक

बरेली/ चौथे सोमवार को कावड़ यात्रा लेकर वापस लौटे तमाम स्थान के श्रद्धालुओं ने विभिन्न मंदिरों में जल अभिषेक कर भोलेनाथ का आशीष प्राप्त किया किसी क्रम में महेश नाथ मंदिर महेशपुर में स्थित यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर शिव मंदिर में जल अभिषेक किया और भोले से आशीष मांगा इसी क्रम में दलेल नगर शिव मंदिर में भी जल अभिषेक किया गया और श्रद्धालुओं द्वारा भोलेनाथ से आशीष प्राप्त किया इसी क्रम में सिद्ध बाबा मंदिर पर भी कावड़ यात्रा के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी जिसे संभालने के लिए पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी श्रवण मास के अंतिम सोमवार को कावड़ियों में भरी जोश देखने को मिला और सभी ने विभिन्न स्थानों पर बने शिव मंदिरों पर जल अभिषेक करके कावर चढ़ाई और भोलेनाथ से आशीष प्राप्त किया।

मांगों को लेकर रोजगार सेवकों ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विकास खंड कोंच क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में तैनात रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सोमवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन किया और मांगों के शीघ्र निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन के उपरांत खंड विकास अधिकारी यज्ञदेव सिंह को सौंपे अपने ज्ञापन में रोजगार सेवकों ने कहा कि पिछले दो वर्षों से क्रॉप सर्वे सहित अन्य कार्यों का भुगतान लंबित है। इसके अलावा करीब एक वर्ष से मानदेय न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। मानदेय के अभाव में परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। रोजगार सेवकों ने कहा कि उन्हें क्रॉप सर्वे (खरीफ) का कार्य सौंपा गया है लेकिन अधिकांश साथियों के पास सर्वे के लिए आवश्यक स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं हैं। पूर्व में स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अभी तक इसकी व्यवस्था नहीं की गई है। रोजगार सेवकों ने बीते एक वर्ष के बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान कराने, सभी रोजगार सेवकों का जीवन बीमा कराने, क्रॉप सर्वे कार्य के लिए स्मार्ट फोन शीघ्र ही उपलब्ध कराने की मांग ज्ञापन में की है। ज्ञापन सौंपने वाले रोजगार सेवकों में अमित पटेल अटा, रामलाल पटेल कैथी, हम्मीर सिंह हिंगुटा, सुनील कुमार भरसूडा, सुरेशचंद्र, नरेंद्र सिंह, चंद्रभान, जितेंद्र, प्रीति सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडीएम और खाद्य सुरक्षा टीम ने जांच हेतु खाद्य सामग्री के भरे नमूने

कोंच(जालौन)- रक्षाबंधन त्योहार पर मिलावटी, दूषित और नकली खाद्य सामग्री की आपूर्ति पर रोकथाम लगाकर संबंधित विक्रेताओं पर कार्यवाही किए जाने जाने के उद्देश्य से एसडीएम अभिनव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी झंकार सिंह ने विभागीय टीम के साथ मिलकर सोमवार को नगर के अलग-अलग इलाकों में मिठाई और परचून की दुकानों पर छापा मारा। अधिकारियों ने टीम के साथ मिलकर मेनरोड पर खुली महाकालेश्वर मिष्ठान भंडार से छैना और पंचानन चौराहा स्थित वीरेंद्र मिष्ठान्न भंडार से रिफाइंड एवं सोयाबीन तेल का नमूना भरा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जो नमूने लिए गए हैं उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। एसडीएम एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नगर के सभी दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि नकली, मिलावटी और दूषित खाद्य सामग्री न बेचें, आमजन की सेहत को ध्यान में रखें। पकड़े जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर पर्यावरण जागरूकता को लेकर पौधारोपण अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अपने तय कार्यक्रम के अनुसार आज कुल हिंद जमी अतुल आवाम एवं जुलूस ए मोहम्मदी की मरकाजी कमेटी सुजानगंज के द्वारा संयुक्त पर्यावरण जागरूकता के लिए पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ईद मिलादुन्नबी पैगंबर इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर 12 पौधे सुजादगंज स्थित छोटी पार्क में लगाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। पैगंबर मोहम्मद साहब के 1501 जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब मिस्बाही एवं विशिष्ट अतिथि महामंत्री महबूब आलम खान द्वारा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबको पर्यावरण के लिए जागरूक होना चाहिए क्योंकि पौधा लगाकर हम अपनी आने वाली जनरेशन के लिए काम कर सकते हैं 12 रबी उल अव्वल ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हम सब लोग यह संकल्प ले की शहर भर में पौधे लगाकर पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की सुन्नत को हर एक इंसान तक पहुंचाएंगे पैगंबर ने पौधा लगाने का हुक्म दिया क्योंकि पौधा ऑक्सीजन देता है फल देता है छाया देता है और अनेक जरूरत की चीज इन्हीं पौधों से पूरी होती है पैगंबर की सुन्नत को अपनाते हुए इस ईद मिलादुन्नबी पर एक पौधा जरूर लगाए कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था अध्यक्ष शहर काजी मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही महामंत्री महबूब आलम खान जुलूस ए मोहम्मदी शुजातगंज मरकाजी कमेटी के सदर जियाउल हसमत अल्लान नगर सचिव कफिल खान मोहम्मद शाहनवाज अलीम खान कारी शादाब रजा कानपुरी हाजी शहनवाज सर डॉ ज़ीशान अंसारी डॉ ई ए अंसारी अलीम सर सलमान डिश शाहिद चौधरी अशफाक अली शारिक खान आदिल कुर्सी वाले रऊफ अंसारी, हाजी रेनू आसिफ खान शकील सर ग्लोब्स, यासिर खान ओवैश महताब अहमद आदि मौजूद है।

श्रावण मास के आखिरी सोमवार को शिवालयों में गूंजे हर हर महादेव के स्वर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- पवित्र श्रावण मास के चौथे और आखिरी सोमवार को हर हर महादेव और बोल बम की स्वर लहरियों से शिवालय गूंज उठे। भगवान भूतभावन को समर्पित श्रावण मास के इस आखिरी सोमवार को भी नगर व क्षेत्र के शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़े भोर से ही उमड़ा आस्था का यह सैलाब हर हर महादेव, बोल बम के जयकारों से वातावरण को शिवमय बना रहा था। महिलाओं ने आशुतोष भगवान भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए उनका जलाभिषेक किया, पंचामृत स्नान कराया और विधि विधान से उनका पूजन कर भोग प्रसाद समर्पित किया। चंदकुआं पर भूतेश्वर महादेव मंदिर पर भूत भावन का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया, सायं वेला में भी भक्तों की भारी भीड़ रही। महाकालेश्वर मंदिर (नायक का मठ) में भी महिलाओं की भारी भीड़ रही। इसके अलावा सिद्धेश्वर मंदिर नईबस्ती, बख्शेश्वर मंदिर, मारकंडेश्वर आदि मंदिरों में सायं वेला में सैकड़ों महिलाओं ने भजन कीर्तन कर भोलेनाथ को प्रसन्न किया। नईबस्ती के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी बड़े भोर से ही महिलाओं की भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए जुटने लगी थी और यह सिलसिला दिन चढे तक जारी रहा। सुरक्षा के दृष्टिगत सभी शिवालयों में पुलिस की भी ड्यूटी लगाई गई थी।

विद्यालय परिसरों से हटेंगी हाईटेंशन और एलटी लाइनें, पहले चरण में 93 स्कूल चिह्नित

राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों से गुजर रही विद्युत लाइनें होंगी स्थानांतरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए विद्यालय परिसरों से होकर गुजर रही हाईटेंशन (एचटी) और लो टेंशन (एलटी) विद्युत लाइनों को हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। शासन के निर्देश पर जनपद में गठित समिति ने पहले चरण में ऐसे 93 विद्यालय चिह्नित किए हैं, जहां विद्युत लाइनों को स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है। सोमवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई समिति की बैठक में चिह्नित विद्यालयों का स्थलीय सत्यापन शीघ्र पूरा कर कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए गए। शासन ने प्रदेश में संचालित परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के साथ माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के परिसरों से गुजर रही एचटी और एलटी विद्युत लाइनों को हटाने एवं स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय परिसर से गुजरने वाली विद्युत लाइनें विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में ऐसे मामलों में राजकीय अथवा सहायता प्राप्त विद्यालयों के परिसर से गुजर रही एचटी एवं एलटी विद्युत लाइनों को निःशुल्क स्थानांतरित करने की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में गठित समिति ने प्रथम चरण में 93 विद्यालयों का चिन्हांकन किया है। इन विद्यालयों में विद्युत लाइनों को स्थानांतरित करने की कार्रवाई की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को स्थलीय सत्यापन शीघ्र पूरा करने और विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

उल्लास पूर्वक मनाया गया हरियाली तीज कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर एवं शिशु वाटिका, मंडी परिसर में हरियाली तीज महोत्सव सोमवार को उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस दौरान मातृ भारती परिषद का भी गठन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल रही, जबकि विद्यालय की सह प्रबंधिका मधु गुप्ता, सदस्य डॉ. नीता रेजा, कृष्णा झा, मांडवी निरंजन, रश्मि द्विवेदी, श्वेता जोशी एवं सीमा परिहार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं-युवतियों के लिए श्रृंगार एवं कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्रृंगार प्रतियोगिता में श्वेता जोशी एवं रश्मि द्विवेदी ने और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में आरती ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सनातन धर्म के तीज त्योहारों के महत्व को प्रासंगिक रखते हैं। वहीं इस दौरान मातृ भारती परिषद का भी गठन किया गया जिसके तहत सरस्वती शिशु मंदिर में रागिनी सोनी को अध्यक्ष, आकांक्षा को उपाध्यक्ष, कल्पना वोहरे को मंत्री, रीना मिश्रा को सहमंत्री तथा रुपम को कोषाध्यक्ष चुना गया। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आरती को अध्यक्ष, श्वेता परिहार को उपाध्यक्ष, गुड्डी देवी को मंत्री, मीनू को सहमंत्री तथा रागिनी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के समापन पर पावन श्रावण मास के आखिरी सोमवार के अवसर पर तीनों विद्यालयों में अध्ययनरत 1200 छात्र छात्राओं सहित अतिथियों, शिक्षक शिक्षिकाओं और महिलाओं को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। इससे पहले प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने अतिथियों का बैज अलंकरण कर स्वागत सम्मान किया। संचालन शिक्षिका वंदना अवस्थी और आभार प्रधानाचार्या ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में रीना मिश्रा, आरती, रुपम, केशवती, गुड्डी देवी, श्वेता परिहार, रागिनी, कल्पना, आकांक्षा, खुशबू, मीनू गौतम, पूजा सोनी, हिमानी राठौर सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

दरवाजे में उतरे करंट से अधेड़ की मौत, दो बेटों के सिर से उठा पिता का साया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बेलन बरौधा चौकी अंतर्गत नैड़ी गांव में घर के दरवाजे में करंट उतरने से 50 वर्षीय अधेड़ मया शंकर पटेल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया। बताया जा रहा है कि घर के दरवाजे में करंट उतर आया था, जिसकी चपेट में आने से मया शंकर पटेल गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी मौत हो गई। अचानक हुए इस दर्दनाक हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। मृतक मया शंकर पटेल नैड़ी गांव के निवासी थे और उनकी उम्र करीब 50 वर्ष बताई गई है। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल बेलन बरौधा चौकी पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई और मामले की जांच में जुट गई।

मया शंकर पटेल की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक के दो बेटे बबलू और छोटू बताए गए हैं। पिता की अचानक मौत की खबर से दोनों बेटों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस पिता के सहारे परिवार चल रहा था, उसी पिता की करंट की चपेट में आने से अचानक मौत हो जाने से परिवार के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई और परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

ग्रामीणों के अनुसार घर के दरवाजे में करंट उतरना बेहद गंभीर मामला है। यदि समय रहते विद्युत व्यवस्था की जांच और सुरक्षा के उपाय किए जाते तो शायद इस तरह के हादसे से बचा जा सकता था। बरसात के मौसम में बिजली से जुड़े हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में घरों के आसपास विद्युत तारों, खंभों, अर्थिंग और विद्युत उपकरणों की नियमित जांच बेहद जरूरी है। नैड़ी गांव में हुई इस घटना ने बिजली सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल अधेड़ की मौत से नैड़ी गांव में शोक की लहर है। मृतक के दोनों बेटे बबलू और छोटू सहित पूरा परिवार गहरे सदमे में है। अचानक हुई इस मौत ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और दो बेटों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया।

बजट बैठक का सभासदों ने लगातार तीसरी बार किया बहिष्कार, वित्तीय अनियमितता के लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। अहरौर नगर पालिका परिषद अहरौरा में चल रहा गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगर पालिका की महत्वपूर्ण बजट बैठक का सभासदों ने लगातार तीसरी बार बहिष्कार कर दिया। बैठक में मात्र 5 सभासदों के पहुंचने के कारण यह एक बार फिर औपचारिकता बनकर रह गई। नाराज सभासदों ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) और पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मंडलायुक्त (कमिश्नर) को शिकायती पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

लगातार तीसरी बार कोरम का अभाव पालिका प्रशासन द्वारा बुलाई गई बजट बैठक का अधिकांश सभासदों ने विरोध करते हुए इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया। केवल 5 सभासद ही सभागार में पहुंचे, जिससे आवश्यक कोरम पूरा नहीं हो सका और बजट पर चर्चा नहीं हो पाई। **सभासदों के मुख्य आरोप** वित्तीय अनियमितताः सभासदों का आरोप है कि पालिका प्रशासन में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की जा रही हैं और नगर पालिका अधिनियम के नियमों की अनदेखी हो रही है।

पारदर्शिता का अभाव: लिखित पत्र देकर वित्तीय व विकास कार्यों का ब्योरा मांगने के बावजूद अधिशासी अधिकारी द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता।

पक्षपात का आरोप: अधिकारियों पर अपने चहेतों को नियम विरुद्ध वित्तीय लाभ पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। सभासदों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनके लिखित सवालों के जवाब और वित्तीय हिसाब सार्वजनिक नहीं किए जाते, तब तक बजट बैठक का बहिष्कार जारी रहेगा।

बहिष्कार करने वाले प्रमुख सभासद बहिष्कार करने वालों में मुख्य रूप से सभासद आशीष अग्रहरि, इरशाद आलम, प्रमोद मौर्य, सलीम, मंजू देवी, श्वेता सिंह और कृष्णा तिवारी अशोक प्रभु संजय पटेल दुलारे पटेल संजय सोनल सोनकर शैलेन्द्र श्रीवास्तव विनोद ललित सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

ककराही विद्यालय में स्वच्छता अभियान, बच्चों को दिया जागरूकता का संदेश

गोपीगंज। नगर के ककराही प्राथमिक विद्यालय में 24 अगस्त को स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अधिशासी अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों से रक्षाबंधन पर प्लास्टिक की राखियों का उपयोग न करने और घरों में स्वच्छता की आदत अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत घर में चार कूड़ेदान रखने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, हरे और नीले कूड़ेदान के उपयोग तथा घर पर ही खाद बनाने की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता से संबंधित विभिन्न मॉडल भी प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नगर पालिका अध्यक्ष की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में पालिका की स्वच्छता टीम के आशीष कुमार यादव, विवेक मोदनवाल और प्रशांत गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

मीरजापुर में चोरों का 'शुभ मुहूर्त', पुलिस गश्त को ठेंगा दिखाकर उड़ा ले गए किलो भर चांदी-सोना

मीरजापुर। मीरजापुर की सुरक्षा व्यवस्था! चोरों ने तो पुलिस की रात्रि गश्त को जैसे खुली चुनौती ही दे डाली। रेलवे स्टेशन रोड, विशाल मेगा मार्ट के सामने स्थित प्रियसा ज्वेलर्स में चोरों ने सेंध लगाकर बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि चोर बड़े ही 'कलात्मक' तरीके से दुकान के पीछे की जमीन को काटकर अंदर दाखिल हुए। पीछे रेलवे की जमीन है, तो किसी को भनक तक नहीं लगी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, चोर करीब 20 से 22 किलो चांदी और 14 ग्राम सोना समेट कर फरार हो गए। मतलब साफ है, चोरों ने जमकर हाथ साफ किया और पुलिस सोती रह गई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जब चिड़िया चुग गई खेत, तब कटरा कोतवाली पुलिस, सीओ सिटी और अपर पुलिस अधीक्षक साहब मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर 'जल्द खुलासे' का वही घिसा-पिटा आश्वासन दे दिया। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अब देखना यह है कि फुटेज में चोर मिलते हैं या हमेशा की तरह कैमरे खराब मिलते हैं। सवाल तो यह है कि शहर के सबसे व्यस्त इलाके में जब ज्वेलर्स की दुकान ही सुरक्षित नहीं है, तो आम आदमी का क्या होगा। पुलिस की गश्त केवल कागजों पर है या जमीन पर भी।

उद्घाटन से पहले ही गिरा पेयजल टंकी का गेट, पांच साल से बंद पड़ी व्यवस्था पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। हलिया विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बबुरा भैरो दयाल गांव में ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब पांच वर्ष पूर्व निर्मित कराई गई पानी की टंकी आज भी उद्घाटन की बाट जोह रही है। विडंबना यह है कि जिस पेयजल टंकी से ग्रामीणों को सुविधा मिलनी चाहिए थी, वह वर्षों से उपयोग में आने से पहले ही बदहाल होने लगी है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व हुई लगातार बारिश के बाद टंकी परिसर का गेट गिर गया, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और लंबे समय से रखरखाव के अभाव को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पांच वर्ष

बीत जाने के बाद भी पानी की टंकी का उद्घाटन नहीं होना सरकारी व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। वहीं अब गेट गिरने की घटना के बाद परिसर की सुरक्षा भी चिंता का विषय बन गई है। यदि समय रहते प्रशासन और संबंधित विभाग ने मौके का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त गेट की मरम्मत तथा पूरे परिसर की स्थिति की जांच नहीं कराई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पानी की टंकी का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए, निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की जाए और वर्षों से बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था को जल्द से जल्द चालू कराया जाए, ताकि सरकारी धन से बनाई गई यह योजना महज शोपीस बनकर न रह जाए और ग्रामीणों को वास्तव में इसका लाभ मिल सके।

बाढ़ में टूटी सड़क नहीं बनवाई गई, लायन से बनवा जाने वाले मार्ग पर बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। विकास खण्ड हलिया क्षेत्र के लायन से बनवा की तरफ जाने वाली बंधी के पास बाढ़ के पानी से सड़क टूट जाने के बाद भी अब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। सड़क टूटने से इस मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी क्षतिग्रस्त सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बंधी के पास सड़क टूटने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है और बरसात के मौसम में रास्ते से गुजरना किसी खतरे से कम नहीं है। इसी मार्ग से ग्रामीण अपने जरूरी कामों के लिए आवागमन करते हैं, वहीं किसानों को भी खेतों तक पहुंचने में परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के दौरान सड़क क्षतिग्रस्त हुई थी, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अभी तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कराकर जल्द से जल्द टूटी सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क को दुरुस्त नहीं कराया गया तो बारिश के दौरान समस्या और बढ़ सकती है और मार्ग पूरी तरह से बंद होने की स्थिति पैदा हो सकती है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग ग्रामीणों की इस समस्या को कब तक गंभीरता से लेता है और बाढ़ में टूटी सड़क की मरम्मत कब शुरू कराई जाती है।

संस्कार भारती मीरजापुर की जिला अध्यक्ष पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने दिए 51 हजार रुपये

मिर्जापुर। संस्कार भारती, मिर्जापुर इकाई की वार्षिक योजना बैठक में अध्यक्ष एवं पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने संगठन की सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना करते हुए 51 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि भारतीय कला, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में समाज की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। यह राशि संस्कार भारती के प्रांतीय अध्यक्ष श्री गणेश प्रसाद अवस्थी के कर-कमलों से जिला महामंत्री शिवराम शर्मा को सौंपी गई। इस अवसर पर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने करतल ध्वनि से पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव के प्रति आभार व्यक्त किया। सदस्यों ने कहा कि उनका यह सहयोग संगठन के प्रति विश्वास, आत्मीयता और समर्पण का प्रेरणादायी प्रतीक है।

64 लाख की हेरोइन के साथ तीन अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। अहरौरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अंतरजनपदीय हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 334 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 64 लाख रुपये बताई गई है। तस्करी में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद कर सीज कर दी। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में अहरौरा पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलीम पुत्र अजीमुल्ला निवासी ग्राम राजगढ़, थाना राजगढ़, मीरजापुर, लक्की सोनकर पुत्र राजू सोनकर निवासी बभनौली, थाना राबर्टसगंज, सोनभद्र तथा इद्दू आमीन अहमद पुत्र स्व. जमील अहमद निवासी नई बस्ती, थाना राबर्टसगंज, सोनभद्र के रूप में हुई है। तीनों की उम्र करीब 21 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना अहरौरा में मु0अ0सं0-172/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल संख्या क्ष63ऌङ्ग 7371 को 207 एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में लक्की सोनकर के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं, जबकि सलीम और इद्दू का भी आपराधिक इतिहास सामने आया है। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक आशीष कुमार सिंह सहित थाना अहरौरा की पुलिस टीम शामिल रही।

शहीद सीआरपीएफ जवान के परिजनों से मिले डीएम, एसपी व विधायक, हरसंभव मदद का भरोसा

बिहार के राजगीर में सीआरपीएफ प्रशिक्षण के दौरान फिजिकल एक्टिविटी में बेहोश होने के बाद हुई मृत्यु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जनपद भदोही के कासियापुर गांव निवासी बृजेश मौर्य पुत्र श्याम नारायण मौर्य के असामयिक निधन पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी एवं मा. विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे ने उनके पैतृक गांव पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बताया गया कि बृजेश मौर्य का केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में चयन हुआ था और वे पिछले करीब चार माह से बिहार के राजगीर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। प्रशिक्षण के दौरान 22 अगस्त 2026 की सुबह फिजिकल एक्टिविटी के समय अचानक बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। शहीद जवान का पार्थिव शरीर सोमवार सुबह करीब 4 बजे उनके पैतृक गांव कासियापुर पहुंचा। पार्थिव शरीर के गांव पहुंचते ही परिजनों, ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी एवं विधायक विपुल दुबे ने परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि देश की सेवा के लिए समर्पित युवा बृजेश मौर्य का असामयिक निधन अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। जिला प्रशासन इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ा है। शासन द्वारा परिवार को अनुमन्य सभी सहायता एवं सुविधाएं नियमानुसार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवार को शासन स्तर से मिलने वाली सभी अनुमन्य सुविधाओं एवं सहायता के संबंध में आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाए, ताकि परिजनों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने भी परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि देश सेवा के लिए समर्पित बृजेश मौर्य का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया तथा अंतिम विदाई के दौरान सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बृजेश मौर्य ने देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका असामयिक निधन पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में वह उनके साथ हैं और परिवार की हरसंभव मदद के लिए तत्पर रहेंगे। परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा अंतिम विदाई की तैयारियों के बीच सुबह करीब 9 बजे पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए रामघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल ले जाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि तथा पुलिस-प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अंतिम विदाई के दौरान वातावरण गमगीन रहा। ग्रामीणों ने नम आंखों से देश की सेवा के लिए समर्पित वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं जनप्रतिनिधियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

युवा ही करेगा देश का प्रतिनिधित्व- रामाशीष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर, नगर के लालडिग्गी पार्क स्थित साईं मण्डपम में युवा भारत उत्तर प्रदेश पूर्व की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय बैठक में, हरिद्वार से पधारे योग गुरु स्वामी रामदेव के परम शिष्य केंद्रीय प्रभारी रामाशीष ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी के साथ-साथ राज्यकार्यकारिणी टीम व मीरजापुर के समस्त पदाधिकारियों सहयोगियों द्वारा उन्हें माता विंध्यवासिनी की प्रतिमा एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया।

कार्यक्रम का शुरुआत केंद्रीय प्रभारी रामाशीष ने पावन ओमकार मंत्र के एवं गायत्री मंत्र के साथ कराते हुए, युवाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि, युवा भारतः युवाओ को निर्णय और नए नेतृत्व का क्षमता व अवसर प्रदान करता है, उन्होंने कहा की आज देश में लाखों युवाओं का जीवन बिखरा हुआ है, हमारे देश का युवा नशे का व्यसन का और

दुर्व्यसन का शिकार हो रहा है, जिसके कारण युवाओं का भविष्य अंधकार में पड़ा हुआ है, इन युवाओं को योग प्राणायाम एवं आयुर्वेद से जोड़कर उनके जीवन का शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास बहुत जरूरी है, क्योंकि भारत में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की है, और जब युवा अपने जीवन में प्रतिदिन योग संतुलित आहार एवं आयुर्वेद को अपने दिनचर्या का हिस्सा बना लेगा तो उसका जीवन पूर्ण रूप से स्वस्थ व निरोग होगा, और यह भारत लिए जरूरी है क्योंकि युवा ही भारत का भाग्य विधाता हैं।

इस अवसर पर राज्य प्रभारी योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने कहा कि बैठक का प्रमुख उद्देश्य संगठन के कार्यों की समीक्षा, आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श तथा प्रत्येक जिले में संगठन को और अधिक सक्रिय , मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए पदाधिकारी के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों की समीक्षा दृष्टिकोण से संगठन में निरंतरता के साथ नए युवाओं को आगे आने और नेतृत्व का अवसर देकर , योग और आयुर्वेद के माध्यम से लोगों की दिनचर्या रात्रिचार्य एवं ऋतुचार्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी सेवाएं दे सकें , एवं स्वस्थ समाज की निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

अश्वनी कुमार पांडेय ने कहा कि प्रत्येक जिले तथा राज्य स्तर पर ऐसे ऊर्जावान, समर्पित और सेवाभावी युवाओं को जिम्मेदारी से बड़ा कार्य होगा जो योग सेवा संस्कार और राष्ट्र निर्माण के कार्य को नई गति दे सकें। इस अवसर पर योग गुरु योगी भोला नाथ अश्विनी पाण्डेय , जिला प्रभारी प्रवीण मौर्य , सुरेश यादव जी सोमेश्वरपति त्रिपाठी राकेश वर्मा अनिल कुमार मौर्या कोमल अग्रहरि , रवि कुमार मंगलम , अभिषेक शर्मा , कृष्णा कुमार रामधनी पॉल श्याम सोनी विपिन यादव आस्था मिश्रा क्षमा आकांक्षा आशु मनजीत आदि विभिन्न लोगों की उपस्थिति रही।

थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा अनुमानित कीमत 20 लाख के हेरोइन के साथ 01 शातिर तस्कर गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की निर्माण/तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दिनांकः 24.08.2026 थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर 01 हेरोईन तस्कर नीलेश यादव पुत्र छविनाथ यादव निवासी सरैया सिकन्दरपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो के कब्जे से 102 ग्राम अवैध हिरोइन बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-364/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा जा रहा है। घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल को 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से आज प्रयागराज में मिलेंगे - डॉ नीरज

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने जिला व नगर कांग्रेस के पदाधिकारीगण, पूर्व विधानसभा प्रत्याशीगण, एआईसीसी व पीसीसी सदस्य गण एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, समस्त फ्रंटल,विभाग/प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण व समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जनों को सूचित किया है कि आज मंगलवार 25 अगस्त को अपराह्न दो बजे से तीन बजे तक प्रयागराज सर्किट हाउस में नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी प्रतापगढ़ कांग्रेस के साथियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में वहां पहुंचने की अपील किया है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक आज होगी

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एसएस रावत ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक आज मंगलवार को अपरान्ह 4 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित होगी।

श्रावण के आखिरी सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

लालगंज, प्रतापगढ़। श्रावण माह के आखिरी सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में श्रद्धालुओं तथा कांवड़ियों का भारी सैलाब देखा गया। सुबह की आरती के बाद जैसे ही मंदिर का पट खुला पूरा परिसर हर हर महादेव तथा बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर के महंत मयंक भाल गिरि के संयोजन में प्रातः आरती को देखने में महिलाओं को खासा उत्साहित देखा गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देख एसडीएम वाचस्पति सिंह व सीओ राजीव द्विवेदी खुद सुरक्षा बंदोबस्त की निगरानी करते देखे गये। श्रद्धालुओं ने गंगा सरोवर में भी स्नान कर देवाधिदेव महादेव का विधिविधान से दर्शन पूजन किया। सई के मध्य विराजे बाबा घुइसरनाथ की भव्य प्रतिमा को भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में श्रद्धालु निहारते दिखे। सांगीपुर के साथ साथ लालगंज, लीलापुर समेत कई थानों की फोर्स व पीएसी भी धाम में एहतियातन मुस्तैद देखी गयी।

चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु जिलाधिकारी के समक्ष करना होगा आवेदन

लखनऊः प्रदेश के 17 जनपदों -वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या, आजमगढ, देवीपाटन-गोण्डा, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, झांसी, अलीगढ़, मथुरा, चित्रकूटधाम-बांदा तथा रायबरेली जनपदों को छोड़कर अन्य जनपदों में चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु लेटर ऑफ इन्टेन्ट निर्गत किये के लिए आवेदन मांगे गए थे। जिसमें आमंत्रण/लेटर ऑफ इन्टेन्ट निर्गत किये जाने की व्यवस्था थी। इसमें संशोधन करते हुए लेटर ऑफ इन्टेन्ट जारी करने को समाप्त कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए सचिव राज्य परिवहन प्राधिकरण ने बताया कि अब मानक के अनुसार स्थापित चालक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रत्यायन के प्रार्थना पत्र के अतिरिक्त केन्द्र की स्थापना हेतु कोई आवेदन राज्य परिवहन प्राधिकरण के समक्ष नहीं किया जाएगा। प्रत्यायन प्राप्त चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं रख-रखाव हेतु इच्छुक आवेदक अपना प्रस्ताव विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (क्च्त्), जो किसी नेशनल स्किल्ड कौंसिल से अनुमोदित होगा, के साथ सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा की गयी संस्तुति के उपरान्त ही फॉर्म-3बी में अंडरटेकिंग प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन राज्य परिवहन प्राधिकरण के समक्ष किया जा सकेगा।

सम्पर्क सूत्र- आशीष सिंह

विश्व ओपन ताइक्वांडो में सिद्धार्थनगर के चार खिलाड़ियों ने दिखाया दम

शोहरतगढ़ ताइवांडो एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया जिले का गौरव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ की मिट्टी से निकले दृढ़ संकल्पित खिलाड़ियों ने कोच बजरंगी राजपूत के मार्गदर्शन में विश्व मंच पर पहुंचकर इतिहास रच डाला। शोहरतगढ़ ताईक्वांडो एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक जीतकर शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। भारत देश के हैदराबाद में 21 अगस्त से 23 अगस्त को आयोजित हुये विश्व ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अमेरिका, रूस, जापान, चीन कोरिया, नेपाल, जर्मनी , फ्रांस आदि सहित 24 देश के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें जनपद सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ से खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह, अंकिता कनौजिया, प्रिंस व महक चौधरी ने ताइक्वांडो कोच बजरंगी राजपूत के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभा किया। सीमित संसाधनों के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रतिभावान खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण एक रजत पदक की जीत हासिल की। खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह स्वर्ण पदक , प्रिंस स्वर्ण पदक , महक चौधरी स्वर्ण पदक व अंकिता कन्नौजिया रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह का पहला मुकाबला जिम्बाब्वे व दूसरा मुकाबला कनाडा के खिलाड़ियों से हुआ जिसमें उन्होंने जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पाया। इसी तरह प्रिंस का पहला मुकाबला रूस व दूसरा मुकाबला मलेशिया से होने के बाद उन्हें स्वर्ण पदक मिला। खिलाड़ी महक चौधरी पहला मुकाबला दक्षिण कोरिया व दूसरा मुकाबला नेपाल से होने के बाद वे भी स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब हुये। बांग्लादेश से हुये मुकाबले में खिलाड़ी अंकिता कन्नौजिया ने रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। क्षेत्र के अहिरौला गांव निवासी खिलाड़ी प्रिंस के प्रशिक्षण अभ्यास की कहानी मार्मिक है। पिता लिवर कैंसर से पीड़ित हैं। फिर भी पिता ने विपरीत परिस्थितियों में भी बेटे के रुचि और प्रतिभा का अंदाजा लगाकर उसके हिम्मत को बढ़ाया। बेटा परिवार व देश के लिये कुछ करने की इच्छा लेकर आगे बढ़ रहा है। उनकी उपलब्धि से परिवार काफी खुश है। इसी तरह खिलाड़ी अंकित कनौजिया नगर पंचायत शोहरतगढ़ की रहने वाली है। पांच वर्षो से प्रशिक्षण लेने के बाद एक जगह मुंशी के रूप में कार्यरत पिता की आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक होने के बावजूद लगातार अभ्यासरत रही। सीमित आय के बावजूद पिता ने बेटी के खेल के रुचि को ध्यान में रखते हुए उसके सपने को पूरा करने में सहयोग दिया। शोहरतगढ़ की रहने वाली महक चौधरी भी दो वर्षो के कठिन परिश्रम के प्रशिक्षण के बाद विश्व मंच पर पहुंच कर नाम रोशन किया। पड़ोसी जनपद बलरामपुर के रहने वाले सौम्य प्रताप सिंह ने दोस्त खिलाड़ी प्रिंस के साथ लगातार अभ्यास रत व प्रशिक्षण लेते रहे। अपने प्रतिभा और रुचि से जिला प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाता कर गौरव हासिल किया। कुछ दिनों पहले आंध्र प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं उन्होंने जनपद टीम के साथ शामिल होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अब उन्हें विश्व चैंपियनशिप में भी पहुंचने का मौका तो स्वर्णपदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इन खिलाड़ियों के सफलता के पीछे शोहरतगढ़ ताईक्वांडो एकेडमी के कोच बजरंगी राजपूत का वर्षो का अथक प्रयास, बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन व एकेडमी अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह व सहयोगी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा है। खेल के प्रति जुनून ,समर्पण और बच्चों के सुनहरे भविष्य सपना लेकर वे कुछ बेहतर करने के लिये प्रयासरत हैं। शोहरतगढ़ के सरजमीं पर उभरते, निखरते ताइक्वांडो खिलाड़ियों की सफल से लोगों में खुशी हैं।

मिठाई और ढाबों पर खाद्य विभाग की छापेमारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने सोमवार को मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान चलाते हुए रेस्टोरेंट, ढाबों और मिष्ठान प्रतिष्ठानों में छापेमारी एवं निरीक्षण की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थो के छः नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सचल दल ने सबसे पहले रानीगंज स्थित तिवारी ढाबा का निरीक्षण किया। टीम ने यहां से पकी हुई दाल और सरसों के तेल के नमूने लिए। इसके बाद देव भोग स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। खाद्य टीम ने पावर हाउस रानीगंज स्थित मिठा महल से खोया का नमूना संग्रहित किया। पृथ्वीगंज स्थित मनीराम स्वीट्स से भी खोया का नमूना जांच के लिए लिया गया। इसके अलावा जिला अस्पताल चौराहा स्थित सागर जलपान गृह से खोया बर्फी और खोया के नमूने संग्रहित किए गए।छापेमार कार्रवाई में रोशन सिंह, संतोष कुमार दूबे, डॉ. यादव संजय कुमार नन्हकू, शहाब उद्दीन सिद्दीकी और डॉ. शमशुन नेहा सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

बिस्कोहर में सावन के अंतिम सोमवार को निकली कावड़ यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर में चतुर्थ सोमवार को पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर सुबह नगर पंचायत बिस्कोहर वार्ड नंबर 5 अटल नगर टोला दक्षिण डीह बिस्कोहर स्थित बाबा लिपटेश्वर नाथ मंदिर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता के नेतृत्व में नगर वासियों व क्षेत्र से अधिकांश लोग मौजूद होकर कांवड़ यात्रा का जत्था बना कर जल भरने के लिए परसोहन घाट पर गए। यहां कई वर्षो से सावन माह में जलाभिषेक प्रारम्भ हो गया। और इस वर्ष भी सावन माह के चतुर्थ सोमवार को पवित्र श्रावण मास में बाबा लिपटेश्वर नाथ महादेव मंदिर से नगर पंचायत बिस्कोहर व क्षेत्रवासियों ने कांवड़ यात्रा का जत्था कावड़ियों का जल भरने के लिए परसोहन घाट पर जा पहुंचे। परसोहन घाट से जल भर कर वापस बाबा लिपटेश्वर नाथ मंदिर पर जलाभिषेक लेकर पहुंचे लिपटेश्वर नाथ पर जलाभिषेक किए और हर- हर महादेव हर - हर महादेव का जयकारा लगाते हुए जलाभिषेक किया। इस दौरान नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय, उपनिरीक्षक गणेश कुमार, इंद्रजीत सिंह, आशीष मौर्य, कांस्टेबल रामनरेश पासवान, मनोज कुमार यादव, लाल बाबू पाठक, वृज लाल प्रजापति, उमानाथ प्रजापति, करन प्रजापति, सभासद प्रतिनिधि रवि सिंह,शेष राम पासवान, केशव पासवान पिंकू मोदनवाल, लालू , सचिन गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहे।

अजगरा महान संवाद में प्रतिभागियों ने नीति व नैतिकता पर किया मंथन

लालगंज, प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद 2026 को लेकर सोमवार को नगर पंचायत सभागार में नीति और नैतिकता तथा अजगरा के महत्व को लेकर दिन भर मंथन हुआ। प्रारम्भ में ईओ इंद्र प्रताप ने डीएम अभिषेक पाण्डेय की ओर से अजगरा महान संवाद की पृष्ठभूमि पर प्रतिभागियों को जानकारियां प्रदान की। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। एसबीएम महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 अम्बिकेश त्रिपाठी ने संवाद कार्यक्रम को नई पीढ़ी के लिए ऐतिहासिक ज्ञान वृद्धि का सार्थक ध्येय बताया। एचएन बहुगुणा पीजी कालेज के डॉ0 फणीन्द्र नारायण मिश्र ने आज के दौर में यक्ष प्रश्न की सार्थकता पर प्रकाश डाला। निर्णायक मण्डल के राकेश त्रिपाठी, रोशन सिंह, शालिनी बाला सिंह, कंचन सिंह व पूनम ने आयोजन को प्रतिभागियों में तर्क क्षमता की वृद्धि का मंच बताया। प्रतिभागी विपिन शुक्ल, प्रांजल, अनिल त्रिपाठी, जितेन्द्र तिवारी, रोहित मिश्र आदि ने प्रश्नोंत्तरी के जरिए संवाद को साझा किया। संवाद कार्यक्रम का संयोजन अनिकेत दुबे, अरविंद मिश्र, विकास तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

राष्ट्र गान की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष मांगे माफी- डॉ नीरज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। बीते दिनों उन्नाव में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के राष्ट्रगान के दौरान कार्यक्रम स्थल से कथित रूप चले जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने शान्ति पूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से कोतवाली नगर पहुंच कर नगर कोतवाल सुभाष यादव को लिखित तहरीर सौंपकर जल्द एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की।कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रगान देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। संवैधानिक पद पर विराजमान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को देश के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए द्य राष्ट्रगान का अपमान हम कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे।उन्होंने कहा कि हम किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना से कार्रवाई नहीं चाहते, बल्कि राष्ट्रगान की गरिमा और देश के संविधान में स्थापित राष्ट्रीय सम्मान की मर्यादा का पालन चाहते हैं। वीडियो में दिखाई दे रही घटना की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह प्रिंशु, नगर अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, जिला प्रवक्ता मासूम हैदर, सुरेश कुमार मिश्र,मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा, यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव मोहम्मद हुजैफ, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज, जिला सचिव बैजनाथ यादव, सदर ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद वसीम, कार्यालय सचिव रियाज सुल्तान, नगर सचिव अरबाज आलम, रवि प्रताप सिंह,नूर आलम सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

सावन के अंतिम सोमवार को जगह जगह हुआ रुद्राभिषेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। रुद्राभिषेक सनातन धर्म में भगवान शिव की आराधना का सबसे प्रभावी और कल्याणकारी अनुष्ठान है। जिसमें शिवलिंग पर मंत्रोच्चार के साथ पवित्र द्रव्यों की धारा अर्पित की जाती है। उसका बाजार कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में तमाम श्रद्धालुओं ने मंदिर में एवं अपने घर में रुद्राभिषेक किया। श्री पयोहारी आश्रम उसका राजा के पुजारी पंडित रमाकांत शुक्ला ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार, 'रुद्र' स्वयं भगवान शिव का उग्र रूप हैं और 'अभिषेक' का अर्थ है स्नान कराना, अर्थात रुद्राभिषेक का सीधा अर्थ है भगवान रुद्र का पावन अभिषेक करना। यह अनुष्ठान मुख्य रूप से ऋग्वेद और यजुर्वेद के श्री रुद्रम मंत्रों के पाठ के साथ संपन्न किया जाता है। वैदिक नियमों के अनुसार, अनुष्ठान को निर्विघ्न पूरा करने के लिए सबसे पहले भगवान गणेश और माता गौरी का पूजन होता है। यजमान अपने नाम, गोत्र और विशिष्ट मनोकामना का उच्चारण कर हाथ में जल लेकर संकल्प करता है।सुख-समृद्धि और ग्रहों की शांति के लिए पवित्र कलश की स्थापना कर नौ ग्रहों का आह्वान किया जाता है।शिवलिंग पर निरंतर शिव मंत्रों जैसे महामृत्युंजय मंत्र या '? नमः शिवाय के साथ विभिन्न द्रव्यों की धार चढ़ाई जाती है। कस्बा में नगर पंचायत की चेयरमैन मंजू जायसवाल पत्नी हेमंत कुमार जायसवाल ने भी अपने घर परिवार में रुद्राभिषेक किया।

बस्ती में पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल, कार्रवाई न होने के आरोपों से बढ़ी नाराजगी

बस्ती। बस्ती जिले में पुलिस की कार्यशैली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आम लोगों का आरोप है कि कई मामलों में थानों पर शिकायत के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। वहीं आईजीआरएस पर शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिसकर्मियों द्वारा कार्रवाई के बदले रुपये लेने जैसे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लालगंज थाना क्षेत्र में मारपीट के दौरान मनीष पांडेय की मौत के बाद मामला और गरमा गया है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीण शव लेकर पुलिस चौकी के सामने पहुंच गए और धरना देकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई शिकायतों में मौके पर प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय आईजीआरएस पर रिपोर्ट लगाकर मामलों का निस्तारण कर दिया जाता है। उनका कहना है कि विवादों का समय रहते समाधान नहीं होने के कारण बाद में मारपीट और गंभीर घटनाएं सामने आती हैं।

रामपुरखास में हुआ प्रमोद व मोना का भव्य स्वागत, उमड़े ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना सोमवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रमों में शामिल हुए। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना ने कार्यक्रमों में लोगों को रामपुरखास के सर्वश्रेष्ठ विकास को तेजी से जारी रखने का भरोसा दिलाया। वहीं कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ जगह जगह बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों द्वारा सोमवार को भी सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना का क्षेत्र पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ दिखा। स्वागत का सिलसिला जलेशरगंज बाजार, असरही मोड़, केशवपुर तिराहा, जैनपुर मोड़, शीतलमऊ मोड़ व नगर के बैलना बाबा की कुटी पर भी उत्साह के बीच नजर आया।लालगंज कैम्प कार्यालय पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए।उन्होने हाल ही में विधायक मोना द्वारा मंगापुर में खेल स्टेडियम तथा रामपुर बावली में करोड़ों के कंपोजिट विद्यालय व बाबा घुइसरनाथ धाम में स्वीकृत करायी गयी स्थायी पुलिस चौकी को क्षेत्र के विकास तथा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि जनता के मान सम्मान की हिफाजत के साथ क्षेत्र के बहुमुखी विकास का मिशन और उज्ज्वल दिखेगा। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, केडी मिश्र, गीता सिंह, भुवनेश्वर शुक्ल, आशीष मोदनवाल, आशीष उपाध्याय, गौरव केसरवानी, आफत सिंह, आदर्श सिंह, विकास मिश्र, विशालमूर्ति मिश्र, छोटू पाण्डेय, लल्लन मिश्र, अनिल पाण्डेय, दारा सिंह, संजय सिंह, पन्नेलाल पाल, अनुराग पाण्डेय, देवी प्रसाद मिश्र आदि रहे।

काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के बीच मुकाबले से यूपी टी-20 लीग का आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सोमवार को उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा आयोजित यूपी टी-20 लीग के अंतर्गत काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के बीच रोमांचक मुकाबले का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने टॉस कराया और घंटी बजाकर मैच का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य संजीव कुमार सिंह सहित दोनों टीमों के कप्तान काशी रुद्रास के करण शर्मा और लखनऊ फाल्कन्स के भुवनेश्वर कुमार मौजूद रहे।

युवाओं को मिल रहा आगे बढ़ने का अवसर

इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यूपी टी-20 लीग उत्तर प्रदेश की क्रिकेट प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने तथा उनसे सीखने का अवसर मिलता है। इससे उनके खेल कौशल के साथ आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

खेल सुविधाओं पर सरकार का जोर

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास के लिए बेहतर खेल सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। यूपी टी-20 लीग जैसे आयोजन उत्तर प्रदेश में क्रिकेट सहित अन्य खेलों की मजबूत संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराने की है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करता है। मंत्री ने काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के सभी खिलाड़ियों को मुकाबले के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मेल

यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा कि लीग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। इससे प्रदेश के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से उत्तर प्रदेश के क्रिकेट को नई पहचान मिलने के साथ युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

भाषिणी (ठींपदप) ने रियल-टाइम अनुवाद से यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में दूर की भाषा की बाधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को सुगम बनाने और वैश्विक दिग्गजों के साथ संवाद को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने भारत सरकार के ।प्-संचालित बहुभाषी प्लेटफॉर्म 'भाषिणी' (ठींपदप) के साथ विशेष सहयोग किया है। हाल ही में आयोजित 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन-2026' में इस साझेदारी का सफल क्रियान्वयन देखने को मिला, जहां भाषिणी की रियल-टाइम अनुवाद तकनीक ने भारतीय और जापानी प्रतिनिधियों के बीच भाषा की बाधा को पूरी तरह खत्म कर दिया।

रियल-टाइम स्पीच-टू-टेक्स्ट ने जोड़े भारतीय और जापानी हितधारक

सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब हिंदी में सभा को संबोधित किया, तब 'भाषिणी' के 'श्रुतलेख' ;ैतनजसमीद्ध फीचर के माध्यम से उनके भाषण का रियल-टाइम जापानी भाषा में सटीक अनुवाद और ट्रांसक्रिप्शन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अंग्रेजी संबोधन का भी जापानी भाषा में त्वरित अनुवाद किया गया। प्लेटफॉर्म ने हिंदी, अंग्रेजी और जापानी के बीच द्विपक्षीय संवाद को सहज बनाया, जिससे दोनों देशों के प्रतिनिधि अपनी-अपनी भाषाओं में प्रभावी ढंग से चर्चा कर सके। इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में 'श्रुतलेख' तकनीक रही, जिसने रियल-टाइम स्पीच-टू-टेक्स्ट की सुविधा प्रदान कर इस बहुभाषी संवाद को सफल बनाया।

भाषिणी ने वैश्विक निवेश संवाद में की भूमिका को विस्तार दिया

इस तैनाती ने दिखाया कि बहुभाषी ।प् पारंपरिक अनुवाद से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कैसे आसान बना सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ;डमपजल्द्ध के डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन ;क्प्ठक्द्ध द्वारा संचालित 'भाषिणी' प्लेटफॉर्म ने यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में पारंपरिक अनुवाद से आगे बढ़कर बहुभाषी संवाद को सुगम बनाया। इसने विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, नवाचार, कौशल विकास और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा के दौरान भाषाई बाधाओं को समाप्त किया। वर्तमान में 800 से अधिक सरकारी वेबसाइटों को सशक्त बना रहा भाषिणी प्रतिदिन 2.4 करोड़ से अधिक और अब तक 9 अरब से अधिक ।प् इन्फरेंस प्रोसेस कर चुका है। यह 36 भारतीय लिखित, 23 भारतीय वॉयस और 35 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं को सपोर्ट कर वैश्विक निवेश और डिजिटल सेवाओं में भाषा ।प् की भूमिका को नए आयाम दे रहा है। 'इन्वेस्ट यूपी' ने भारत-जापान निवेश संवाद को अधिक कनेक्टेड और समावेशी बनाने के लिए भाषिणी के इस तकनीकी सहयोग की सराहना की है।

सम्पर्क सूत्र- सरिता वर्मा

खाद दुकानदार को क्लीनचिट देने पर घिरे एसएओ, जांच प्रक्रिया पर उठे सवाल

कृषि विभाग की कार्रवाई और जांच प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। खाद, बीज एवं कीटनाशक दुकानों की जांच और कार्रवाई को लेकर कृषि विभाग की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर परिषद क्षेत्र स्थित पूजा ट्रेडर्स नामक खाद दुकान से जुड़ी कथित अनियमितताओं की दोबारा जांच के बाद अनुमंडल कृषि पदाधिकारी की ओर से दुकानदार को राहत दिए जाने को लेकर विभागीय प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पूर्व में प्रखंड कृषि पदाधिकारी की रिपोर्ट में उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को बाद की जांच में पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। हालांकि, किसी अधिकारी या दुकानदार के बीच आर्थिक लेन-देन अथवा रिश्वत के आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की जा रही है।

2025 के हरिहरपट्टी मामले में भी उठे थे सवाल

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, 3 मई 2025 को जिला पदाधिकारी के निर्देश पर हरिहरपट्टी गांव में अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल कृषि पदाधिकारी की संयुक्त टीम ने कथित गैरलाइसेंसी खाद दुकान पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में खाद का स्टॉक मिलने तथा दुकान के लाइसेंस को लेकर सवाल उठे थे। इसके बावजूद तत्काल दुकान को सील नहीं किए जाने को लेकर उस समय भी सवाल खड़े हुए थे। आरोप लगाया गया था कि कार्रवाई में देरी के दौरान दुकानदार ने खाद और कीटनाशक का स्टॉक हटा लिया। ऐसे में स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि दुकान के संचालन को लेकर गंभीर अनियमितता सामने आई थी तो नियमानुसार तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

जदिया में जांच के बाद कार्रवाई का इंतजार

बीते रविवार को अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जदिया बाजार की कई खाद दुकानों की जांच किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि जांच के बाद अब तक किसी दुकानदार के खिलाफ स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे विभागीय कार्रवाई की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

लाइसेंस और स्टॉक की जांच की मांग

क्षेत्र में कई खाद एवं कीटनाशक दुकानों के लाइसेंस, भौतिक स्टॉक और बिक्री अभिलेखों को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने पूरे अनुमंडल क्षेत्र में व्यापक जांच अभियान चलाने की मांग की है। इसके तहत दुकानों के लाइसेंस, पीओएस मशीन के अभिलेख, भौतिक स्टॉक और बिक्री रजिस्टर की जांच किए जाने की जरूरत बताई जा रही है।

विभाग से पूछे जा रहे कई सवाल

पूजा ट्रेडर्स मामले को लेकर सवाल उठ रहा है कि दोबारा जांच में किन तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर दुकानदार को राहत दी गई। क्या पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी? वर्ष 2025 में हरिहरपट्टी में हुई कथित छापेमारी के बाद तत्काल सीलिंग की कार्रवाई क्यों नहीं की गई? वहीं, जदिया बाजार में हालिया जांच के दौरान किन दुकानों में क्या अनियमितताएं मिलीं और उनके खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई? इसके अलावा अनुमंडल क्षेत्र में बिना लाइसेंस खाद और कीटनाशक कारोबार की शिकायतों पर अब तक कितनी दुकानों की जांच हुई और कितनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, यह भी स्पष्ट किए जाने की मांग उठ रही है।

स्वतंत्र जांच से साफ होगी तस्वीर

कृषि विभाग की कार्रवाई को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच जिला स्तर के वरीय अधिकारियों से पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जा रही है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि पूजा ट्रेडर्स मामले में विभागीय नियमों का पालन हुआ है या जांच प्रक्रिया में कहीं लापरवाही हुई। यदि दुकानदार को राहत देने के ठोस आधार और दस्तावेज मौजूद हैं तो उन्हें सार्वजनिक किए जाने से किसानों और आम लोगों के बीच उठ रहे सवालों का जवाब मिल सकता है।

एसएओ ने दी सफाई

इस संबंध में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार ने कहा, 'पूजा ट्रेड्स की दोबारा जांच मेरे द्वारा कृषि पदाधिकारी के आदेश पर की गई थी। दुकान को लाइसेंस में चिन्हित स्थल पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मुझे मुख्य रूप से इसी बिंदु पर जांच करने का निर्देश दिया गया था। '

सावन की अंतिम सोमवारी पर काँवड़ियों ने महादेव को अर्पित किया गंगाजल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- सावन महीने की अंतिम सोमवारी के अवसर पर सोमवार, 24 अगस्त को पाकुड़िया प्रखंड क्षेत्र शिवमय रहा। प्रखंड मुख्यालय सहित मोंगलाबांध और विभिन्न ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर गंगाजल अर्पित किया और सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। वहीं, वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 250 कांवर यात्री 21 अगस्त की संध्या बस से पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज के लिए रवाना हुए। पाकुड़िया से करीब 65 किलोमीटर दूर रघुनाथगंज पहुंचने के बाद 22 अगस्त की सुबह कांवरियों ने गंगा स्नान किया और गंगाजल लेकर अपनी कांवर यात्रा शुरू की। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु भी शामिल थीं। रघुनाथगंज से प्रस्थान के बाद कांवरियों की टोली 22 अगस्त की संध्या गड़बाड़ी विद्यालय पहुंची, जहां श्रद्धालुओं द्वारा शुद्ध एवं सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई। भोजन के बाद सभी कांवरियों ने रात्रि विश्राम किया। 23 अगस्त की सुबह बांसलोई नदी में स्नान के पश्चात कांवरियों ने महेशपुर स्थित शिव मंदिर में भगवान आशुतोष एवं माता पार्वती का जलाभिषेक किया। इसके बाद भोजन एवं विश्राम के उपरांत कांवरिये नंगे पांव कांवर लेकर पाकुड़िया की ओर रवाना हुए। 23 अगस्त की संध्या सभी कांवरिये पाकुड़िया स्थित राम-सीता मंदिर परिसर में बनाए गए पंडाल पहुंचे। यहां कांवर समिति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कांवरियों के पांव धोकर उनकी सेवा की और यात्रा की थकान दूर करने में सहयोग किया। रात्रि में भोजन के बाद कांवरियों ने विश्राम किया। सोमवार, 24 अगस्त की सुबह नदी में स्नान करने के बाद कांवरिये प्रखंड परिसर स्थित शिव मंदिर पहुंचे। यहां देवों के देव महादेव एवं माता पार्वती को अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव से गंगाजल अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही कांवर यात्रा का विधिवत समापन हुआ। कांवर यात्रा के दौरान मार्ग में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम एवं भोजन की व्यवस्था की गई। सालगापाड़ा में स्वर्गीय गौरी भगत के बाद उनके पुत्र सेंटू भगत एवं मिलन भगत द्वारा वर्षों से कांवरियों के लिए शुद्ध भोजन की व्यवस्था की जा रही है। इसी प्रकार पाकुड़िया के पंडाल में भी भक्तों द्वारा कांवरियों के भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। कांवर यात्रा के दौरान पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के तत्वावधान में एएसआई एवं पुलिस बल की ओर से भी सराहनीय सहयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। पुलिस की मौजूदगी से कांवरियों की यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अंतिम सोमवारी पर पूरे प्रखंड क्षेत्र में भगवान शिव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने महादेव एवं महादेवी का जलाभिषेक कर परिवार और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

नारायणपुर में दावा आपत्ति का हुआ निपटारा

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- सोमवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में बीडीओ कमलेश कुमार दास की अध्यक्षता में आइएसआर के दावा आपत्ति की सुनवाई हुई। आवश्यक दस्तावेज के साथ लोगों ने एसआइआर के तहत विसंगतियों को दूर करने के लिए आवेदन किया। मौके पर बीडीओ कमलेश कुमार दास ने लोगों को आवश्यक जानकारी दी और बताया कि विसंगतियों को दूर करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों, पेंशन भोगियों को जारी पहचान पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट या स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, प्रशासनिक नियमों के तहत अधिकारियों द्वारा जारी परिवार रजिस्टर, एक जुलाई 1987 से पूर्व सरकार, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर द्वारा जारी दस्तावेज, वन अधिकार प्रणाम पत्र, ओसीआई,एससी, एसटी प्रमाण पत्र, भारत सरकार द्वारा जारी भूमी या आवास आवंटन प्रमाण पत्र, सक्षम पदाधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां लागू हो), आधार कार्ड (भारत निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या 23 /2025 दिनांक 9/92025 के अनुसार) आदि प्रमाण पत्र में एक देना होगा। इस अवसर पर अजय दास, सुबोध कुमार आदि उपस्थित थे।

बिहार में गाड़ी मालिकों को राहत, परमिट के लिए अब एफिडेविट की जरूरत नहीं

पटना। परिवहन विभाग ने गाड़ियों की परमिट से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए वाहन मालिकों से शपथ-पत्र लेने की अनिवार्यता खत्म कर दी है। विभाग ने इसके बदले स्व-अभिप्रमाणित अभिलेखीय साक्ष्य जमा करने की व्यवस्था करने का आदेश दिया है। इससे वाहन मालिकों को परमिट संबंधी काम कराने में सहूलियत होगी। दरअसल, राज्य परिवहन प्राधिकार की नौ फरवरी 2021 की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत परमिट से संबंधित कार्यों के लिए वाहन मालिकों से निर्धारित प्रारूप में शपथ-पत्र लिया जाता था। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारों से भी ऐसी व्यवस्था थी। उद्योग मंत्रालय के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत नागरिकों को सरल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कागजात को सरल या शिथिल करने की सलाह दी गई थी। इसी के तहत यह कार्रवाई की गई है। परिवहन विभाग ने आदेश में कहा कि परमिट के विभिन्न कार्यों के लिए शपथ-पत्र की अनिवार्यता हटाकर कागजात का सत्यापन वाहन-4.0 पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है।

मुजफ्फरपुर में जलबोझी के दौरान नदी में डूबे दो युवक

मुशहरी (मुजफ्फरपुर)। जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र स्थित आथर घाट पर सोमवार की सुबह जलबोझी के दौरान नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों अंतिम सावन की सोमवारी पर जलबोझी के लिए आथर घाट से पवित्र गंगाजल लेने पहुंचे थे। ग्रामीणों के अनुसार, जलबोझी के दौरान एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख वहां मौजूद दूसरा युवक बचाने के लिए नदी में आगे बढ़ा, लेकिन तेज धारा में दोनों बह गए। देखते ही देखते दोनों काफी दूर निकल गए। घटना की सूचना मिलने पर मुशहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों, मछुआरों व गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू कराई। तलाश अभियान के दौरान एक युवक को अधमरी हालत में नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस उसे मुशहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की सांस चलती देख पुलिस उसे एसकेएमसीएच लेकर गई, लेकिन वहां डॉक्टरों ने भी उसकी मौत की पुष्टि कर दी।

अरुण जेटली की सातवीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखण्डः- पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली की सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। अरुण जेटली का निधन 24 अगस्त 2019 को नई दिल्ली स्थित एम्स में हुआ था। उनका जन्म 28 दिसंबर 1952 को हुआ था। इस अवसर पर जेटली को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि अरुण जेटली देश के कुशल राजनेता, विधिवेत्ता और प्रभावशाली केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री के रूप में देश की आर्थिक नीतियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यकाल में वस्तु एवं सेवा कर (त्रस्ञ्) लागू किया गया, जिसे देश के कर सुधारों में महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, धनबाद सांसद ढुलू महतो, विधायक मनोज कुमार यादव, नीरा यादव, अमित यादव, प्रदीप प्रसाद, रोशन लाल चौधरी, तिवारी महतो, किशुन दास एवं जनार्दन पासवान सहित भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, पूर्व मुखिया पूर्णिमा देवी, भाजपा नेता के.पी. ओझा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, किशोरी मोहन पांडेय, अरुण पांडेय, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक कृष्णदेव पांडेय, राधाकांत पांडेय, रामकिशुन पांडेय, सुभाष पांडेय सहित कई लोगों ने अरुण जेटली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को स्मरण किया।

बारिश की बूंदों पर भारी पड़ी भक्ति, अंतिम सोमवारी पर शिवभक्तों की सेवा में डटा हजारीबाग यूथ विंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- सावन की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग की ओर से बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में शिवभक्तों के बीच दूध, बेलपत्र एवं पूजन सामग्री का वितरण किया गया। रिमझिम बारिश के बावजूद संस्था के सदस्य सुबह से ही श्रद्धालुओं की सेवा में पूरी तत्परता के साथ जुटे रहे। संस्था द्वारा पिछले पांच वर्षों से सावन की प्रत्येक सोमवारी पर लगातार सेवा कार्य किया जा रहा है। सोमवार की सुबह करीब सात बजे शुरू हुआ सेवा अभियान पूर्वाह्न 11:25 बजे तक जारी रहा। इस दौरान बारिश के बीच बड़ी संख्या में शिवभक्त बाबा भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। बारिश की परवाह किए बिना हजारीबाग यूथ विंग के सदस्य छाता और रेनकोट लेकर सेवा कार्य में डटे रहे। श्रद्धालुओं में भी सेवा अभियान को लेकर उत्साह देखने को मिला। आस्था के आगे बारिश भी फीकी पड़ती नजर आई और शिवभक्तों का उत्साह पूरे समय बना रहा। सेवा कार्य की सराहना करते हुए एक शिवभक्त ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि बारिश के बावजूद हजारीबाग यूथ विंग के सदस्य जिस समर्पण के साथ सुबह से श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं, वह सराहनीय है। यह केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि बाबा भोलेनाथ के भक्तों के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण का परिचायक है। ऐसे प्रयासों से समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि सावन की सोमवारी भगवान शिव के प्रति आस्था और सेवा का पर्व है। संस्था पिछले पांच वर्षों से प्रत्येक सोमवारी को शिवभक्तों की सेवा करती आ रही है। उन्होंने कहा, 'शिवभक्तों की सेवा ही हमारा संकल्प और सबसे बड़ा सौभाग्य है। यह सेवा परंपरा आगे भी अनवरत जारी रहेगी। ' संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा, 'बाबा भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना हमारा सौभाग्य है। आस्था के आगे बारिश भी फीकी पड़ गई।' उन्होंने कहा कि बारिश के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। इसी आस्था से प्रेरित होकर संस्था के सदस्य भी पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य में जुटे रहे। श्रद्धालुओं के बीच दूध, बेलपत्र और पूजन सामग्री का वितरण कर उनकी सेवा करना संस्था के लिए सौभाग्य की बात है। सेवा अभियान में उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडेय, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल, संजय कुमार, विकास केशरी, कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण सिंह, वर्षा डे, कैलाश कुमार, सनी देव, रंजन चौधरी, विवेक तिवारी एवं अनुराग तिवारी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

प्रवासी मजदूर रामेश्वर दास की वतन वापसी को मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही/गिरिडीह, झारखंडः- गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड अंतर्गत अटका निवासी प्रवासी मजदूर रामेश्वर दास की सुरक्षित वतन वापसी को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए रांची माइग्रेंट सेल को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। बताया जाता है कि रामेश्वर दास करीब चार माह पूर्व रोजी-रोटी की तलाश में दुबई गए थे। वहां जाने के बाद से ही वे परेशान चल रहे थे। पिछले पांच दिनों से परिजनों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था, जिससे परिवार के लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। परिजनों ने रामेश्वर दास की सुरक्षित वापसी के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं झारखंड सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (एक्स) के माध्यम से मामले को मुख्यमंत्री एवं झारखंड सरकार तक पहुंचाते हुए प्रवासी मजदूर की सुरक्षित वतन वापसी के लिए हस्तक्षेप की मांग की। मामले पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए रांची माइग्रेंट सेल को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद माइग्रेंट सेल ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे रामेश्वर दास के परिजनों में उनकी सुरक्षित वतन वापसी को लेकर उम्मीद जगी है। सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को लेकर सरकार की त्वरित पहल सराहनीय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही रामेश्वर दास की सुरक्षित वतन वापसी सुनिश्चित होगी।

नेत्र जांच से संबंधित प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोमवार को टेन प्लस टू विद्यालय नारायणपुर के प्रसाल भवन में शिक्षकों को आंख से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर नेत्र सहायक जितेंद्र कुमार वर्मा और निरंजन केसरी ने आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर रंजीत कुमार सिंह, राजकुमार मंडल, पशुपति दूरी, शेख अकबर, काशीनाथ पंडित, संतोष कुमार संजीव कुमार आदि शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि सरकार अब बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनकी आंखों की भी देखभाल करेगी। आंख में किसी प्रकार के परेशानी होने पर समय रहते उपचार होगा। इसके लिए विद्यालय के शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाया जा रहा है, ताकि वे बच्चों के नेत्र संबंधी बीमारियों को समय रहते पर रख सके और उपचार की व्यवस्था हो सके। पढ़ाई लिखाई में आंख का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। सभी लोग इसे जानते हैं। सरकार के इस नेक पहल को सभी को मिलकर सफल बनाना है।

अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- श्रावण मास की चौथी और अंतिम सोमवारी के अवसर पर सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, चंदन एवं पुष्प अर्पित किए और सुख-शांति तथा मनोवांछित फल की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजते रहे। इस अवसर पर शिवभक्त एवं बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने बताया कि वे विगत 36 वर्षों से लगातार पैदल कांवड़ लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाते हैं और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते आ रहे हैं। मुकुंद साव ने श्रद्धालुओं को सावन सोमवारी की पूजा-विधि बताते हुए कहा कि प्रातः स्नान कर शिवालय में भगवान शिव का जल, गंगाजल एवं दूध से अभिषेक करना चाहिए। इसके बाद बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन और सफेद पुष्प अर्पित कर '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के बाद सावन सोमवार की व्रत कथा सुनने या पढ़ने की भी परंपरा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और स्वास्थ्य के अनुसार व्रत रख सकते हैं। व्रत के दौरान फल, दूध, साबूदाना एवं सेंधा नमक जैसे सात्त्विक आहार का सेवन किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन सोमवार के दिन अनाज, साधारण नमक तथा तामसिक भोजन से परहेज करने की बात भी कही। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव एवं ग्राम पंचायत झापा की पूर्व मुखिया पूर्णिमा देवी ने क्षेत्रवासियों और समस्त शिवभक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

झारखंड स्टेट गतका चैंपियनशिप में श्रीदस के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 6 पदक जीते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- धनबाद स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित चौथे झारखंड स्टेट गटका चैंपियनशिप में श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 3 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में श्रीदस के कुमार आयु और स्वाति कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं इसी वर्ग में आतिश और साहिल कुमार ने कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अलावा अंडर-11 वर्ग में अंकुश कुमार यादव ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में नेहा टोप्पो ने कांस्य पदक हासिल किया।

नेहा टोप्पो का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली श्रीदस की छात्रा नेहा टोप्पो का चयन एसजीएफआई के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के लिए किया गया है। पूरे हजारीबाग जिले से कुल 9 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल की नेहा टोप्पो भी शामिल हैं। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के बाद चयनित खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। नेहा का चयन विद्यालय के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करने का माध्यम भी है। हमारे बच्चों ने अपनी मेहनत से यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास के साथ वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। नेहा टोप्पो के चयन पर हमें विशेष खुशी है और हम सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों की इस सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने खुशी जताते हुए सभी पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। खिलाड़ियों की यह उपलब्धि विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को मिल रहे प्रोत्साहन और प्रशिक्षणका भी प्रमाण है।

ईद-मिलाद-उन-नबी को लेकर बरही थाना में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही थाना परिसर में सोमवार को ईद-मिलाद-उन-नबी को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता व संचालन पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने किया। बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों एवं शांति समिति के सदस्यों से त्योहार के आयोजन को लेकर जानकारी ली गई। बैठक में बताया गया कि ईद-मिलाद-उन-नबी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। इस दौरान विभिन्न गांवों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित लोगों ने त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाने की बात कही। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने कहा कि त्योहार के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने पुलिस-प्रशासन को सहयोग करने तथा ईद-मिलाद-उन-नबी का त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का भरोसा दिलाया। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, पंसस प्रतिनिधि मो सगीर, सामाजिक कार्यकर्ता सह मुखिया प्रत्याशी मो तस्लीम, मो तौकीर रजा, रिजवान अली, मो सेराज आदि लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सावन के आखिरी सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में सुबह से हुई तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में जलभराव और पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ, जबकि प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लगने से लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा असर गुरुग्राम में देखने को मिला, जहां कई सड़कें जलमग्न हो गईं और कुछ स्थानों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। हालात को देखते हुए गुरुग्राम जिला प्रशासन ने 25 अगस्त 2026 को सभी कॉरपोरेट कार्यालयों और संस्थानों में कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है। सरकारी और निजी स्कूलों तथा संस्थानों से भी कर्मचारियों को घर से काम कराने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों में नागरिक एजेंसियों को राहत एवं जल निकासी कार्य करने में सुविधा देना है।

सोहना रोड पर चार किलोमीटर लंबा जाम

भारी बारिश के कारण सोहना रोड पर व्यापक जलभराव हुआ। इस्लामपुर गांव के पास करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। कई वाहन पानी में फंस गए, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। जलभराव के बीच कई स्कूल बसें भी फंस गईं। बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। जीएमडीए और नगर निगम की ओर से बारिश से पहले नालों की सफाई और जल निकासी के इंतजाम किए जाने के बावजूद कई इलाकों में पानी जमा हो गया।

राजीव चौक पर बस और एंबुलेंस फंसी

राजीव चौक पर गुरुग्राम-सोहना हाईवे की सर्विस रोड पर भारी जलभराव के कारण सड़क तालाब में तब्दील हो गई। यहां एक बस और एंबुलेंस भी पानी में फंस गई, जिसके चलते वाहनों की लंबी कतार लग गई। सुभाष चौक से सदर थाने की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर करीब तीन फीट तक पानी जमा हो गया। अतुल कटारिया चौक के पास शीतला माता रोड पर एक स्कूल बस पानी में फंस गई। स्थानीय लोगों ने बस में सवार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। समाजसेवी नवीन गोयल, अमरीक राठी और गजेंद्र गुप्ता ने सेक्टर-12 चौक पर यातायात व्यवस्था संभालने में मदद की। इसके बाद उन्होंने शीतला माता रोड पर पहुंचकर जलभराव में फंसे लोगों की सहायता की।

गोल्फ कोर्स रोड भी जलमग्न

गोल्फ कोर्स रोड पर भी जल निकासी व्यवस्था प्रभावित रही। कई स्थानों पर दो से तीन फीट तक पानी जमा होने के कारण आसपास की सोसाइटियों से बाहर निकलने वाले लोगों को परेशानी हुई। रैपिड मेट्रो स्टेशन के नीचे भी जलभराव रहा। इसके अलावा सोहना हाईवे के कुछ हिस्सों में पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में यातायात की रफ्तार थम गई और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लगा।

बेकाबू वाहन ने दंपती को रौंदा, 71 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने गंवाई जान

राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 71 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसके पति घायल हो गए। यह घटना 23 अगस्त को हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है, और आगे की जांच जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त को पीसीआर कॉल के माध्यम से ग्रेटर कैलाश-1 पुलिस स्टेशन को एक सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। जांच में पता चला कि एक वाहन चालक ने पहले कई अन्य वाहनों को टक्कर मारी और उसके बाद एक पैदल चलने वाले जोड़े को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में घायल हुए दंपति को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 71 वर्षीय महिला शशि को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, उनके 65 वर्षीय पति कुलभूषण घायल हो गए। इस गंभीर घटना के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

खाना पसंद नहीं आया, नाबालिगों ने ढाबा कर्मचारी पर चाकू से किया हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। वेलकम इलाके में ढाबे का खाना स्वादिष्ट न लगने पर दो नाबालिगों ने एक कर्मचारी पर चाकू से वार दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए थे। घायल हालत में एहसान का आरएमएल अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज कर दोनों आरोपित नाबालिगों को पकड़ लिया है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि 21 अगस्त की रात नौ बजे वेलकम थाना पुलिस को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से सूचना मिली कि एक युवक को घायल हालत में भर्ती करवाया गया है। युवक पर चाकू से वार किए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस वेलकम स्थित ढाबे पर पहुंची, जहां ढाबा संचालक सिराज मिला।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से की आरोपितों की पहचान

उसने पुलिस को बताया कि रात में दो लोग ढाबे पर खाना खाने आए थे। उन्हें खाना स्वादिष्ट नहीं लगा तो उन्होंने कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों की पहचान की और उन्हें वेलकम से पकड़ लिया। दोनों की उम्र 14 से 15 साल है। लोगों को डराने धमकाने के लिए वह अपने पास चाकू रखते थे।

विहारेश्वर मंदिर से लेकर मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर तक भक्तों ने जयकारे लगाए

कानपुर ग्रामीण। सजेती जयकारों के बीच भगवान शिव का दूध और गंगा जल से अभिषेक किया, बेलपत्र, धतूरा,शहद, और पुष्प अर्पित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की ओर परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना की, आपको बताते चलें कि निबिया खेड़ा में स्थित बारीश्वर महादेव और कुष्मांडा देवी मंदिर परिसर में स्थित शिवालय, और सिधौल के मारकाडेयश्वर महादेव, सजेती के विहारेशवर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई, मंदिर परिसर में हर हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा,मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर की मुख्य पुजारी शिव कली सैनी ने बताया कि बहुत दूर दूर से श्रद्धालु आते है और परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना करते हैं, और हर हर महादेव के जयकारे लगाते आते-जाते हैं,विहारेश्वर महादेव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया है मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर की आस्था के अनुसार कन्या भोज का आयोजन किया गया है,सजेती के विहारेश्वर महादेव मंदिर कानपुर सागर हाइवे पर स्थित है जहां पर मेले का भी आयोजन किया गया है सजेती पुलिस मंदिर एवं मेले की सुरक्षा व्यवस्था में पूरी निष्ठा के साथ तैनात रही मेले में महिलाओं ने खूब खरीददारी की बच्चों ने मेले का लुत्फ उठाया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिल्लौर। जालंधर-ग्रामीण पुलिस की ओर से नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना फिल्लौर पुलिस ने एक व्यक्ति को 100 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई एसएसपी जालंधर-ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क, पीपीएस के दिशा-निर्देशों पर एसपी (जांच) विनीत अहलावत, आईपीएस के नेतृत्व और डीएसपी सब-डिवीजन फिल्लौर भारत मसीह लड्डुड़, पीपीएस की निगरानी में की गई। डीएसपी भारत मसीह लड्डुड़ ने बताया कि थाना फिल्लौर के एसएचओ इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह भुल्लर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए रविंदर कुमार उर्फ दविंदर पुत्र सलिंदर कुमार, निवासी मोहल्ला डॉ. अंबेडकर नगर, गढ़ा रोड, फिल्लौर, जिला जालंधर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 100 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना फिल्लौर में प्राथमिकी संख्या 251, दिनांक 21 अगस्त 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के कथित रूप से हेरोइन की अवैध बिक्री में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी को 22 अगस्त को अदालत में पेश किया, जहां से उसका दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से हेरोइन की आपूर्ति के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जालंधर-ग्रामीण पुलिस ने कहा कि जिले में नशे की सप्लाई चेन तोड़ने और नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

पंजाब में नशे का संकट गंभीर, सरकारों को जिम्मेदारी लेनी होगी: वड़िंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने नशे को प्रदेश के सामने खड़ी सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बताते हुए केंद्र और पंजाब सरकार पर इसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नशे के कारण बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित हो रहे हैं और युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद हो रहा है। अब सरकारों को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। 'वॉरियर्स विद बैरियर्स' कार्यक्रम के तीसरे सत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए वड़िंग ने कहा कि कांग्रेस नशे के खिलाफ लड़ाई को गांव-गांव तक ले जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नशे से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचने और उनकी समस्याओं को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता 'कांग्रेस वॉरियर्स' के रूप में इस अभियान को आगे बढ़ाएं।

हर मां की मांग-नशा खत्म हो

वड़िंग ने कहा कि उन्हें प्रदेश के विभिन्न गांवों से नशे की स्थिति से संबंधित वीडियो और लोगों की पीड़ादायक कहानियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या अब किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर पूरी युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर मां की एक ही मांग है कि नशा खत्म किया जाए। नशे की वजह से अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों का दर्द बेहद गंभीर है। सरकार को इस समस्या की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई करनी चाहिए।

तीन महीने में नशा खत्म करने का वादा कहां गया?

वड़िंग ने पंजाब सरकार से सवाल किया कि तीन महीने में नशा खत्म करने के उसके वादे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि केवल आर्थिक सहायता देने से नशे की समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि कई महिलाओं ने उनसे कहा कि उन्हें पैसे से अधिक अपने बच्चों को नशे से बचाने की जरूरत है।

मीडिया की भूमिका पर भी सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया के एक वर्ग पर नशे के मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे के बढ़ते संकट और इससे होने वाली मौतों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर नशे से होने वाली मौतों के वीडियो साझा करने वाले लोगों पर कथित पुलिस दबाव का भी आरोप लगाया और सरकार से पूछा कि सच्चाई सामने आने से रोकने की कोशिश क्यों की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग

वड़िंग ने नशे से होने वाली मौतों के लिए पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने पूछा कि अब तक कितने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों या पुलिस आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने दावा किया कि 14 से 20 अगस्त के बीच मालवा क्षेत्र के सात जिलों में नशे की अधिक मात्रा लेने से सात लोगों की मौत हुई। उन्होंने संबंधित जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की जवाबदेही तय किए जाने की मांग की।

गांव-गांव पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

वड़िंग ने कहा कि पंजाब सरकार अब नशे की समस्या के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। मुख्यमंत्री भगवंत मान को मौजूदा सरकार की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाने, प्रभावित परिवारों से मिलने और उन्हें हरसंभव सहयोग देने की अपील की। वड़िंग ने कहा कि पंजाब को नशे से मुक्त कराने की लड़ाई जारी रहेगी और कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेगी।

तीज का त्योहार महिलाओं के लिए खुशी, एकता और एकजुटता का संदेश: डॉ. गुरप्रीत कौर मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पटियाला में तीज के त्योहार के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान, पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान और पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल का पटियाला ग्रामीण पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय निवासियों ने समारोह में भाग लिया और तीज के त्योहार की रौनक बढ़ा दी। डॉ. गुरप्रीत कौर मान ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तीज का त्योहार पंजाबी महिलाओं के लिए खुशी, एकता, एकजुटता और प्यार का संदेश लेकर आता है। यह पंजाबी कल्चर और पारंपरिक विरासत का एक अहम हिस्सा है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में अहम

भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार गांवों और शहरों में तीज मेले लगा रही है, ताकि पंजाबी विरासत की परंपराओं को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना, मोहल्ला क्लीनिक और मां-बेटी सम्मान योजना का जिक्र किया और कहा कि इन योजनाओं को लोगों से भारी रिस्पॉन्स मिल रहा है। डॉ. मान ने सेहत मंत्री डॉ. बलबीर सिंह का खास तौर पर शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ को सही तरीके से संभालना एक तारीफ के काबिल काम है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाली मां-बेटियों की सुविधा और सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है। इस मौके पर बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, 'यह मान सरकार के रंगीन पंजाब की तस्वीर है - पंजाबी विरासत के रंग, बेटियों-बहनों का सम्मान और लोगों की खुशी।' उन्होंने कहा कि पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने और युवा पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे इवेंट ज़रूरी हैं।

इवेंट के दौरान, तीज के पारंपरिक रंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम और महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस मौके पर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन हरपाल विर्क, मेयर कुंदन गोगिया, एडवोकेट राहुल सैनी, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर अनुप्रिता जोहल, जसवीर गांधी, सुरेश राय, चरणजीत एस.के., जतिंदर कौर एस.के., देविंदर कौर के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं और इलाके के निवासी मौजूद थे।

अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क पकड़ा,10 अत्याधुनिक पिस्तौल सहित दो गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो व्यक्तियों को 10 अत्याधुनिक पिस्तौल, मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हथियारों की खेप ले जाने में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह और गुरप्रीत सिंह पुत्र गुलजार सिंह, दोनों निवासी गांव हवेलियां, जिला तरनतारन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद हथियारों में नौ 9 एमएम पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल है। इसके अलावा हथियारों के साथ मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से ग्रे रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल, नंबर पीबी-38-सी-1658 भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार इस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल हथियारों की खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था।

विदेश स्थित हैंडलर के संपर्क में होने का दावा

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी विदेश में बैठे कथित हैंडलरों के संपर्क में थे। पुलिस को आशंका है कि आरोपी सीमा पार से अवैध हथियारों की खेप प्राप्त कर पंजाब में आगे अन्य लोगों तक पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार सीआई अमृतसर की टीम को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपियों ने विदेश स्थित अपने कथित हैंडलर के निर्देश पर भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट गांव हवेलियां क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से हथियारों की खेप प्राप्त की है। इसके बाद वे इस खेप को आगे किसी अन्य व्यक्ति तक पहुंचाने की तैयारी में थे। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए अमृतसर-अटारी जीटी रोड पर गांव खासा के निकट दोनों आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 10 पिस्तौल, मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सीमा पार नेटवर्क की जांच जारी

डीजीपी ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। जांच का उद्देश्य हथियारों की तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान करने के साथ ही सीमा पार से संचालित कथित नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाना है। इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25, 25(1)(ए) और 25(8) तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत प्राथमिकी संख्या 51, दिनांक 22 अगस्त 2026 दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब पुलिस ने लैंगिक संवेदनशीलता परियोजना का तीसरा चरण पूरा किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिल्लौर। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और पुलिस बल में व्यावसायिकता को मजबूत करने की दिशा में पंजाब पुलिस ने फिल्लौर अकादमी में अपनी लैंगिक संवेदनशीलता परियोजना का तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया। 'पंजाब पुलिस में महिलाओं को मुख्यधारा में लाना' विषय पर आयोजित इस चरण का उद्देश्य पुलिस बल में समावेशी और सहयोगात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना रहा। यह परियोजना विशेष पुलिस महानिदेशक, सीएडी एवं महिला मामले, पंजाब के नेतृत्व में आयोजित की गई। अधिकारियों के अनुसार यह पहल पंजाब पुलिस की लैंगिक समानता और महिला कर्मियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। परियोजना के तीसरे चरण के दौरान राज्यभर के 384 पुलिस थानों से करीब 1,500 पुलिस

कर्मचारियों को प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इस मॉडल के जरिए प्रशिक्षण के दौरान हासिल जानकारी और कौशल को अधिक से अधिक पुलिसकर्मियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया, ताकि पुलिसिंग में लैंगिक संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा मिल सके।

महिला पुलिसकर्मियों के नेतृत्व पर जोर

परियोजना के अंतिम सत्र में महिला पुलिस कर्मियों को सशक्त बनाने तथा उन्हें अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व और परिचालन संबंधी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला कर्मियों में आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया, ताकि पुलिस बल में नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाया जा सके। पंजाब पुलिस के अनुसार लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशी कार्य संस्कृति पर ध्यान देने से पुलिस बल को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल पुलिस विभाग में समान अवसर, व्यावसायिकता और बेहतर कार्य वातावरण के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ऐसा कार्यस्थल तैयार करने में मदद मिलेगी, जहां प्रत्येक पुलिसकर्मी, लिंग की परवाह किए बिना, अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके और समाज की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रभावी योगदान दे सके।

विधायक ने किया मेस्कर घाट के सुंदरीकरण का लोकार्पण

कानपुर। आज दिनांक 24 अगस्त 2026 को पर्यटन विभाग द्वारा कैन्ट स्थित मेस्कर घाट में 1 करोड़ रूपये की लागत से हुये सुन्दरीकरण कार्यों का लोकार्पण विधायक, सलिल विश्नोई के साथ कानपुर महानगर के सांसद रमेश अवस्थी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कैन्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष लखन ओमर, पार्षद प्रस्तावना तिवारी, पार्षद अमित गुप्ता, आर्दश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता उर्फ मोनू, संचालक गुरु नारायण गुप्ता, महिला शिक्षा मण्डल की संस्थापक एवं संचालिका सीता दीदी आदि प्रमुख लोग कार्यक्रम में उपस्थित हुये।

'शब्दों की उड़ान, प्रतिभा की पहचान'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर, कानपुर नगर। विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न साहित्यिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किय जाता है। इसी क्रम में विद्यालय मे एनयूपीपीएल के सतर्कता विभाग के तत्वधान मे कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'झूठ के बिना एक दिन' रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ स्वरचित एवं मौलिक कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। उनकी कविताओं में सत्य, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। स्पष्ट उच्चारण, स्वर के उतार-चढ़ाव, प्रवाहपूर्ण अभिव्यक्ति एवं मंचीय आत्मविश्वास ने प्रस्तुतियों को

प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेल्ला कुमार सी, उप महाप्रबंधक (सतर्कता), एनयूपीपीएल; एवं संतोष यादव, प्रबंधक (मानव संसाधन), तथा सुयश श्रीवास्तव, उप कार्यकारी अभियंता (सतर्कता), गणमान्य अथिति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में निष्पक्ष मूल्यांकन किया। चेल्ला कुमार सी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रभावशाली काव्य-पाठ एवं रचनात्मक प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी काव्यात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भाषाई दक्षता, रचनात्मक चिंतन, वक्तृत्व कौशल एवं मंचीय आत्मविश्वास विकसित करने का सार्थक अवसर प्रदान करने वाली रही।

'नये श्रम कानून से मजदूर अधिकार कमजोर, कॉरपोरेट ताक़तवर होगा'

जस्टिस नागरत्ना की सुप्रीमकोर्ट फ़ैसले से असहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीमकोर्ट की नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक बड़े फ़ैसले में जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फ़ैसले से असहमति जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि 'इंडस्ट्री' की परिभाषा को पहले की तुलना में सीमित किया गया तो इसका सबसे बड़ा नुकसान मजदूरों को होगा और निजी कंपनियों तथा कॉरपोरेट की ताकत और बढ़ जाएगी। जस्टिस नागरत्ना ने असहमति नोट में चेतावनी दी है कि यदि 1978 के एक अहम फ़ैसले में 'उद्योग' की व्यापक परिभाषा को ऐसे बदला गया तो निजी क्षेत्र और कॉरपोरेट कंपनियों को मज़दूरों पर अपना एकतरफा दबाव बढ़ाने की पूरी छूट मिल जाएगी। अपने 147 पन्नों के विस्तृत असहमति वाले फैसले में जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि श्रम कानूनों का मक़सद केवल उद्योगों को सुविधा देना नहीं, बल्कि कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। सुप्रीम कोर्ट की नौ-न्यायाधीशों की पीठ के सामने यह सवाल था कि 1978 के ऐतिहासिक फ़ैसले 'बैंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बनाम आर. राजप्पा' में दी गई 'इंडस्ट्री' की व्यापक परिभाषा का भविष्य में क्या महत्व रहेगा। बहुमत ने कहा कि नए औद्योगिक संबंध संहिता -2020 के लागू होने के बाद 1978 का फ़ैसला भविष्य की व्याख्याओं के लिए बाध्यकारी नहीं माना जाएगा। लेकिन जस्टिस नागरत्ना ने इस निष्कर्ष से सहमति नहीं जताई। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि 1978 का फ़ैसला क़रीब पचास वर्षों तक श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली मज़बूत ढाल साबित हुआ। उन्होंने लिखा कि जब देश में आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण आया तब इसी फ़ैसले ने मज़दूरों को क़ानूनी सुरक्षा दी और यह सुनिश्चित किया कि सरकार भी श्रमिक कल्याण की अपनी ज़िम्मेदारियों से पीछे न हटे। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि निजी क्षेत्र और बड़ी कंपनियों के पास पहले से ही कर्मचारियों की तुलना में अधिक आर्थिक और प्रशासनिक ताक़त होती है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि 'इंडस्ट्री' की परिभाषा सीमित कर दी गई तो कंपनियों की यह 'असंतुलित सौदेबाजी की शक्ति' और मजबूत हो जाएगी। उनके अनुसार इससे कर्मचारियों के लिए अपने अधिकारों की रक्षा करना पहले से अधिक कठिन हो सकता है। अपने फ़ैसले में जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि आने वाले समय में औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत जब श्रम विवाद अदालतों में आएंगे तब यह तय करना बेहद अहम होगा कि कर्मचारियों को पहले जैसी क़ानूनी सुरक्षा मिलती रहे।

खेत में बने भूसे के गूंगे पर तेंदुआ बैठे होने का वीडियो वायरल

पूरनपुर (पीलीभीत)। खेत में बने भूसे के गूंगे पर तेंदुए के बैठे होने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। आबादी के करीब भी तेंदुए की चहल कदमी को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। तहसील क्षेत्र के ग्राम कजरी निरंजनपुर क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में एक बार फिर दहशत फैल गई है। खेत में भूसा भरने के लिए इस्तेमाल होने वाले गूंगे के ऊपर बैठे तेंदुए का वीडियो सोमवार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार वीडियो दो दिन पुराना है। पिछले चार-पांच दिनों से कजरी निरंजनपुर और आसपास तेंदुए की चहलकदमी की चर्चा है। इससे पहले 31 जुलाई को तेंदुआ गौशाला में घुसकर बछड़े का शिकार कर चुका है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था और 12 अगस्त को तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया था। इसके बाद टीम उसे अपने साथ ले गई थी। अब दोबारा तेंदुए की मौजूदगी के दावे से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। कजरी निरंजनपुर निवासी यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने जिलाधिकारी, बीएसए, एसडीएम पूरनपुर और डीएफओ शाहजहांपुर को पत्र भेजकर तेंदुआ पकड़े जाने तक आसपास के स्कूल बंद कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने, निगरानी करने और तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।

विगत एक माह से ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। जनपद पीलीभीत के बॉर्डर पर स्थित गांव जादोपुर कलां में विगत एक माह से सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति न मिल पाने से नाराज ग्रामीणों ने कुरैया कलां बिजली घर पर जमकर हंगामा किया। जनपद शाहजहांपुर के ग्राम जादौपुर कलां में ट्रांसफार्मर खराब होने से करीब एक माह से गांव अंधेरे में है। भीषण गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या का समाधान न होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार दोपहर 12 बजे कुरैया कला बिजली घर पहुंचकर हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।ग्रामीणों का कहना है कि गांव का ट्रांसफार्मर एक माह से खराब है। बिजली आपूर्ति करने में असमर्थ है। इसके चलते गांव की आबादी को लगातार बिजली संकट झेलना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को समस्या से अवगत कराया,लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर ठीक नहीं कराया गया और न ही नया ट्रांसफार्मर लगाया गया।ग्रामीणों ने जेई कुरैया को शिकायती पत्र देकर तत्काल समस्या का समाधान कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ ही आंदोलन करने को मजबूर होंगे। विरोध प्रदर्शन में कासिम सादिक, साबिर हसन, प्रतीक अहमद, जाहिद हसन, फिरदौस, वसीम रजा, कासिम खान, यूसुफ, हकीकुद्दीन, रिहान, रिजवान और आसिफ खान समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

होलागढ़ पुलिस द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज। न्यायालय जे0एम0 कक्ष सं0-03 प्रयागराज द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बन्धित मु0सं0-2527/2013 धारा-323/504/427 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 02 वारण्टी अभियुक्त 1. सुशील कुमार पुत्र रामसुमेर 2. राम सुमेर पुत्र स्व0 रामाधार निवासी ग्राम जमालपुर थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम जमालपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

उतरांव पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज। ग्राम न्यायालय हण्डिया प्रयागराज द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बन्धित मु0सं0-8892/18 धारा-323/504 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त धनराज पुत्र गोकुल निवासी ग्राम रेहथू थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम रेहथू के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी धनराज पुत्र गोकुल निवासी ग्राम रेहथू थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 65 वर्ष।

श्लोक ज्ञान,भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नैनी, प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह के पावन अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गय इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन भारतीय भाषा 'संस्कृत' के महत्व, उसके संरक्षण तथा युवाओं में इसके प्रति रुचि को बढ़ावा देना रहा श्लोक गायन तथा भाषण प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। श्लोक गायन में प्रथम सौम्या तिवारी, द्वितीय अनुभवी चौधरी और तृतीय स्थान मानसी सिंह ने प्राप्त किया है।

श्लोक गायन में विद्यार्थियों ने संस्कृत के क्लिष्ट एवं नीतिपरक श्लोकों का स्पष्ट उच्चारण, सस्वर वाचन एवं सटीक अर्थ प्रस्तुत कर अपनी संस्कृत दक्षता का परिचय दिया।भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने 'संस्कृतः आधुनिकसमाजे संस्कृतस्योपयोगिता' विषय पर ओजस्वी एवं प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत कर दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर, ज्ञान और विज्ञान की जननी है कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को समापन समारोह में प्रमाणपत्र एवं

उतरांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उतरांव पुलिस टीम द्वारा रात्रि चेकिंग के दौरान तीन व्यक्तियों के अवैध असलहा लिए थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत कसिया का पूरा होते हुए बबुरिहा ओवर ब्रिज होकर प्रयागराज की तरफ जाने की सूचना पर थाना उतरांव व एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 03 अभियुक्त 1. गौरव मिश्रा उर्फ बजरंगी पुत्र दिनेश मिश्रा निवासी दिघिया थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज 2. रोहित यादव उर्फ दारा पुत्र राम बिहारी यादव निवासी ग्राम अमकछा थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 3. निलेश सिंह पुत्र स्व0 सभाजीत सिंह निवासी ग्राम चंदापुर भभौरा थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत कसिया का पूरा बबुरिहां स्थित अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से कुल 02 अवैध देशी पिस्टल व 03 अवैध देशी तमंचा बरामद किया गया। उपरोक्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना उतरांव पर मु0अ0सं0-189/26 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि थाना मेजा क्षेत्रान्तर्गत निवासी नीरज मिश्रा कही से असलहे लाकर गिरफ्तार अभियुक्तों को बेचने के लिये देता था, जिसे बेचकर प्राप्त रूपयों को आपस में बाट लिया जाता था। अभियुक्त नीरज मिश्रा उपरोक्त की गिरफ्तारी अभी शेष है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया है।उतरांव व एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 03 अभियुक्त गिरफ्तार।

पिपरिया दुलई में श्मशानघाट के पास देखी गई तेंदुए की चहलकदमी

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव के श्मशान घाट के पास तेंदुए की चहल कदमी देखी गई है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। गांव के करीब ही तेंदुए की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। तहसील क्षेत्र के गांव पिपरिया दुलई के पास श्मशानघाट पर तेंदुए की चहलकदमी का वीडियो सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो रविवार शाम का बताया जा रहा है। वीडियो में तेंदुआ एक गोवंशीय पशु की ओर तेजी से लपकता दिखाई दे रहा है। इसी दौरान आस-पास मौजूद लोगों की चहल-पहल के कारण गोवंशीय पशु तेंदुए के हमले से बच गया। आबादी के नजदीक तेंदुआ दिखाई देने की सूचना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के मुताबिक मामले की सूचना वन विभाग को भी दी गई थी।

ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और तेंदुए को पकड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि तेंदुए की मौजूदगी से खेतों और आस-पास आने-जाने वाले ग्रामीणों में भय बना हुआ है।

कांग्रेस सेवा दल ने शहीद राजगुरु की जयंती पर दी श्रद्धांजलि अर्पित की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के साथ फांसी चढ़ने वाले अमर बलिदानी शहीद शिवराम हरि राजगुरु की जयंती पर उनके छाया चित्र पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।सोमवार को नैनी क्षेत्र के डांडी स्थित कार्यालय में आयोजित सभा में 23 मार्च 1931 को भगत सिंह और सुखदेव के साथ फांसी के फंदे को चूमने वाले शहीद राजगुरु को याद किया गया।कांग्रेस सेवा दल के शहर मुख्य संगठक अभिनीत कुशवाहा ने बताया कि महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु 1924-25 से 1927 के मध्य तक कांग्रेस सेवा दल, जो तब हिंदुस्तानी सेवा दल के नाम से जाना जाता था, में डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्दिकर के प्रभाव में सक्रिय रहे। इसके बाद 1928 में चंद्रशेखर आजाद के निवेदन और हार्दिकर की अनुमति से वे हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए।जिला मुख्य संगठक अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि राजगुरु में राष्ट्र के लिए पहले जान देने को लेकर भगत सिंह से हमेशा प्रतिस्पर्धा रही। कांग्रेस सेवा दल की ट्रेनिंग के कारण राजगुरु ज्यादा फुर्तीले और बेहतर निशानेबाज थे, वहीं भगत सिंह शारीरिक रूप से अधिक मजबूत और बेहतर पहलवान थे।इस दौरान शहर उपाध्यक्ष अनुज यादव, गुलरेज हैदर, जिला उपाध्यक्ष भास्कर सिंह, मनोज कुमार पटेल, अवनीश यादव, सावन पाल, अमित द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

पात्र परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। विकास भवन स्थित गंगा सभागार में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। बैठक में स्वयं सहायता समूहों की प्रगति, बैंक लिंकेज, लखपति दीदी योजना और शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि एनआरएलएम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र गरीब परिवार स्वयं सहायता समूह से वंचित न रहे। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र गृहस्थी सूची में शामिल ऐसे परिवार, जिनसे अभी तक कोई महिला स्वयं सहायता समूह से नहीं जुड़ी है, वहां से कम से कम एक महिला को समूह से जोड़ा जाए। इसके लिए ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक, समूह सखी और ब्लॉक मिशन प्रबंधक घर-घर जाकर सर्वे करें।

कम प्रगति पर जताई नाराजगी

समीक्षा के दौरान सैदाबाद, मांडा, मऊआइमा, श्रृंगवेरपुर और उरुवा विकासखंडों की प्रगति सबसे कम पाई गई। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को 15 दिन के भीतर प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बैठक में भी प्रगति संतोषजनक नहीं मिली तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

लखपति दीदी अभियान को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री के लखपति दीदी अभियान को जनपद में मिशन मोड में लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बीसी सखी, विद्युत सखी, कृषि सखी, पशु सखी, ड्रोन दीदी, एक जिला एक उत्पाद, डेयरी, मुर्गी पालन और सिलाई-कढ़ाई जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए, ताकि उनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो सके। उन्होंने लीड जिला प्रबंधक और बैंक शाखा प्रबंधकों को स्वयं सहायता समूहों के खाते खोलने तथा नकद ऋण सीमा की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैंकों में लंबित आवेदनों का निस्तारण सात दिन के भीतर सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि समूह की महिलाओं को अनावश्यक रूप से बैंक के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में उपायुक्त स्वतः रोजगार ने विभागीय अधिकारियों से अपने-अपने विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं और निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी एनआरएलएम कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। इससे अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकेगा।

अवन्तिका विकास समिति द्वारा पारंपरिक पर्व पर आयोजित कजरी महोत्सव सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। सावन मास के पारंपरिक लोक पर्व पर आयोजित कजरी महोत्सव में गायक और गायिकाओं ने लोकधुनों पर आधारित कजरी गीत सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अवन्तिका विकास समिति द्वारा रविवार को आयोजित कजरी महोत्सव एडीए कालोनी स्थित एक गेस्ट हाउस में देर शाम तक चलने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता गजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईजी सीपी सिंह रहे तथा कार्यक्रम का सफल संचालन जगदम्बा प्रसाद शुक्ल ने किया।मुख्य अतिथि द्वारा भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।लोकगायक अशोक कुमार सिंह, गंगा ठाकुर, रामेश्वर कुशवाहा, नरेंद्र ओझा की टीम द्वारा ईश वंदना सहित कई गीत प्रस्तुत किये गए। महिलाओं की ओर से अवन्तिका विकास समिति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुषमा विश्वकर्मा सहित नीलम श्रीवास्तव, मंजू पाण्डेय, बिंदू शर्मा, मंजू भल्ला,आकांक्षा श्रीवास्तव, ज्योत्सना मिश्रा, सुनीता देवी आदि ने अपने कजरी गीतों से शमां बांध दिया। सुभाष विश्वकर्मा व जगदम्बा शुक्ल ने भी कजरी गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिलेश सिंह, अनिल द्विवेदी, अशोक श्रीवास्तव, शिवशंकर पाण्डेय, शिव नारायण तिवारी, धीरेंद्र चौधरी, सुभाष चन्द्र, जय गोपाल सिंह, डां एस पी सिंह, विकलेश द्विवेदी, वेदानंद विश्वकर्मा, सुशील यादव, अवधेश कुमार यादव, पूनम सिंह सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। समिति के संयोजक गजेंद्र सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत किया तथा अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने आभार प्रकट किया।

श्रवण कुमार सा कर्तव्य निभा रहे कन्नौज के ये 6 भाई

मिरगावां (कन्नौज)। गाजियाबाद-कानपुर ग्रीनफील्ड हाईवे के मिरगावां कट पर सोमवार सुबह लोगों की निगाहें एक कांवड़ पर ठहर गई। उसमें बैठे थे 70 वर्षीय राजाराम दिवाकर और उनकी पत्नी चंदो देवी। कांवड़ को उनके छह बेटे संभालकर अपने गांव मिरगांवा की ओर बढ़ रहे थे। रात भर की 28 किमी यात्रा के बाद माता-पिता के चेहरों पर थकान से अधिक संतोष था। ग्रामीणों ने परिवार को जगह-जगह रोककर स्वागत किया और बेटों के जज्बे की सराहना की। राजाराम और चंदो देवी को कांवड़ में लेकर छह बेटे अंजीत, रंजीत, नन्हे, सुनील, अनिल और रोहित रविवार को मिरगावां से जलेसर के गंगा तट के लिए निकले थे। गांव से घाट की दूरी करीब 14 किलोमीटर है। परिवार की बहुएं गुड़िया, मुन्नी, शांति और सोनिया भी इस यात्रा में साथ रहीं। जलेसर पहुंचते-पहुंचते रात हो गई। करीब साढ़े 12 बजे बेटों ने अपने माता-पिता को गंगा स्नान कराया। इसके बाद छह भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी स्नान किया। गंगा जल लेकर कांवड़ यात्रा वापस मिरगावां के लिए शुरू हुई। आने-जाने में यात्रा करीब 28 किलोमीटर की रही।

भारतीय बजरंग दल ने निकाली भव्य पंचम जलाभिषेक बाइक यात्रा

धार्मिक यात्रा में तलवारों का प्रदर्शन बना चर्चा का विषय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय बजरंग दल की भव्य पंचम जलाभिषेक बाइक यात्रा सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे साई श्रद्धा बैंक्विट हॉल से शुरू हुई। यात्रा स्टेशन रोड, मोहल्ला करीमगंज होते हुए शेरपुर कलां पहुंची। इसके बाद श्रद्धालु धनाराघाट स्थित शारदा तट से जल लेकर मां पीतांबरा शक्ति पीठ बारह ज्योतिर्लिंग मंदिर, तकिया दिनारपुर पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे। यात्रा में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के अनुसार यात्रा में करीब 1500 बाइक और चार से पांच हजार लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान तलवारों का प्रदर्शन भी चर्चा का विषय बना रहा। खासतौर पर मुस्लिम बहुल क्षेत्र शेरपुर कलां में तलवारें लहराई गई, इस दौरान नाबालिग बच्चों के हाथों में भी तलवारें दिखाई दीं। यात्रा के दौरान पुलिस बल मौजूद रहा, लेकिन तलवारों के प्रदर्शन को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। धार्मिक यात्रा के दौरान हथियारों के खुले प्रदर्शन को लेकर स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर भी तलवारों के प्रदर्शन से जुड़े वीडियो और तस्वीरें चर्चा में हैं। हालांकि पूरे मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

अलीगढ़ में छात्रों का प्रदर्शन, आरएमपीएसयू कुलपति के इस्तीफे की मांग

अलीगढ़। डीएस कॉलेज के बीए-एलएलबी छात्र सचिन की मौत के विरोध में सोमवार को अलीगढ़ में छात्रों का आक्रोश देखने को मिला। छात्रों ने धर्म समाज महाविद्यालय और श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में धरना-प्रदर्शन कर राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) के कुलपति के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान छात्रों ने जमकर नारेबाजी की और विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ अपना विरोध जताया। धर्म समाज महाविद्यालय में प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब एक छात्र ने कथित तौर पर खुद पर पेट्रोल डालने का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर मौजूद अन्य छात्रों और कॉलेज कर्मचारियों ने तत्काल उसे रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने सचिन की मौत के लिए सीधे तौर पर विश्वविद्यालय प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुई ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)- क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के उद्देश्य देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को योजनाओं से लाभान्वित किए जाने आदि पर जानकारी दी गई। सोमवार को विकास खण्ड मरौरी पीलीभीत में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत किया गया एवं बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का उद्देश्य देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाना एवं उन्हें संरक्षण प्रदान करना है, साथ ही उनके द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला विकास अधिकारी संजय सिंह द्वारा उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित किया गया कि वह ग्राम चौपालों का आयोजन अधिक से अधिक करें। जिससे योजनाओं का प्रचार-प्रसार ग्रामीण स्तर तक हो सके सके। ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा द्वारा महिलाओं सामाजिक कार्य मे अपनी सहभागिता देने और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित गया। साथ ही उनके द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत एक वर्ष के कम आयु की 08 बालिकाओं को बेबी किट वितरित की गई।

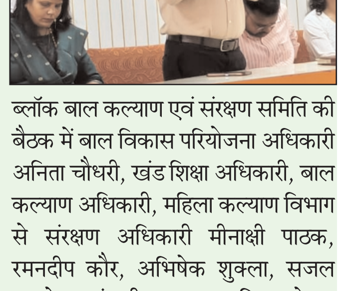

ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में बाल विकास परियोजना अधिकारी अनिता चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी, बाल कल्याण अधिकारी, महिला कल्याण विभाग से संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक, रमनदीप कौर, अभिषेक शुक्ला, सजल सक्सेना एवं रुबीना खातून उपस्थित रहे।

मॉस्को में पुतिन से मिले जयशंकर: दिया पीएम मोदी का खास संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मॉस्को। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष संदेश उन्हें सौंपा। दोनों नेताओं के बीच भारत-रूस संबंधों, आर्थिक सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से पुतिन को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके लिए एक व्यक्तिगत संदेश भेजा है, जिसे वह उन्हें सौंपना चाहते हैं। जयशंकर ने बताया कि भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

आर्थिक सहयोग में तेजी

जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग तेजी से बढ़ा है। व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई है और आगे भी सहयोग को बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में मिलने के लिए उत्सुक हैं। इसके बाद भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन का स्वागत किया जाएगा। दोनों नेताओं की सुविधा के अनुसार वार्षिक शिखर सम्मेलन के आयोजन पर भी आगे विचार किया जाएगा।

पुतिन ने मोदी के प्रयासों की सराहना की

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत-रूस संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों देश लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें सरकारी और अंतर-संसदीय संबंधों के साथ आर्थिक सहयोग भी शामिल है। पुतिन ने कहा कि इस वर्ष दोनों देशों के बीच व्यापार में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस-भारत संबंधों को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत ध्यान महत्वपूर्ण है।

पुतिन ने कहा कि भारत की ऊर्जा जरूरतों के साथ उर्वरक आपूर्ति भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस भारतीय किसानों और कृषि क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास कर रहा है और आगे भी इसमें सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा, उच्च तकनीक और अन्य क्षेत्रों में सहयोग भी दोनों देशों के एजेंडे में शामिल है तथा इन क्षेत्रों में लगातार प्रगति हो रही है। जयशंकर ने रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ भारत-रूस व्यापार और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की और बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। मंटुरोव के साथ बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत-रूस साझेदारी ने लगातार मजबूती दिखाई है और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता साबित की है। उन्होंने कहा कि जटिल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद दोनों देशों के बीच संबंध लगातार गहरे हुए हैं। यह आपसी हित और विश्वास को दर्शाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मॉस्को पहुंचे थे। सोमवार को उन्होंने भारत-रूस व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब दोनों देश आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु ऊर्जा और उच्च तकनीक सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पर घायल छात्र ने लगाए गंभीर आरोप

राहुल गांधी से मांगा न्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में घायल होने का दावा करने वाला बागपत निवासी विकास अग्रवाल सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने की उम्मीद में 10 जनपथ पहुंचा। युवक ने प्रदर्शन के दौरान गंभीर चोट लगने का दावा करते हुए इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में अपने हाथ की चोट और प्रदर्शन से संबंधित तस्वीरें एवं वीडियो दिखाए। विकास के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान उसके हाथ में गंभीर चोट लगी थी। उसने बताया कि जिस हाथ का पहले ऑपरेशन हो चुका था, उसमें 14 टांके आए। युवक ने दावा किया कि चोट के कारण उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अभिजीत दीपके पर लगाया आरोप

विकास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि 12 अगस्त को दिल्ली के नारायणा इलाके के एक पार्क में उसे सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने बुलाया था। उसके अनुसार, वहां इलाज का खर्च देने के नाम पर 15 से 20 हजार रुपये देने और मामले पर चुप रहने की बात कही गई। विकास ने दावा किया कि उसने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। युवक ने कहा कि वह 12 अगस्त से दिल्ली में इधर-उधर रहने को मजबूर है। उसने यह भी दावा किया कि उसका भाई दिल्ली पुलिस में कार्यरत है, लेकिन उसे वहां से भी अपेक्षित मदद नहीं मिली। अब उसने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से न्याय की उम्मीद जताई है। इस मामले में सीजेपी के मीडिया प्रभारी फरहान से वॉट्सऐप के माध्यम से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पांच सितंबर को दिल्ली मार्च का ऐलान

परीक्षा में कथित अनियमितताओं और नीट विवाद को लेकर आंदोलन कर चुके काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। संगठन के अनुसार शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रस्तावित मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी का कहना है कि मार्च में नीट परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन तथा जुलाई के आंदोलन में पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोग शामिल होंगे। संगठन ने आरोप लगाया है कि 25 जुलाई को केंद्र के साथ हुए समझौते के बाद भी प्राथमिकी वापस लेने और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने सहित कई मुद्दों पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के चांदनी महल इलाके में इमारत का एक हिस्सा ढहा, बाल-बाल बची लोगों की जान

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र में स्थित पहारी भोजला में इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटना आज सुबह घटी, जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मलबे के नीचे या आसपास पड़े वाहनों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई, हालांकि लगभग तीन-चार स्कूटी और मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं। इमारत पहले से ही जर्जर हालत में थी। पता चला है कि एमसीडी ने इसकी स्थिति को लेकर पहले ही नोटिस जारी किया था और मरम्मत का काम चल रहा था। पुलिस संबंधित एमसीडी अधिकारियों के साथ मिल कर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

अमृतसर में बेजुबानों के साथ क्रूरता, बंद मकान से बदहाल हालत में बचाए गए 3 कुत्ते और 1 बंदर

अमृतसर। रामतीर्थ रोड पर पशु क्रूरता का दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां ब्रीडिंग के लिए रखे गए कुत्तों को बेहद खराब परिस्थितियों में रखा गया था। रेस्क्यू टीम और पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीन कुत्तों और एक बंदर को दयनीय हालत में बरामद कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। गर्मी और बदहाली के कारण मासूम पिल्लों की मौत हो चुकी थी। रेस्क्यू टीम के अनुसार, मौके पर मिली मां लैब्राडोग की हालत भी बेहद गंभीर थी। उसके कान तक गल चुका था और शरीर पर भी बीमारी तथा संक्रमण के लक्षण दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि कुत्तों को ब्रीडिंग के उद्देश्य से रखा गया था, लेकिन उनकी देखभाल और उपचार का उचित प्रबंध नहीं किया गया। जैसे ही पुलिस यहां पहुंची मलिक ने बाहर ताला लगा दिया पुलिस ने ताला तोड़कर आंध्र प्रदेश किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन कुत्तों को वहां से बाहर निकाला। इसके साथ ही एक बंदर को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए कुत्तों को अब उपचार के लिए भेजा जाएगा।

लुधियाना में प्री वेडिंग समारोह में दूल्हे ने की सात राउंड फायरिंग

लुधियाना। हंबड़ा रोड स्थित निर्वाणा क्लब में 21 अगस्त को एक प्री वेडिंग समारोह में दूल्हे ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से सात राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि फायरिंग के दौरान कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने पर थाना पीएयू की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सात खोल बरामद कर लिए। मामले में पुलिस ने अशोक नगर निवासी प्रणव खोसला के खिलाफ आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपित फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा है। एएसआइ भूपिंदर जग्गी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि निर्वाणा क्लब में समारोह के दौरान आरोपित ने फायरिंग की है। इसके बाद पुलिस क्लब में पहुंची और मौके से सात खोल बरामद किए। समारोह में जिस समय फायरिंग हो रही थी तो किसी ने वीडियो रिकार्ड कर उसे वायरल कर दिया। थाना पीएयू के प्रभारी इंस्पेक्टर अमृतपाल सिंह ने कहा कि पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

तलाक के बाद भी पत्नी की आर्थिक सुरक्षा पति की जिम्मेदारी, पटना हाई कोर्ट का अहम फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। पटना हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में कहा कि विवाह विच्छेद के बाद भी पति अपनी पत्नी की आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन-यापन की जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता। शिवहर जिले के एक मामले में कोर्ट ने तलाक की डिक्री बरकरार रखते हुए पति को अपनी कानूनी रूप से हस्तांतरण योग्य कृषि भूमि में से एक कट्ठा जमीन पत्नी को स्थायी भरण-पोषण के तौर पर देने का आदेश दिया है। साथ ही पत्नी को हर माह 10 हजार रुपये देने को कहा है। जमीन तीन महीने में हस्तांतरित करनी होगी। न्यायाधीश बिबेक चौधुरी और न्यायाधीश राणा विक्रम सिंह की खंडपीठ ने सोमवार को पूनम कुमारी की अपील पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने शिवहर फैमिली कोर्ट के 30 जून 2022 के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पति रमेश प्रसाद को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आईए) के तहत पत्नी की क्रूरता के आधार पर तलाक दिया गया था। दोनों की शादी 13 मई 2002 को हुई थी। कोई संतान नहीं है। पति का आरोप था कि पत्नी उसे माता-पिता और भाई से अलग रहने के लिए दबाव देती थी। इसके बाद भी वैवाहिक विवाद जारी रहा। दिसंबर 2014 से दोनों अलग रह रहे हैं। पत्नी ने पति और ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट का आरोप लगाया था। उसका कहना था कि वह पति के साथ रहने को तैयार है। हाई कोर्ट ने कहा कि मानसिक क्रूरता का फैसला किसी एक घटना के आधार पर नहीं किया जा सकता। पूरे वैवाहिक जीवन, पक्षकारों के व्यवहार और लंबे अलगाव की परिस्थितियों को समग्र रूप से देखना होगा। कोर्ट ने पाया कि वर्ष 2014 से अलग रह रहे दंपती के बीच वैवाहिक संबंध इस स्तर तक बिगड़ चुका था कि सामान्य वैवाहिक जीवन बहाल होने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए तलाक की डिक्री में हस्तक्षेप का आधार नहीं है। पति ने पत्नी के निजी शिक्षक होने और 10 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का दावा किया था, लेकिन इसके समर्थन में कोई दस्तावेज नहीं दे सका। दूसरी ओर, रिकॉर्ड में पति की कृषि भूमि और कारोबार सामने आया। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने पत्नी के लिए एक कट्ठा जमीन और 10 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण तय किया। पहले से मिल रहे पांच हजार रुपये प्रतिमाह का नई राशि में समायोजन होगा।

कानपुर आरटीओ में पुलिस का छापा, 22 दलाल गिरफ्तार

आरटीओ में मिल रहीं भ्रष्टाचार की शिकायतों पर हुई कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर आरटीओ में दलाली और भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सोमवार को एडीसीपी क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच टीम और जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने आरटीओ कार्यालय के अंदर बड़ी छापेमारी की। बताया जा रहा है कि इस छापेमारी में 22 दलाल पकड़े गए हैं। कार्यवाही एसडीएम सदर अभिनव सिंह और एडीसीपी क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में की गई। छापेमारी से पहले ड्रोन कैमरे से पूरे परिसर की निगरानी की गई। करीब 50-60 पुलिसकर्मियों ने आरटीओ परिसर को घेरते हुए दोनों गेट बंद कर आवाजाही रोक दी। अचानक हुई कार्रवाई से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरटीओ परिसर के दोनों गेट बंद कर दिए और किसी को भी वाहर नहीं निकलने दिया गया। पुलिस ने कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्रशासन की इस कार्रवाई में 22 लोगों को हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई का उद्देश्य आरटीओ में कथित दलाली और भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करना बताया गया है।

हौज खास मेट्रो ट्रैक पर कूदकर खुदकुशी करना चाह रही थी किशोरी, महिला सिपाही ने बचाई जान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की महिला सिपाही निकिता की मुस्तैदी और साहस के चलते हौज खास मेट्रो स्टेशन पर एक हादसा होते होते टल गया। गश्त के दौरान सिपाही ने पास खड़ी एक 16 वर्षीय किशोरी को मेट्रो ट्रैक पर कूदकर जान देने की कोशिश करते हुए देख लिया। परेशान हालत में देखकर माजरा भांपकर उसने तुरंत किशोरी को दबोचकर पीछे की तरफ खींच लिया। डीसीपी डा. आनंद डाभी के मुताबिक 22 अगस्त को हौज खास मेट्रो स्टेशन पर तैनात सिपाही निकिता अपनी नियमित गश्त पर थीं। इसी दौरान उसने देखा कि एक किशोरी मेट्रो ट्रैक की ओर बढ़ रही है और नीचे कूदने का प्रयास कर रही है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उसने बिना एक पल गंवाए त्वरित कार्रवाई की और बहादुरी से किशोरी को पकड़कर पीछे खींच लिया। लड़की के बार-बार ट्रैक की तरफ जाने के प्रयासों के बावजूद निकिता ने साहस का परिचय देते हुए उसे पकड़ लिया और तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दे दी, जिसके बाद उसे थाने ले जाया गया।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से बाहर हुए गौरव खन्ना, स्टंट के दौरान लगी चोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। टीवी अभिनेता गौरव खन्ना का रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' का सफर दर्दनाक तरीके से खत्म हो गया। शो में कई मुश्किल स्टंट करने वाले गौरव एलिमिनेशन टास्क के दौरान चोटिल हो गए। कोहनी में लगी चोट के कारण वह स्टंट पूरा नहीं कर सके और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। एलिमिनेशन टास्क में गौरव खन्ना का मुकाबला शगुन शर्मा और रुबीना दिलैक से हुआ। चुनौती के दौरान प्रतिभागियों को अलग-अलग रंगों के झंडे इकट्ठा करते हुए दो संकरे पुलों के बीच छलांग लगानी थी। इनमें से एक पुल घूम रहा था। दोनों पुल काफी ऊंचाई पर बनाए गए थे और प्रतिभागियों को सुरक्षा कवच भी नहीं दिया गया था।

स्टंट के दौरान फिसला पैर

शगुन शर्मा ने सबसे पहले चुनौती पूरी की और छह झंडे हासिल किए। इसके बाद रुबीना दिलैक ने पांच झंडे इकट्ठा किए। गौरव खन्ना ने भी आत्मविश्वास के साथ स्टंट शुरू किया, लेकिन इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गए। पानी से बाहर निकलने के लिए सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ते समय उनकी कोहनी में चोट लग गई। दर्द अधिक होने के कारण वह आगे स्टंट जारी नहीं रख सके।

पहले से थी कोहनी की समस्या

शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने बताया कि गौरव खन्ना पहले से ही 'टेनिस एल्बो' की समस्या से जूझ रहे थे। स्टंट के दौरान उनकी यह चोट और बढ़ गई। चोट के कारण वह चुनौती पूरी नहीं कर सके और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। शो से विदाई के दौरान गौरव भावुक नजर आए। उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल और ओरी यानी ओरहान अवत्रामणि का नाम लिया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान इन सभी के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग रही।

बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के आश्रम से महिला गायब, बंधक बनाकर दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय से जुड़े आश्रम से एक महिला सदस्य के लापता होने का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। आश्रम की महिलाओं ने अदालत को बताया कि एक महिला सदस्य लापता है। जबकि उसका सामान अभी भी आश्रम परिसर में पड़ा हुआ है। इस पर हाई कोर्ट ने विजय विहार थाना एसएचओ को लापता व्यक्ति का मामला दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि आश्रम के कामकाज की जांच जरूरी है। अदालत ने कहा कि समाज को आश्रम में चल रही गतिविधियों के बारे में जानने का पूरा हक है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को बताया कि आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के संस्थापक वीरेंद्र देव दीक्षित की मौत हो चुकी है। वीरेंद्र देव दीक्षित पर अध्यात्म के नाम पर युवतियों और महिलाओं को बंधक बनाने तथा दुष्कर्म के आरोप थे और वह फरार था।

'ब्रह्मास्त्र 2' में नहीं होंगी दीपिका पादुकोण, प्रवक्ता ने खबरों को बताया गलत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

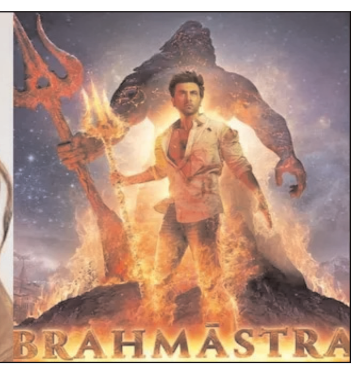

नई दिल्ली। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उनके फिल्म 'ब्रह्मास्त्र 2' में शामिल होने की खबरों पर भी विराम लग गया है। दीपिका के आधिकारिक प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि अभिनेत्री का इस फिल्म से किसी भी तरह का संबंध नहीं है। पिछले कुछ समय से मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि दीपिका पादुकोण अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' में अमृता का किरदार निभा सकती हैं। हालांकि, फिल्म की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अब दीपिका के प्रवक्ता ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है।

प्रवक्ता ने क्या कहा ?

दीपिका के प्रवक्ता के अनुसार, अभिनेत्री के 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा होने या किसी भी रूप में इस परियोजना से जुड़े होने की हालिया खबरें गलत हैं। प्रवक्ता के बयान के बाद यह साफ हो गया है कि फिलहाल दीपिका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। फिल्म में अमृता का किरदार कौन निभाएगा, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

'स्पिरिट' को लेकर भी चर्चा में दीपिका

दीपिका पादुकोण इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फिल्म की कार्यप्रणाली, काम के घंटों और मुनाफे में हिस्सेदारी से जुड़ी कथित शर्तों को लेकर विवाद सामने आया है। हालांकि, दीपिका ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी दीपिका

काम के मोर्चे पर दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ आगामी फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। इसके अलावा वह अल्लू अर्जुन के साथ एक्शन फिल्म 'राका' से भी जुड़ी हैं।

गौतम गंभीर पर बरसे पूर्व कप्तान, बोले- छोटी टीमों को हराकर होते हैं खुश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। भारत ने पहले टेस्ट में भी जीत दर्ज की थी। इस सीरीज में देवदत्त पडिक्कल ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों मैचों में शतक जड़े हैं। उनके प्रदर्शन के बाद वह नंबर-3 के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर चुके हैं। पडिक्कल के प्रदर्शन को लेकर भारत के पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा सीरीज में गंभीर के सामने ज्यादा चुनौती नहीं है और छोटी टीमों के खिलाफ जीत से उन्हें खुशी मिलती होगी।

गंभीर पर जमकर साधा निशाना

स्पोर्ट्सकीड़ा से बातचीत में क्रिस श्रीकांत ने कहा कि पहले टेस्ट में 200 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को बाहर करना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि गंभीर चाहे कुछ भी कहें, लेकिन मौजूदा सीरीज में उनके सामने ज्यादा काम नहीं है। श्रीकांत ने श्रीलंका को मजबूत टीम नहीं बताते हुए कहा कि भारत के सीरीज जीतने की पूरी संभावना है। उन्होंने टिप्पणी की कि श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ जीत से गंभीर खुश होंगे। हालांकि, श्रीकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी व्यक्तिगत आलोचना के तौर पर नहीं है। उन्होंने गंभीर को बेहतरीन खिलाड़ी बताते हुए कहा कि खेल को समझने और परिस्थितियों को पढ़ने की उनमें अच्छी क्षमता है। उनके मुताबिक गंभीर को अपनी कार्यशैली में थोड़ा अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है।

भारत ने पहली पारी में बनाए ५०३ रन

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने पहली पारी में 503 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। देवदत्त पडिक्कल ने 117 रन की शानदार पारी खेली। इसके बाद ध्रुव जुरैल ने नाबाद 115 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने 63 रन का योगदान दिया।

सुरियावां पीस कॉटेज स्कूल में मीनिंग एवं टेबल प्रतियोगिता आयोजित

सुरियावां। पीस कॉटेज स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने एवं उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के उद्देश्य से मीनिंग एवं टेबल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नीरज दूबे, उपाचार्य स्वागता साहा, प्रशासक बी.एस. दूबे, नितेश उपाध्याय सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालय की मैनेजर माया पांडेय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यालय के संरक्षक डॉ. अजय कुमार पांडेय ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ज्ञान एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

भाजपा पंजाब की सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ेगी : बीएल संतोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने विराम लगा दिया है। दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंचे संतोष ने स्पष्ट किया कि भाजपा अकाली दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी ।बीएल संतोष ने कहा कि पंजाब अब बदलाव के लिए तैयार है और भारतीय जनता पार्टी इस बदलाव की अगुवाई करेगी। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में गठबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने हाल ही में प्रदेश में नई संगठनात्मक टीम का गठन किया था। इसके बाद पार्टी के भीतर कुछ नेताओं में असंतोष की चर्चाएं सामने आई थीं। संगठन की स्थिति का जायजा लेने और कार्यकर्ताओं व नेताओं से संवाद के लिए बीएल संतोष दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंचे हैं। मोहाली पहुंचने पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश के सह-प्रभारी सरदार नरेंद्र सिंह रैना ने उनका स्वागत किया। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बीएल संतोष प्रदेश के अलग-अलग जोन के नेताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति की समीक्षा करेंगे। सोमवार को वह पटियाला और बठिंडा जोन के नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जबकि मंगलवार को लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जोन के नेताओं से संवाद करेंगे।